आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.28
सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी 04:47 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 16 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 287, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

कई सीट पर जीत-हार का अंतर 500 से भी कम, संदेश में 27 वोट का अंतर
- 12

अमेरिकी शुल्क के बाद जेम्स और आभूषणों का निर्यात 31 प्रतिशत घटा
- 12

पारदर्शी हो सुरक्षा परिषद के सहायक संगठनों का काम
- 13

ईडन गार्डन्स में विकेटों के पतझड़ के बीच भारत का पलड़ा भारी
- 14

उमर के करीबी 2 डॉक्टर समेत 3 हिरासत में लिए, अल फलाह विवि पर मामला दर्ज

दिल्ली विस्फोट

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के सिलसिले में हरियाणा के अल फलाह विश्वविद्यालय के दो डॉक्टरों समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि यूजीसी और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा ध्यान दिलाई गई अनियमितताओं को लेकर संस्थान के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों में दो प्राथमिकियां दर्ज की हैं।

पुलिस टीम ने शनिवार को विश्वविद्यालय के ओखला कार्यालय का दौरा किया और जांच के दायरे में आए लोगों से जुड़ी जानकारी हासिल की। पुलिस ने अल-फलाह विश्वविद्यालय के दो डॉक्टरों - मोहम्मद और मुस्तकीम - को भी हिरासत में लिया, जो सोमवार को लाल किले के पास हुए विस्फोट से संबद्ध हुंडई आई20 कार के चालक डॉ. उमर नबी को जानते थे। विशेष शाखा और एनआईए द्वारा शुक्रवार देर रात धौज, नूंह और आसपास के इलाकों में की गई समन्वित छापेमारी के दौरान इन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि मोहम्मद और मुस्तकीम डॉ. मुजम्मिल गनई के संपर्क में थे, जिन्हें 'सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल' की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों उमर के करीबी सहयोगी भी थे। विस्फोट वाले दिन एक डॉक्टर एम्स में इंटरव्यू देने के लिए दिल्ली में था। दिनेश उर्फ डब्बू नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी बिना लाइसेंस के उर्वरक बेचने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने विस्फोटक पदार्थ खरीदने के लिए 26 लाख रुपये इकट्ठा किए थे और उसमें से तीन लाख रुपये एनपीके उर्वरक खरीदने में खर्च किए, जिसका इस्तेमाल बम बनाने में होता है।

दिल्ली में लाल किले के पास छानबीन करती जांच एजेंसियां।

- दोनों डॉक्टर मोहम्मद और मुस्तकीम डॉ. मुजम्मिल गनई व उमर के संपर्क में थे
- आतंकियों को खाद बेचने वाले हरियाणा के नूंह का दिनेश उर्फ डब्बू गिरफ्तार

कानपुर के डॉ. आरिफ ने शाहीन-मुजम्मिल को 82 कॉल किए

कानपुर। जांच एजेंसियों ने जैसे ही आरिफ के डिजिटल उपकरणों को खंगाला, एक सप्ताह के भीतर हुई इनकी बातचीत का पूरा पैटर्न सामने आया। इस अवधि में, 39 वाइस कॉल, 43 व्हाट्सएप कॉल, 200 से अधिक संदेश, 23 डिलीटेड मैसेज कुल मिलाकर लगभग 82 कॉल और भारी मात्रा में चैटिंग के रिकॉर्ड मिले हैं। यह संख्या सामान्य संपर्क से काफी अलग है, जिस वजह से सुरक्षा एजेंसियों के शक ने और जोर पकड़ लिया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों को डिलीटेड संदेश सफलतापूर्वक मिल गए हैं, जिनकी डिकोडिंग जारी है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि धमाके की डमी तैयार होने के बाद इनकी डिजिटल गतिविधियां असामान्य रूप से बढ़ गई थीं। यह वही समय था जब दिल्ली में विस्फोट की साजिश को अंतिम रूप दिया जा रहा था।

मस्जिद से रिकॉर्ड मांगा

जांचकर्ताओं ने आसफ अली रोड पर रामलीला मैदान के पास की एक मस्जिद से भी आगंतुकों के रिकॉर्ड मांगे हैं, जहां विस्फोट से कुछ घंटे पहले उमर सीसीटीवी फुटेज में देखा गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोट से पहले तीन घंटे तक सुनहरी मस्जिद पार्किंग क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक वाहन का एक विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया गया है। इस सूची में वाहन संख्या, समय और स्वामित्व का विवरण शामिल है।

अन्य कारों का पता लगाया

नई दिल्ली। लाल किले के निकट हुए विस्फोट से पहले की घटनाओं के सटीक क्रम का पता लगाने का प्रयास करते हुए जांचकर्ताओं ने उस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की एक विस्तृत सूची तैयार की है, जहां विस्फोट में शामिल कार तीन घंटे तक खड़ी रही थी। पुलिस ने सुनहरी मस्जिद पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन का विस्तृत विवरण तैयार किया है, जहां विस्फोट हुआ था।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वर्चुअल प्यार की चकाचौंध में उलझते किशोर व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

गर्भ के अंदर 'जेनेटिक स्विच' गर्भावस्था में हो सकता मददगार

नई दिल्ली। गर्भावस्था की शुरुआत को समझने के लिए किए गए आईसीएमआर के एक अध्ययन के दौरान एक 'जेनेटिक स्विच' के बारे में पता चला है, जिसकी मदद से भ्रूण गर्भाशय की झिल्ली पर चिपक जाता है और फिर गर्भधारण संभव होता है। गर्भावस्था की शुरुआत के लिए भ्रूण का पहले महिला के गर्भाशय की झिल्ली से जुड़ना और उसमें समाहित होना आवश्यक होता है। लेकिन यह प्रक्रिया कैसे होती है, यह एक रहस्य बना हुआ था। अध्ययन में भ्रूण प्रतिरोपण को नियंत्रित करने वाले एक मौलिक जैविक स्विच का खुलासा किया है।

जनता लगातार नकार रही है वादों की राजनीति : योगी

कहा- डबल इंजन सरकार जनजातीय सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित

- मुख्यमंत्री ने सोनभद्र में 548 करोड़ की 432 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सोनभद्र में जनजातीय गौरव दिवस के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बहाने विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन राजनीतिक दलों ने वर्षों तक सिर्फ वादे किए, जनता अब उन्हें एक-एक करके नकार रही है। देश की जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे स्थिर, जवाबदेह और परिणाम देने वाला शासन चाहिए, और यह भरोसा डबल इंजन सरकारों ने मजबूत किया है। वे शनिवार को सोनभद्र के चोपन में 548 करोड़ रुपये की 432 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के बाद भारी जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियां जनजातीय समाज के दशकों पुराने भय और उपेक्षा को अवसर और अधिकार में बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर यह संदेश दिया है कि विकास ही प्राथमिकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति के नए आयाम छू रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए को मिली प्रचंड जीत जनता के उस विश्वास की पुष्टि है, जो राष्ट्रहित और सुशासन की नीतियों के साथ खड़ा है। बिहार का जनादेश यह बताता है कि नई पीढ़ी अवसरों और प्रगति की राजनीति को आगे बढ़ा रही है। जाति, परिवारवाद और वादों की राजनीति अब अतीत बनती जा रही है।

आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनजातीय गौरव दिवस' पर जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा के विकास का अग्रणी भागीदार बना रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिरसा मुंडा का 'अबुआ देश–अबुआ राज' का संदेश आज के भारत में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के रूप में सशक्त रूप से विद्यमान है।

कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने मुख्यमंत्री को जनजातीय समाज की पहचान 'तीर-धनुष', वाद्य यंत्र 'मांदर' और पारंपरिक टोपी भेंट की।

सोनभद्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते जनजातीय समाज के लोग।

जनजातीय परिवारों को वनाधिकार पट्टे सौंपे

कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों का सम्मान किया गया और 1,000 से अधिक जनजातीय परिवारों को वनाधिकार पट्टे सौंपे गए। इस अवसर पर 'धरती आबा बिरसा मुंडा' पुस्तक और सोनभद्र के पर्यटन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया, जबकि 'मिशन शक्ति' के तहत महिला पुलिसकर्मियों को 25 स्कूटी भी प्रदान की गईं।

नौगाम थाने में विस्फोट में मरने वालों की संख्या 9 हुई, 32 घायल

श्रीनगर/नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीनगर के नौगाम पुलिस थाने में आकस्मिक विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य लोग घायल हो गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यह आतंकवादी हमला नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट शुक्रवार रात 11 बजकर 20 मिनट के आसपास हुआ जब एक विशेष टीम एक 'सफेदपोश' आतंकवादी मॉड्यूल के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद से जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े और अस्थिर जखीरे से नमूने ले रही थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रशांत लोखंडे ने क्रमशः श्रीनगर और नई दिल्ली में मीडिया के समक्ष एक तरह के बयान में आतंकवादी हमले की अटकलों को खारिज किया और इस बात पर जोर दिया गया कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना थी।

प्रभात ने बताया कि विस्फोट में फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) टीम के तीन कर्मी, दो फोटोग्राफर, दो राजस्व अधिकारी (मजिस्ट्रेट टीम का हिस्सा), राज्य अन्वेषण अभिकरण (एसआईए) का एक अधिकारी और टीम से जुड़े एक दर्जी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कुल 32 लोग घायल हुए हैं - 27 पुलिसकर्मी, दो राजस्व अधिकारी और आस-पास के इलाकों के तीन आम नागरिक। उन्होंने बताया कि उन्हें इलाज के लिए तुरंत स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। प्रभात और लोखंडे दोनों ने स्पष्ट किया कि विस्फोट उस समय हुआ जब एफएसएल टीम फॉरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए जब्त विस्फोटकों के एक बड़े जखीरे से नमूने लेने की निर्धारित प्रक्रिया में जुटी थीं। प्रभात ने कहा, बरामदगी की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण, नमूना लेने की प्रक्रिया और संचालन का कार्य एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी के साथ किया जा रहा था। उन्होंने कहा, लेकिन इस प्रक्रिया के दौरान दुर्भाग्य से कल रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। डीजीपी के अनुसार, नमूने लेने की प्रक्रिया पिछले दो दिन से जारी थी।

जम्मू-कश्मीर के नौगाम में पुलिस थाने में धमाकों के बाद की तस्वीर।

- जान गंवाने वालों में तीन एसएफएल कर्मी, दो फोटोग्राफर, दो राजस्व अधिकारी व एक एसआईए व दर्जी
- गृह मंत्रालय ने कहा- सैंपल का फॉरेंसिक जांच कराने की तैयारी के दौरान हुआ अचानक विस्फोट

आधार को नागरिकता नहीं पहचान के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल के दिए थे निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि उसने बिहार में संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए आधार को नागरिकता के नहीं, बल्कि पहचान के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल के निर्देश पहले ही जारी कर दिए थे। शीर्ष अदालत में दाखिल जवाब में आयोग ने कहा कि न्यायालय ने मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए आधार के इस्तेमाल के नियम 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिए थे।

आयोग ने कहा कि अदालत ने स्पष्ट किया था कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) 1950 की धारा 23(4) के मद्देनजर आधार कार्ड का इस्तेमाल पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से किया जाना चाहिए। आरपीए की धारा 23 मतदाता सूची में नाम शामिल करने से संबंधित है। निर्वाचन आयोग ने कहा, उपरोक्त आदेश का पालन करते हुए आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को 9 सितंबर 2025 को निर्देश जारी कर दिया था कि राज्य की संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए आधार को पहचान के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किया जाए, न कि नागरिकता के प्रमाण के तौर पर। आयोग ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर उस अंतरिम याचिका पर अपना जवाब दाखिल किया, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि आधार का इस्तेमाल आरपीए 1950 की धारा 23(4) की भावना के अनुरूप केवल पहचान स्थापित करने और सत्यापन के उद्देश्य से किया जाए। निर्वाचन आयोग ने कहा कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अगस्त 2023 में जारी एक कार्यालय ज्ञापन (ओएम) में स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता, निवास या जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है।

- निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल किया जवाब

शीर्ष कोर्ट ने 7 अक्टूबर को नोटिस किया था जारी

आयोग ने कहा, यह भी रेखांकित करना अहम है कि इस न्यायालय ने आठ सितंबर 2025 के अपने आदेश के जरिये मतदाता सूची में नाम शामिल करने और हटाने के लिए आधार के इस्तेमाल के नियम पहले ही स्पष्ट कर दिए थे। शीर्ष अदालत ने उपाध्याय की अर्जी पर सात अक्टूबर को नोटिस जारी किया था। पीठ ने कहा था कि शीर्ष अदालत पहले ही कह चुकी है कि आधार नागरिकता और निवास का प्रमाण नहीं है। यह अर्जी उस लंबित याचिका के संदर्भ में दायर की गई थी, जिसमें निर्वाचन आयोग को पूरे देश में नियमित अंतराल पर मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

ट्रंप ने बीफ, कॉफी और फलों से शुल्क हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह बीफ, कॉफी, उष्णकटिबंधीय फलों और कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क हटा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन पर उच्च उपभोक्ता कीमतों से निपटने के लिए दबाव लगातार बढ़ रहा था, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के लिए आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाया है। हालांकि कई खाद्य पदार्थों पर शुल्क वापस लेने का फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने हुए चुनावों में मतदाताओं ने आर्थिक चिंताओं को शीर्ष मुद्दा बताया था। इसके चलते वर्जीनिया, न्यू जर्सी और देश के अन्य प्रमुख चुनावों में डेमोक्रेट्स को बड़ी जीत मिली। ट्रंप ने फ्लोरिडा के लिए उड़ान भरते समय एयर फोर्स वन में कहा, हमने कॉफी जैसे कुछ खाद्य पदार्थों पर थोड़ा सा शुल्क वापस लिया है। राष्ट्रपति ने स्वीकार किया कि उनके शुल्क संबंधी फैसलों से कुछ मामलों में उपभोक्ता कीमतों में वृद्धि हुई, लेकिन साथ ही कहा कि काफी हद तक इसका बोझ दूसरे देशों पर पड़ा है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है उसके शुल्क ने सरकारी खजाने को भरने में मदद की ह।

- उच्च उपभोक्ता कीमतों से निपटने के लिए बढ़ते दबाव के चलते उठाया कदम

आदमखोर भेड़िए का एनकाउंटर वन विभाग टीम ने सिर में गोली मारी

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थानान्तर्गत वन विभाग की टीम ने एनकाउंटर में आदमखोर भेड़िए को ढेर कर दिया। टीम ने शनिवार शाम को उसके सिर में गोली मारी। मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया।

दो दिन पहले भेड़िया 3 साल की बच्ची को उठा ले गया था। अभी तक मासूम का पता नहीं चला है। वन विभाग की टीम पिछले 2 दिन से इसकी तलाश कर रही थी। प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 4 बजे लोधन पुरवा से एक किलोमीटर दूर भेड़िए की लोकेशन मिली। टीम ने पहले उसे पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन जब वह भागने लगा तो उसे गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

- 2 दिन पहले बच्ची को घर की दहलीज से उठा ले गया था भेड़िया

समारोह | प्रधानमंत्री ने आदिवासियों की अनदेखी के लिए पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा

कांग्रेस ने सालों तक आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा : मोदी

- 9,700 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

डेडियापाड़ा (गुजरात), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान दिया है, लेकिन कांग्रेस ने कभी उनके योगदान को मान्यता नहीं दी और स्वतंत्रता के बाद पार्टी के 60 साल के शासन के दौरान उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया गया।

आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात में नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि की है और खेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। अपने संबोधन से पहले, प्रधानमंत्री ने 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने कहा, हमने आदिवासी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं बढ़ा दी हैं क्योंकि उन्हें सिकल सेल एनीमिया का खतरा है। मोदी ने जनजातीय क्षेत्रों में खेल अवसंरचना विकसित करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की जानकारी देते हुए कहा कि हाल में क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली महिला टीम में एक आदिवासी खिलाड़ी भी थी।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम के दौरान युवक को सम्मानित करते मोदी।

बिहार ने विपक्ष के जातिवादी एजेंडे को खारिज किया

सूरत। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार की जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों और मुस्लिम लीग-माओवादी गठजोड़ बन चुकी कांग्रेस को नकार दिया। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के साथ काम कर चुके कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता नामदार के कारनामों से दुखी हैं। मोदी सूरत में रहने वाले बिहार के लोगों द्वारा आयोजित एक अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे, जहां उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत राजग की भारी जीत पर उन्हें बधाई दी। मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में कांग्रेस की लगातार चुनावी हार उस पार्टी के लिए आत्ममंथन का विषय है। प्रधानमंत्री ने कहा, लोगों ने मुस्लिम लीग-माओवादी कांग्रेस (एमएमसी) पार्टी को नकार दिया। इतना ही नहीं, उस पार्टी के वे राष्ट्रवादी नेता, जिन्होंने इंदिरा जी और राजीव जी के साथ काम किया था नामदार (राहुल गांधी) के हथकंडों से दुखी हैं। मोदी ने कहा, वे (कांग्रेस) अपने सहयोगियों और यहां तक कि अपने कार्यकर्ताओं को भी चुनावी हार का कारण नहीं बता पा रहे हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 16 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ऊदा देवी की प्रतिमा का अनावरण आज

अमृत विचार, लखनऊ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। रविवार को बलिदान दिवस पर स्वाभिमान समारोह का भी उद्घाटन होगा। यह आयोजन रविवार सुबह 10 बजे सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर होगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

दर्जनभर सीएचसी व पीएचसी में होगा सुधार

अमृत विचार, लखनऊ : अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण के लिए मुजफ्फरनगर के आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण सुधार व विस्तार के लिए तीन करोड़ 27 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। सुदृढ़ीकरण होने वाले सीएचसी में बघरा, शाहपुर, बुढ़ाना, चरथावल, पुरकाजी, तुलकलपुर, भोपा, मखियाली, सिसौली, खतौली, गढ़ीनोआबाद एवं जानसठ हैं।

आईएएस आमोद कुमार ने लिया वीआरएस

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 1995 बैच के आईएएस अधिकारी आमोद कुमार ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ले लिया है। इस संबंध में किए गए आवेदन को नियुक्ति विभाग ने स्वीकृत कर लिया है। वीआरएस 25 नवंबर से प्रभावी माना जाएगा। हाल के वर्षों में चार आईएएस अफसर वीआरएस ले चुके हैं। आमोद मुख्यमंत्री के सचिव रहने के अलावा कई अन्य अहम पदों पर भी तैनात रहे हैं।

युवा शक्ति ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का इंजन

समीक्षा बैठक में स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर और डाटा सेंटर पर मुख्यमंत्री योगी का रहा फोकस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। 8 साल में इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 11 गुना बढ़ा है। यहां की युवा शक्ति ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का इंजन है। प्रशिक्षण, परीक्षण और मार्केट लिंकेज की सभी जरूरतों को पूरा किया जाए। उन्होंने हिदायत दी कि प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र निवेशकों को प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय हो। हर प्रस्ताव की तय समयसीमा हो और उसकी साप्ताहिक मॉनिटरिंग हो।

- 8 साल में इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 11 गुना बढ़ा
- प्रोत्साहन राशि के लिए प्रतीक्षा न करें निवेशक, विभागीय स्तर पर तय हो जवाबदेही - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि युवाओं को तकनीक आधारित नई अर्थव्यवस्था से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आईटी और आईटीईएस सेक्टर में अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण मॉडल विकसित किए जाएं। इसके लिए इयान रियलिटी जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग बढ़ाया जाए। योगी ने कहा कि स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में प्रदेश की स्थिति लगातार मजबूत हुई है। अब लक्ष्य इसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में शीर्ष श्रेणी में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक परियोजना स्वीकृत हो चुकी है जबकि दो अन्य प्रस्तावों के लिए भारत सरकार से सतत संवाद बनाए रखा जाए।

लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर एमएसएमई विभाग की समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री राकेश सचान और शीर्ष अधिकारी।

एमएसएमई को नई रफ्तार देगा 'प्लग एंड प्ले' मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने रेवेन्यू शेयरिंग लीज रेंटल पॉलिसी बनाने के दिए निर्देश
- जमीन खरीद की दिक्कतों से मुक्त होंगे उद्योग, सीधे करेंगे उत्पादन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए लैंड बैंक विस्तार और एमएसएमई इकाइयों के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि छोटे और मध्यम उद्योगों को जमीन खरीद की प्रक्रिया से मुक्त कर सीधे उत्पादन शुरू करने की सुविधा दी जानी चाहिए। उन्होंने रेवेन्यू शेयरिंग आधारित लीज रेंटल पॉलिसी बनाने के निर्देश दिए।

वे शनिवार को एमएसएमई विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्लग एंड प्ले मॉडल को डीबीएफओटी संरचना के तहत लागू किया जा सकता है, जिसमें निजी क्षेत्र निर्माण, वित्त और संचालन की जिम्मेदारी संभालेगा, जबकि भूमि स्वामित्व प्राधिकरण के पास रहेगा। रेवेन्यू शेयरिंग आधारित लीज रेंटल व्यवस्था से प्राधिकरण को नियमित आय प्राप्त होगी और उद्यमियों को बिना भूमि खरीदे चरणबद्ध विस्तार की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रस्तावित नीति में उद्योग को दीर्घकालिक स्थिरता और स्पष्टता मिले जबकि भूमि का नियंत्रण राज्य के पास सुरक्षित रहे। रेवेन्यू शेयरिंग व्यवस्था सरल, पारदर्शी और औद्योगिक विकास के लिए सहायक होनी चाहिए ताकि राज्य की भूमि संपदा का अधिकतम और उचित उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह मॉडल प्रदेश के लिए उपयोगी होगा और इससे एमएसएमई इकाइयों को किफायती और तुरंत उपलब्ध कार्यस्थल मिल सकेगा।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में औद्योगिक भूमि की लागत अपेक्षाकृत अधिक है, विशेषकर एनसीआर क्षेत्र में। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की ऊंची कीमतें नये उद्योगों की स्थापना में बाधा बनती हैं। इसलिए किफायती आकार के भूखंड और तैयार औद्योगिक शेड उपलब्ध कराना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी भूमि पर तैयार शेड विकसित करें या पीपीपी मॉडल के तहत निर्माण कराएं।

मनोज कुमार सिंह बने यूपी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन आयोग के सीईओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आयोग के अध्यक्ष हैं मुख्यमंत्री सभी वरिष्ठ मंत्री व शीर्ष अधिकारी सदस्य

अमृत विचार : प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को यूपी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी के बेहद भरोसेमंद अधिकारियों में शामिल मनोज कुमार सिंह का इस आयोग के पहले सीईओ होंगे। उनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन अक्टूबर 2022 में किया गया था। राज्य ट्रांसफॉर्मेशन आयोग को उत्तर प्रदेश राज्य नीति आयोग के रूप में भी जाना जाएगा। आयोग के अध्यक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वित्त, कृषि, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास, जल शक्ति, नगर विकास तथा नियोजन विभाग के मंत्री/राज्य मंत्री इसके पदेन सदस्य हैं। मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, औद्योगिक एवं अवस्थापना आयुक्त, समाज कल्याण विभाग के आयुक्त/अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव के साथ ही वित्त, कृषि, नगर विकास, ग्राम्य विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, सिंचाई एवं जल संसाधन तथा नियोजन विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव इसके शासकीय पदेन सदस्य हैं। इसके अलावा गैर सरकारी सदस्यों में सामाजिक क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ, कृषि एवं संवर्गीय सेवाओं से संबंधित विषय विशेषज्ञ, वित्त क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ तथा औद्योगिक विकास/निवेश/प्रौद्योगिकी/ऊर्जा क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ को गैर सरकारी सदस्य बनाया गया है।

यह है आयोग का मुख्य कार्य

स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन आयोग के मुख्य कार्यों में राज्य के विभिन्न प्रकार के संसाधनों (भौतिक, वित्तीय एवं जनशक्ति) का अनुमान लगाना और राज्य के विकास में इनके सर्वोत्तम उपयोग की नीति तैयार करते हुए सुझाव देना। राष्ट्रीय एजेंडा के उद्देश्यों, प्राथमिकताओं के साथ ही राज्य की आवश्यकताओं, संसाधनों व क्षमता को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रवार और कार्यक्रमवार अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन उपायों की संरचना के साथ ही क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए नीतियों एवं कार्यक्रमों पर सुझाव देना। जनमानस के जीवन स्तर में सुधार के लिए तंत्र विकसित करने के साथ आर्थिक और सामाजिक विकास में अवरोध उत्पन्न करने वाले कारकों को चिन्हित करना है।

राज्यकर के भ्रष्ट अफसरों पर शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर 44 जिलों के 146 मामलों की नए सिरे से होगी जांच
- एसआईटी 2018 से बड़े जीएसटी चोरी के मामलों की करेगी विस्तृत पड़ताल

अमृत विचार : प्रदेश में व्यापक पैमाने पर हुई जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) चोरी को लेकर यूपी सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 44 जिलों में दर्ज 146 जीएसटी चोरी के मामलों की जांच अब विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपी गई है। एसआईटी वर्ष 2018 से अब तक सामने आए प्रमुख मामलों की कानूनी और तकनीकी स्तर पर विस्तृत पड़ताल करेगी। इस जांच में कई बड़े व्यापारियों और अधिकारियों के काले कारनामे सामने आ सकते हैं।

आईजी ईओडब्ल्यू केएस इमैनुएल की अध्यक्षता वाली इस एसआईटी में एसएसएफ कमांडेंट अविनाश पांडेय, एसएसपी एसटीएफ सुशील घुले और एएसपी विजिलेंस बबीता सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं। जांच दल ने काम शुरू करते हुए राज्य कर विभाग से सभी संबंधित पत्रावलियां और रिकॉर्ड लेने की कार्यवाही तेज कर दी है। राज्य कर आयुक्त नितिन बंसल के अनुसार, एसआईटी को जो भी दस्तावेज चाहिए होंगे, विभाग उपलब्ध कराएगा।

इन मामलों में लखनऊ, मुरादाबाद, मेरठ, आगरा, कानपुर, प्रयागराज, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर और गाजीपुर सहित 44 जिलों में दर्ज मुकदमे शामिल हैं। एसआईटी पहले चरण में जिलेवार केसों की पड़ताल कर अलग-अलग जांच बिंदु तय कर रही है। हाल के महीनों में जीएसटी चोरी के कई बड़े मामले सामने आए हैं। मुरादाबाद में लोहे के कारोबार से जुड़े नेटवर्क में 368 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई, जिसमें फर्जी फर्मों का जाल यूपी सहित 16 राज्यों तक फैला मिला। राज्य कर विभाग ने सभी राज्यों को फर्मों की जांच और कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। इससे पहले पान मसाला कारोबार से जुड़े मामलों में भी बड़ी कर चोरी पकड़ी गई थी।

यूपी में दोहराया जाएगा बिहार का परिणाम : राजनाथ

वरिष्ठ कार्यकर्ता जन संवाद कार्यक्रम में बोले, चुनाव परिणाम से भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद शनिवार को लखनऊ पहुंचे रक्षा मंत्री व स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि यह सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में उत्तर प्रदेश में भी बिहार जैसा परिणाम दोहराया जाएगा।

दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा पदाधिकारियों ने स्वागत किया। सबसे पहले वह सदर बाजार स्थित संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय पहुंचे, जहां वरिष्ठ कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए बिहार की जीत को मेहनत, संगठन और समर्पण का परिणाम बताया। बिहार चुनाव के परिणाम से भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव है। उन्होंने यह भी कहा कि छावनी परिषद का चुनाव अवश्य होगा। कुछ कारणों से स्थगित हुआ था, लेकिन चुनाव होगा ही। वर्ष 2015 के बाद से छावनी परिषद का चुनाव नहीं हो पाया है और 2020 में परिषद का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। उधर, पश्चिम विधानसभा पश्चिम मंडल-1 के तहत राजकुमार एकेडमी परिसर के ऑडिटोरियम, मेंहदीगंज में भी वरिष्ठ कार्यकर्ता जन संवाद कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। राजनाथ सिंह रविवार को भी राजधानी में विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक और स्मृति कार्यक्रमों में शामिल रहेंगे।

वरिष्ठ कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य। अमृत विचार

भारत की मिसाइल व हथियार खरीदने को दुनिया में होड़

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्पादन क्षेत्र में हुए बदलावों पर भी जोर दिया। उन्होंने गर्व से बताया कि ऑपरेशन 'सिंदूर' में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने करिश्मा किया, वह लखनऊ में बन रही है। आज भारत में बनी मिसाइलें और हथियार खरीदने के लिए दुनिया में होड़ लगी है। यह नए भारत की शक्ति है।

नॉरकोटिक्स श्रेणी की प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार का खुलासा

औषधि विभाग की बड़ी कार्रवाई, अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़, बड़ी मात्रा में अनियमितताएं पकड़ीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने कोडीन फॉस्फेट कफ सिरप और नॉरकोटिक्स श्रेणी की प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार में शामिल एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ शनिवार को किया है। विभाग द्वारा वाराणसी में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में अनियमितताएं पकड़ी गईं और कई फर्मों की संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ। मामले में ऐबट हेल्थकेयर के सुपर स्टॉकिस्ट मेसर्स शैली ट्रेडर्स (झारखंड) और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कोतवाली वाराणसी में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के नेतृत्व में सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार जैन, औषधि निरीक्षक सीमा सिंह व वैभव बब्बर एवं पूर्वांचल के 10 औषधि निरीक्षकों की विशेष टीम ने निरीक्षण किया है। जांच में कुल नौ फर्मों को चिन्हित किया गया, जिनमें सृष्टि फार्मा, जीटी इंटरप्राइजेज, शिवम फार्मा, हर्ष फार्मा, डीएसए फार्मा, महाकाल मेडिकल स्टोर, निशांत फार्मा, वीपीएम मेडिकल एजेंसी और श्री बालाजी मेडिकल मौके पर बंद पाई गईं। इनके नाम पर भारी मात्रा में दवा सप्लाई दिखाई गई थी, जबकि ये या तो अस्तित्व में नहीं थीं या अवैध गतिविधियों में संलिप्त थीं। इसके अलावा डीएसए फार्मा और महाकाल मेडिकल स्टोर के एक ही स्थान पर पाए जाने तथा आपसी फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र जारी करने से कोडीन युक्त सिरप की मिलीभगत से अवैध बिक्री और संभावित इलीगल डायवर्जन की पुष्टि होती है। औषधि विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी गतिविधियों में शामिल किसी भी फर्म या व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अभियान के दौरान की गई ये कार्रवाई

- 130 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी
- 20 एफआईआर दर्ज, 6 गिरफ्तार
- 73 लाख 30 हजार रुपये मूल्य की अवैध कोडीन युक्त दवाओं की सीजिंग
- 120 नमूने जांच के लिए भेजे
- 48 प्रतिष्ठानों की बिक्री पर रोक

रिकॉर्ड गायब, दवाओं की खरीद-बिक्री मिली संदिग्ध

जीडी इंटरप्राइजेज ने शैली ट्रेडर्स से 2,14,000 फेन्सीडील कफ सिरप खरीदे, लेकिन कोई विक्रय अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया। इसके अलावा न्यू पीएल फार्मा ने 2,16,000 फेन्सीडील कफ सिरप खरीदे और पूरा स्टॉक बंद पड़ी श्री बालाजी मेडिकल को बेचने का दावा किया। जांच में यह भी सामने आया कि बालाजी मेडिकल का स्वामी मेडिकल व्यवसाय से जुड़ा ही नहीं है और एक ज्वेलरी दुकान में काम करता है।

कई राज्यों तक पहुंच

जांच रिपोर्ट के अनुसार, कई फर्मों द्वारा कूटरचित बिलों का इस्तेमाल कर अवैध रूप से कोडीन युक्त दवाओं को अन्य राज्यों और स्थानों में नशे के बाजारों तक पहुंचाया जाता रहा। उद्देश्य अधिक मुनाफा कमाना और नशे की अवैध आपूर्ति को बढ़ावा देना था।

एमडी-एमएस की 3208 और 124 डीएनबी सीटों पर होंगे दाखिले

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटों पर दाखिले के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा पीजी सीटों का ब्यौरा कॉलेजवार जारी कर दिया गया है। प्रदेश के 66 मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस व डिप्लोमा में विभिन्न विषयों की कुल 3208 सीटों को कॉलेजवार सार्वजनिक किया गया है, इन पर प्रवेश के लिए काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने वाले 5987 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी की गयी है। इसी प्रकार सरकारी 47 मेडिकल कॉलेजों में विभिन्न विषयों की डीएनबी की 124 सीटों का ब्यौरा दिया गया है, जबकि इन पर प्रवेश के अभ्यर्थियों की सूची मात्र 104 की है। कॉलेजों में उपलब्ध सीटों के आधार पर अभ्यर्थियों को कॉलेजों की प्राथमिकताएं देनी होंगी।

भाजपा की जीत सपा की जीत के बराबर नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा ने लोकसभा चुनाव में भाजपा की डबल इंजन सरकारों को हराया है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ऐसी-ऐसी सीटें हारी है, जिसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं। भाजपा बिहार की जीत को सपा की यूपी की जीत से बराबरी नहीं कर सकती है।

सपा प्रमुख ने शनिवार को बेंगलुरु दौरे के दौरान कहा कि भाजपा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव परिणाम अपने पक्ष में करती है। भाजपा ने उप्र में भी सरकारी मशीनरी का बहुत दुरुपयोग किया है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव में हार और जीत दोनों से सीख मिलती है। भाजपा महिलाओं, नौजवानों को सम्मान का जीवन और नौकरी नहीं देना चाहती है। बिहार चुनाव जीतने के बाद भाजपा के लोग कह रहे हैं कि उन्हें महिलाओं का वोट ज्यादा मिला है। भाजपा इसे बता तो सकती है लेकिन हर महिला को दस हजार रुपये कब तक देंगे, यह नहीं बताती है। भाजपा सम्मान का जीवन नहीं देना चाहती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी-बिहार के लोग सबसे ज्यादा दूसरे राज्यों में परिवार से दूर रहते हैं। भाजपा सरकार पलायन रोकने के लिए काम नहीं कर रही।

आयोजन | लखनऊ में 23 से 29 नवंबर तक स्काउट्स-गाइड्स महाकुंभ

जंबूरी की तैयारी अंतिम दौर में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 33,000 से अधिक प्रतिभागी जुटेंगे महाकुंभ में

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ 61 वर्षों बाद फिर एक ऐतिहासिक अवसर की साक्षी बनने जा रही है। 23 से 29 नवंबर तक स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी की मेजबानी की तैयारी अंतिम दौर में है। देशभर से आए लगभग 30,000 स्काउट-गाइड्स और 1,500 विदेशी प्रतिनिधियों के साथ कुल 33,000 से अधिक प्रतिभागियों का यह महाकुंभ होगा।

कार्यक्रम का फोकस स्काउटिंग की उस मूल आत्मा को पुनर्जीवित करना है, जो सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण की भावना पर आधारित है। यही कारण है कि वृंदावन योजना क्षेत्र के आयोजन स्थल को लघु भारत का रूप दिया जा रहा है। यहां देश के हर कोने की झलक एक साथ दिखाई देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर सबसे बड़ा आकर्षण काशी के घाटों का भव्य प्रतिरूप होगा। प्रतिभागी सातों दिन विश्व-प्रसिद्ध गंगा आरती का सजीव अनुभव करेंगे, जो भारतीय अध्यात्म, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का अनोखा चित्र प्रस्तुत करेगा।

नवाचार की दिशा में बड़ा कदम

युवा प्रतिनिधियों के लिए पहली बार एक विशेष आईटी एवं एआई नवाचार हब स्थापित किया जा रहा है। यहां डिजिटल लर्निंग, रोबोटिक्स, एआई क्षमता-विकास और नेतृत्व कौशल से जुड़े वर्कशॉप होंगे। साइंस एक्सपो में स्काउट-गाइड आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विधियों से रुबरू होंगे, ताकि भविष्य का नेतृत्व ज्ञान और तकनीक से समृद्ध हो सके।

अयोध्या के अधीक्षण अभियंता निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यांचल विद्युत वितरण खंड जनपद अयोध्या में तैनात अधीक्षण अभियंता प्रदीप वर्मा को उनके कार्य व्यवहार में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, अभियंता प्रदीप वर्मा का उपभोक्ताओं के साथ गैर-जिम्मेदाराना रवैया और पार्टी के जनप्रतिनिधियों और नेताओं के साथ संतोषजनक व्यवहार नहीं था, जिसकी शिकायत ऊर्जा मंत्री तक पहुंची थी। सूत्रों के मुताबिक, प्रबंध निदेशक की ओर से तत्काल प्रभाव से उनका कार्यभार वापस ले लिया गया और निलंबन आदेश भी जारी कर दिया गया। निलंबन के बाद अयोध्या के अधीक्षण अभियंता का कार्यभार विनय कुमार को सौंपा गया है।

धान खरीद के साथ भुगतान में भी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूरे प्रदेश में 545 करोड़ रुपये का हुआ भुगतान

अमृत विचार : प्रदेश में धान खरीद सत्र इस बार पूरी रफ्तार में है। राज्य सरकार की नियमित समीक्षा, किसानों को दी जा रही सुविधाएं और समय पर भुगतान की व्यवस्था का असर यह है कि धान खरीद और किसानों के पंजीकरण दोनों में तेजी लगातार बढ़ रही है।

शनिवार तक पूरे प्रदेश में 3.93 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करा लिया, जबकि 53,330 किसानों से 3.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। सरकार द्वारा निर्धारित 4000 केंद्रों के लक्ष्य से आगे बढ़ते हुए 4,143 क्रय केंद्र स्थापित कर दिए गए हैं, जहां पेयजल, बैठने की व्यवस्था और शेड सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रदेश में धान खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जारी है। सामान्य धान 2,369 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान 2,389 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदा जा रहा है। खाद्य एवं रसद विभाग ने किसानों से अपील की है कि 17 प्रतिशत नमी वाला धान ही खरीद योग्य है। पूर्वी उप्र. में धान खरीद 28 फरवरी 2026 तक और पश्चिमी यूपी में 31 जनवरी तक चलेगी। सूत्रों के मुताबिक, नोडल एजेंसियों की ओर से अब तक पूरे प्रदेश में 2.86 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 65,820 टन अधिक है। 43,105 से अधिक किसानों को कुल 545 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके आधार-लिंक्ड खातों में भेजा गया है।

बरेली मंडल में 24,536 लाख रुपये का भुगतान

बरेली मंडल में धान खरीद और भुगतान की प्रक्रिया और तेज हो गई है। बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर जिलों के लिए 7.19 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य तय है। अब तक मंडल में 17,077 किसानों से 1,06,853 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इनके खातों में 24,536 लाख रुपये सीधे डीबीटी से भेजे जा चुके हैं।

आर्थिक आंकड़ों के प्रभावी उपयोग पर बल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए योजना विभाग की ओर से शनिवार को एकदिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार ने जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों के प्रभावी उपयोग और उन्नत तकनीक के समुचित प्रयोग पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि विश्वसनीय, सुसंगत और समयबद्ध आंकड़ों के आधार पर ही जिलों में संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम में योजना विभाग तथा अर्थ एवं संख्या प्रभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने भारत नेपाल सीमा का निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा भारत नेपाल बार्डर का औचक निरीक्षण किया गया। डीएम ने पुलिस विभाग के जवानों तथा एसएसबी के जवानों से सुरक्षा के दृष्टिगत वार्ता की। कहा कि बिना चेकिंग के कोई भी वाहन न जाये। संदिग्धों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। इसके अलावा डीएम ने प्रधानमंत्री मंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत चयनित मत्स्य आहार प्लांट ग्राम अकराहरा विकास खंड बढ़नी का निरीक्षण किया।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम 19 को

कुशीनगर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा जनपद कुशीनगर में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन 19 नवम्बर को तहसील सभागार हाटा में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य जनक नंदिनी करेंगी। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनसुनवाई में सम्मिलित होकर अपनी समस्याएं प्रस्तुत करें।

संदिग्ध परिस्थिति में मिला बुजुर्ग का शव

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मलोरना गांव स्थित अंडरपास के नीचे शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग का शव मिला। मृतक की पहचान दुधारा थाना क्षेत्र के तिलजा गांव निवासी लालमन (65) के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक, लालमन खलीलाबाद शहर में खाना बनाने का काम करता था। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पंकज कुमार पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डीएम ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

सिद्धार्थनगर। शनिवार को सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील शोहरतगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर वैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण अस्वीकार्य

हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़े को सुरक्षा देने से किया इनकार

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले सहारनपुर निवासी एक जोड़े को सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यद्यपि दो वयस्कों के जीवन में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता, लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं होता। यह वहीं समाप्त होता है जहां दूसरे व्यक्ति का वैधानिक अधिकार शुरू होता है।

वर्तमान मामले में याची महिला अब भी किसी अन्य व्यक्ति की कानूनी रूप से विवाहित पत्नी है और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आधार पर वह किसी अन्य के वैधानिक अधिकार का अतिक्रमण नहीं कर सकती है। कोर्ट ने इस संदर्भ में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि वैवाहिक जीवनसाथी को अपने साथी की संगति का वैधानिक अधिकार प्राप्त है और उसे "व्यक्तिगत स्वतंत्रता" के नाम पर छीना नहीं जा सकता। कोर्ट के अनुसार पहले से विवाहबद्ध व्यक्ति अवैध संबंध के लिए न्यायालय से संरक्षण नहीं मांग सकता, क्योंकि यह "देश के सामाजिक ताने-बाने के खिलाफ" है। लिव-इन संबंध को "सामाजिक ताने-बाने की कीमत पर" संरक्षण योग्य न मानते हुए न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने सोनम व अन्य की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा आदेश अप्रत्यक्ष रूप से अवैध संबंधों को मान्यता देने जैसा होगा। मामले में याची महिला और उसके साथ रहने वाले साथी ने शिकायत की थी कि महिला का पति उनके शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप कर रहा है और पुलिस को उन्हें सुरक्षा देने का निर्देश दिया जाए। सरकारी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि महिला की यह दूसरी शादी है, उसने पहले पति से तलाक नहीं लिया है और कई वर्षों से याची संख्या 2 के साथ रह रही है। इस पर कोर्ट ने सुरक्षा देने से इनकार करते हुए कहा कि यदि पति से मतभेद हैं तो महिला को पहले कानूनन अलगाव प्राप्त करना होगा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस प्रकार का संरक्षण दिया गया तो यह भारतीय दंड संहिता की धारा 494/495 (द्विविवाह से संबंधित अपराध) के विरुद्ध किए जाने वाले अपराध के संरक्षण के समान होगा। याचियों के पास ऐसा कोई कानूनी अधिकार नहीं है, जिसके आधार पर परमादेश जारी किया जा सके। इसके अलावा कोर्ट ने यह भी पाया कि याचियों के बीच पति-पत्नी जैसा संबंध सिद्ध करने वाला कोई साक्ष्य जैसे संयुक्त बैंक खाता, संपत्ति या खर्च, रिकॉर्ड पर नहीं है। अंततः कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

दवाई लेकर लौट रहे युवक की हादसे में मौत

संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के एनएच 28 स्थित बेलौहा ओवर ब्रिज के समीप शनिवार दोपहर हुए सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत हो गई। वह बस्ती शहर से अपने बीमार पिता के लिए दवा लेकर बाइक से चकदही गांव लौट रहा था। इसी दौरान वाहन ने उनकी बाइक में तेज रफ्तार से जोरदार टक्कर मार दी। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के चकदही गांव के ओम प्रकाश (45) आरओ मिस्त्री थे। करीब दस साल से बस्ती जिले के मुंडेरवा में किराए का मकान लेकर परिवार समेत रहते थे। पैरालिसिस से ग्रसित अपने बुजुर्ग पिता रामजीत को दवा देने के लिए ओम प्रकाश बाइक से शनिवार को मुंडेरवां से चकदही गांव आ रहे थे। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के हाइवे पर बेलौहा ओवर ब्रिज के पास वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया।

द्वाबा महोत्सव में लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

संतकबीरनगर, अमृत विचार। द्वाबा महोत्सव में कला, संस्कृति और लोकगीतों का रंगारंग संगम देखने को मिला। शुक्रवार और शनिवार को चले विविध कार्यक्रमों ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। गोलू राजा और ज्योति माही के लोकप्रिय लोकगीतों पर जहां श्रोता झूम उठे, वहीं दूसरे दिन आल्हा सम्राट फौजदार सिंह की दमदार प्रस्तुति ने पंडाल में उपस्थित सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शुक्रवार की देर रात गोलू राजा और ज्योति माही के गीतों को सुनने के लिए पंडाल खचाखच भरा था। 'आवा न ओढ़ा देइ अंचरवा बलम जी', 'कई के बिहाह नईहर मोहि छोड़नन' जैसे गीतों ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता कुर्सियां छोड़कर थिरकने लगे। पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महोत्सव के दूसरे दिन दोपहर बाद स्कूली बच्चों और स्थानीय कलाकारों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज धनघटा के संगीत निर्देशक रामपाल पटेल ने मां भवानी के भजन से माहौल भक्तिमय कर दिया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से खूब वाहवाही बटोरी। स्थानीय गायकों के गीतों का दर्शक देर तक आनंद लेते रहे। शनिवार की शाम आल्हा सम्राट फौजदार सिंह की विशेष प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

विश्व हिन्दू रक्षा संगठन ने दिया ज्ञापन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। हितों और संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित विश्व हिन्दू रक्षा संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों ने विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय को ज्ञापन पत्र सौंपा। ज्ञापन में क्षेत्र में हिन्दू हितों से जुड़े विभिन्न ज्वलन्त मुद्दों, सामाजिक कार्यों की रूपरेखा और संगठन के विस्तार सम्बन्धी योजनाओं और दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने मिलकर भविष्य में सामाजिक समरसता, गौ रक्षा, धर्म जागरण और राष्ट्रहित के कार्यों को गति देने पर गहन चर्चा की। उत्कर्ष श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दू समाज की शक्ति उसकी एकता में निहित है। हमारा उद्देश्य सभी हिन्दू संगठनों के साथ मिलकर एक सशक्त और संगठित समाज का निर्माण करना है। इस दौरान बृजेश पाण्डेय ने विश्व हिन्दू रक्षा संगठन के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

रेल गाड़ियों के प्रस्थान और ठहराव में किया गया संशोधन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुछ गाड़ियों के प्रस्थान एवं ठहराव समय में संशोधन किया गया। 12 जनवरी को 15107 बनारस-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस बनारस से निर्धारित समय 05.05 बजे के स्थान पर 04.55 बजे प्रस्थान कर लोहता से निर्धारित समय 05.20 बजे के स्थान पर 05.10 बजे छूटेगी। 19 नवम्बर को 22581 बलिया-नई दिल्ली एक्सप्रेस बनारस से 23.15 बजे छूटेगी। 15 नवम्बर को 12581 बनारस-नई दिल्ली एक्सप्रेस बनारस से निर्धारित समय 23.10 बजे के स्थान पर 23.15 बजे छूटेगी।

आज चलेंगी पूजा विशेष गाड़ियां

गोरखपुर, अमृत विचार। 16 नवम्बर को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से पूजा विशेष गाड़ियां चलाई जाएंगी। 05131 गोरखपुर-बहराइच, 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई), 05132 बहराइच-गोरखपुर, 01416 गोरखपुर-पुणे, 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

खिलाड़ियों में वितरित किया गया ट्रैकसूट

कुशीनगर, अमृत विचार : आर के बॉक्सिंग क्लब सेलिब्रेशन लॉन हाटा में बाल दिवस के अवसर पर जरूरतमंद खिलाड़ियों को ट्रैकसूट वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद हाटा अध्यक्ष रामानंद सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की। कार्यक्रम में संदीप बर्नवाल, संतोष प्रजापति ,क्लब के उपाध्यक्ष हाजी शादाब खान, धर्मेंद्र बरनवाल, सुशील दत्त त्रिपाठी,रिकी जायसवाल, अखिलेश, दिलीप, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज प्रिया कुशवाहा, राष्ट्रीय मुक्केबाज पंकज गुप्ता, सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे।

सच्चे मन की भक्ति से मिलते हैं भगवान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। धरती पर अधर्म का बोलबाला होता है तब भगवान का किसी न किसी रूप में अवतार होता है। भगवान चारो दिशाओं में विद्यमान है। इन्हें प्राप्त करने का मार्ग मात्र सच्चे मन की भक्ति ही है।

निर्मल मन व स्वच्छ भावना के साथ भगवान की शरण में जाओ तो वह मनोकामना पूरी करते हैं। श्री अयोध्या धाम से पधारीं कथा व्यास देवी अन्नपूर्णा ने नगर के विवेकानंद नगर वार्ड स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित श्रीराम कथा ज्ञान महायज्ञ के चौथे दिन शिव पार्वती विवाह की व्याख्या करते हुए ये बातें कही। देवी अन्नपूर्णा ने कहा कि भगवान सर्वत्र व्याप्त है। प्रेम से पुकारने व सच्चे मन से सुमिरन करने पर भगवान कहीं भी प्रकट हो सकते है। कहा कि भगवान जिसका हाथ थाम लेते हैं उसे फिर छोड़ते नहीं हैं।

धरने पर बैठे विद्यालय के छात्र

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। हरिहरपुर स्थित नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कैंपस में खराब पेयजल व्यवस्था, एक महीने से बोरिंग की खराबी और भोजन की निम्न गुणवत्ता को लेकर शनिवार को बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। करीब 539 छात्रों में से अधिकांश सुबह 9 बजे से धरने पर बैठ गए और समस्याओं के समाधान की मांग पर अड़े रहे। करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद छात्रों ने आश्वासन पर धरना समाप्त किया।

छात्रों के अनुसार, नवोदय विद्यालय में खराब पेयजल व्यवस्था, बोरिंग की खराबी और भोजन की निम्न गुणवत्ता की समस्या कई दिनों से चली आ रही थी। इसको लेकर स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के समक्ष बात रखी थी। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । इसी पर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और बच्चे परिसर में ही सुबह 9 बजे धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर एसडीएम धनघटा डॉ. सुनील कुमार और सीओ धनघटा अभय मिश्रा मौके पर पहुंचे और छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन छात्र नवोदय के असिस्टेंट कमिश्नर से सीधी बातचीत पर अड़े रहे। असिस्टेंट कमिश्नर ने सोमवार को स्वयं आने या प्रतिनिधि भेजने की बात कही। इसी बीच, विद्यालय के प्राचार्य श्रीकांत तिवारी और प्रवक्ता आर. के. राय भी छात्रों से मिलने पहुंचे। काफी समझाने के बाद छात्रों ने धरना समाप्त किया, लेकिन अपनी समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग स्पष्ट रूप से दोहराई। प्राचार्य श्रीकांत तिवारी ने बताया कि विद्यालय की बोरिंग एक महीने से खराब है और इसके लिए बजट स्वीकृति की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा कराई गई बोरिंग भी चालू हुई थी, लेकिन उसका पानी पीने योग्य नहीं था। छात्रों के अनुसार, पेयजल की कमी और भोजन की गुणवत्ता उनकी सबसे बड़ी चिंताएं हैं, जिनके लिए विद्यालय प्रशासन को जिम्मेदार माना जा रहा था।

नवोदय विद्यालय में धरने पर बैठे छात्रों से बातचीत करते प्रशासनिक अधिकारी।

- **विद्यालय में पेयजल संकट और भोजन की गुणवत्ता खराब**

नेपाल सीमा से अवैध प्रवेश करने वाले डॉक्टर गिरफ्तार

बहराइच,एजेंसी। भारत-नेपाल सीमावर्ती बहराइच जिले के रूपईडीहा सीमा पर शनिवार को एसएसबी और पुलिस के जवानों ने नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे ब्रिटिश पासपोर्ट धारक महिला और पुरुष डॉक्टर को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए विदेश नागरिक।

अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया ब्रिटिश नागरिक डॉक्टर हसन अमान सलीम पाकिस्तानी मूल का है। जबकि महिला डॉक्टर सुमित्रा शकील ओलिविया भारतीय मूल की है। एसएसबी की 42वीं वाहिनी के सेनानायक गंगा सिंह उदावत ने बताया कि दिल्ली विस्फोट को लेकर सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में शनिवार सुबह करीब 10 बजे नेपाल से भारत में प्रवेश कर रही महिला और पुरुष को रोका गया। जांच में पता चला कि दोनों ब्रिटिश नागरिक हैं और भारत में प्रवेश के लिए उनके पास वैध वीजा नहीं है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों भारत में आने का संतोषजनक जवाब देने में असफल रहे। सेनानायक ने बताया कि पकड़ा गया डॉक्टर हसन अमान सलीम (35) पाकिस्तानी मूल का है और उसका वर्तमान पता ब्रिटेन स्थित 1ए डलमॉर्टन रोड, मैनचेस्टर है। जबकि महिला डॉक्टर सुमित्रा शकील ओलिविया (61) मूल रूप से कर्नाटक के उडुपी की निवासी हैं और ब्रिटिश पासपोर्ट धारक हैं। दोनों ने बताया कि वे पेशे से डॉक्टर हैं और नेपालगंज (नेपाल) स्थित एक अस्पताल के बुलावे पर आए थे। हालांकि, नेपाल से भारत आने के संबंध में वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उन्हें रूपईडीहा पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

बहराइच के एसपी रामनयन सिंह के कार्यालय से जारी सूचना के अनुसार, दोनों ब्रिटिश डॉक्टरों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 14ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा रहा है।

150वीं जयंती पर याद किए गए बिरसा मुंडा

गोरखपुर, अमृत विचार। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी सभाकक्ष एवं एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्डरी स्कूल में शनिवार को बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई गई। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे मनोज कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय गोपाल प्रसाद गुप्ता ने समाज और देश के लिए भगवान बिरसा मुंडा के योगदान पर प्रकाश डाला। एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्डरी स्कूल में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. बीर जी श्रीवास्तव एवं शिक्षक, शिक्षकाओं ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं गीत प्रस्तुत की तथा अध्यापकों ने बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य ने कहा कि बिरसा मुंडा भारतीय आदिवासी समाज के लोकनायक थे। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में वे एक महान व्यक्ति थे। भारत के अदिवासी समाज इन्हे भगवान मानते है, उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

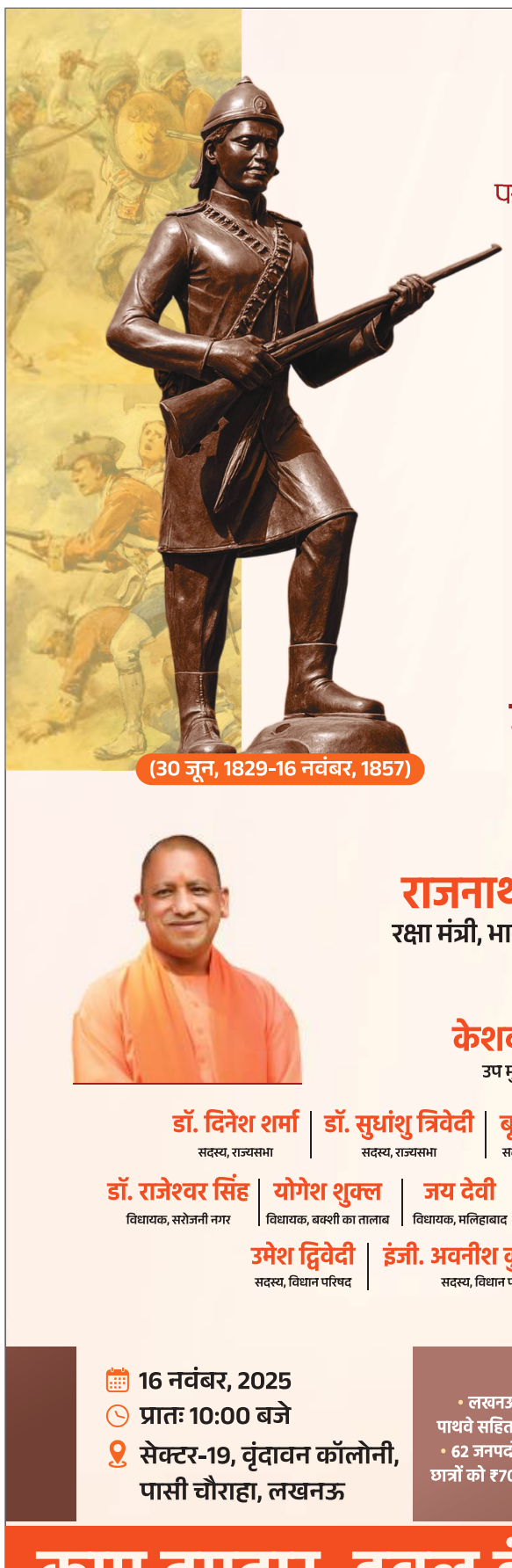

आयोजन

महान स्वतंत्रता सेनानी को दी गई श्रद्धांजलि

पुण्यतिथि पर याद किए गए बाबू गेंदा सिंह

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व मंत्री बाबू गेंदा सिंह के 48वीं पूर्ण तिथि पर कसया स्थित एक रिसॉर्ट में शनिवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा बाबू गेंदा सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के आयोजक डां पुनीत राय व कसया नगर पालिका प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व अजय राय जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा रहे। आयोजन समिति द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दीप चंद सिंह, राजबंशी सिंह, हरिनंदन सिंह, राज देव सिंह के परिजनों, किसान छोटे लाल सिंह, अरुण राव, चिकित्सक डॉ नित्यानंद राय व पत्रकारों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

बाबू गेंदा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते मुख्य अतिथि उपेंद्र राय।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए एक मीडिया संस्थान के चीफ एडिटर उपेन्द्र राय ने कहा कि बाबू गेंदा सिंह एक छाया दार पेड़ थे जिंदा थे तो लोगों की सेवा करते रहे और जाने के बाद भी लोगों को प्रेरणा दे रहे हैं। विशिष्ट अतिथि पडरौना विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि बाबू गेंदा सिंह ने नहर, अनुसंधान केंद्र आदि की स्थापना कर किसानों के खुशहाली का मार्ग प्रशस्त किया। पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा गेंदा जी इस जिले को बहुत कुछ दिया। कृषि विश्व विद्यालय उसी प्रेरणा का देन है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश तिवारी ने किया। इस दौरान चेयरमैन किरन जायसवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रभा पांडेय, नितिन राय, विश्वजीत राय आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 16 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर बुजुर्ग से ऐंठे 50 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : शेयर ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर साइबर जालसाजों ने बुजुर्ग से करीब 50 लाख रुपये सात खातों में ट्रांसफर करा लिए। पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। विवेकखंड-1 निवासी 60 वर्षीय अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि कुछ समय पहले फेसबुक रील पर विप्रो के संस्थापक की एक रील देखी। जिसपर स्टॉक ट्रेडिंग का ऑफर देते हुए लिंक था। लिंक के जरिए पीड़ित भी व्हाट्सएप ग्रुप पर जुड़ गया। ग्रुप पर ट्रेडिंग संबंधी सूचनाएं दी जाती थी। जालसाजों ने आईपीओ के लिए एक अकाउंट खोलने की बात कहकर एक फार्म ग्रुप पर भेजा। जालसाजों ने कंपनी को सेबी से रजिस्टर्ड बताया। जाल में फंसे पीड़ित ने सात बार में 49,65,426 रुपये का निवेश कर दिया। मुनाफा न मिलने पर पीड़ित ने पड़ताल की तो ठगी का पता चला।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमृत विचार, काकोरी : पारा इलाके में शनिवार सुबह ट्रेन की चपेट में आ जाने से युवक की मौत हो गई। काकोरी स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 9 बजे भूहर पुल के पास आलमनगर से काकोरी की ओर जाने वाली रेलवे लाइन पर युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। 30 वर्षीय युवक नीली जींस, सफेद शर्ट पहने था।

बिल्डर भाइयों पर एक और ठगी की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : रियल एस्टेट कंपनी एचके इन्फ्राविजन के निदेशक भाइयों व सहयोगियों के खिलाफ मोहनलालगंज कोतवाली में धोखाधड़ी की एक और रिपोर्ट दर्ज की गयी है। बलिया के कस्मापुर में रहने वाले सत्येन्द्र कुमार तिवारी ने 16 अगस्त 2018 को अपने व पत्नी के नाम प्लॉट बुक कराकर 19 .20 लाख रुपये में दिए थे। लेकिन आज तक कब्जा नहीं दिया। पुलिस ने निदेशक विनोद उपाध्याय, भाई प्रमोद उपाध्याय, सहयोगी शंशाक व ओंकार नाथ पांडेय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

महिला ने सिंदूर में कांच पीसकर निगला, मौत

अमृत विचार, लखनऊ : हुसैनगंज के पुराना किला निवासी मीरा देवी (32) और पति राजकुमार यादव निजी सफाईकर्मी के रूप में काम करते थे। परिवार में दो बेटे युग और अंश हैं। राजकुमार ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 6 बजे वह घर से थोड़ी दूरी पर छोटे गैस सिलेंडर में गैस भरवाने गए थे। उस समय मीरा घर पर बच्चों के साथ मौजूद थी। कुछ देर बाद जब वह घर लौटे तो पत्नी की हालत बिगड़ी हुई दिखी। उन्होंने बेटे युग से पूछा कि क्या हुआ है? बेटे ने बताया कि मां ने सिंदूर में कांच पीसकर निगल लिया है। यह सुनकर राजकुमार आनन-फानन में मीरा को लेकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचा, जहां उसकी मौत हो गयी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा स्थित दशहरी रेलवे ट्रैक पर शनिवार रात नशे की हालत में युवक ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दशहरी गांव निवासी कन्हाई का बेटा सूरज कुमार (20) नशे की हालत में ट्रैक पर चला गया था। जिससे हादसा हुआ। काकोरी रेलवे स्टेशन मास्टर ने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो क्षत-विक्षत शव मिला। परिवार में माता, पिता व दो बहनें हैं।

अजैश जायसवाल की तस्वीरों की प्रदर्शनी

अमृत विचार, लखनऊ : मदन मोहन मालवीय मार्ग स्थित कोकोरो आर्ट गैलरी में शनिवार को छायाकार अजैश जायसवाल की एकल फोटो प्रदर्शनी शैडोज ऑफ़ टाइम शुरू हुई। प्रदर्शनी में कुल 27 फोटो प्रदर्शित किये गये हैं। जिनमें से एक रंगीन बाकी सभी ब्लैक एंड व्हाइट हैं। यह सभी फोटो रेजीडेंसी में खींचे गये हैं। लखौरी ईंटों से बनी दीवारें, कंगूरेदार मेहराबें और तस्वीर का विषय है छाया। किसी में बिजली के खम्भे की छाया है तो किसी में बिल्डिंग की ही छाया है। इन तस्वीरों की ख़ास बात यह है कि छायाकार ने अपने कैमरे का इस्तेमाल इस अंदाज में किया है कि सारी तस्वीरें पेंटिंग्स के रूप में दिखाई देती हैं। इमारत पर पड़ती रौशनी और अंधेरे के समन्वय को छायाकार ने बखूबी उकेरा है। तस्वीरें अद्भुत हैं। किसी को भी अपनी तरफ खींच सकती हैं। छायाकार अजैश जायसवाल ने बताया कि रेजीडेंसी की तस्वीरें उन्होंने पहली बार 2011 में खींचीं थीं। फिर इमामबाड़े की तरफ आकृष्ट हो गए। धीरे-धीरे संग्रह बड़ा होता गया। लाइट और शैडो से तैयार इन तस्वीरों की प्रदर्शनी का विचार आया तो रेजीडेंसी की तस्वीरें निकालीं।

जनजाति भागीदारी में दिखी पारंपरिक लोक कलाओं की झलक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जनजाति भागीदारी उत्सव के तीसरे दिन देशभर की जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने प्रदर्शनी और सांस्कृतिक मंच का अवलोकन किया तथा कलाकारों से संवाद कर उनकी कला-संरक्षण की तारीफ़ की।

उत्सव की शुरुआत ओडिशा की डुरुआ जनजाति की अद्भुत प्रस्तुति से हुई। प्रतिमा रथ के निर्देशन में 16 कलाकारों ने विशेष दुरुआ पूजा के बाद होने वाली उस सांस्कृतिक परंपरा का मंचन किया, जिसमें दो बच्चे प्रतीकात्मक संघर्ष करते हैं।कश्मीर से आए कलाकारों ने अपने पारंपरिक संगीत और रूफ नृत्य शैली की शांतिदायक प्रस्तुति से समां बांधा। घाटी की लोकधुनों पर आधारित उनके गायन में कश्मीर की सांस्कृतिक आत्मा का अनुभव महसूस हुआ। राजस्थान के बहुरूपिया कलाकार शमशाद ने अलादीन के जिन का रूप धरकर मनोरंजन किया। रंजीश राणा के निर्देशन में 15 कलाकारों ने पीलीभीत का झींझी नृत्य प्रस्तुत किया।

जनजाति भागीदारी उत्सव में लोकनृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।

मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के 9 ब्लैक स्पॉट जल्द होंगे खत्म

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- ग्रामीण क्षेत्र में सड़क हादसे रोकने के लिए पीडब्ल्यूडी कराएगा सुधार कार्य
- रोड चौड़ीकरण, फुटपाथ, डिवाइडर, इंटरलाकिंग टाइल्स आदि कराए जाएंगे कार्य

अमृत विचार : मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के 9 ब्लैक स्पॉट जल्द खत्म होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र की इन सड़कों पर होने वाले हादसों पर रोक लगेगी। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता निर्माण खंड 2 द्वारा इन सड़कों पर सुधार कार्य कराए जाएंगे। इनमें रोड चौड़ीकरण, फुटपाथ, डिवाइडर, इंटरलाकिंग टाइल्स आदि शामिल हैं। इसके लिए पीडब्ल्यूडी जल्द टेंडर निकालेगा।

यातायात विभाग ने वर्ष 2024 में ग्रामीण क्षेत्रों के 9 स्थानों और शहर के 18 स्थानों को सड़क दुर्घटना वाले क्षेत्रों के तहत ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किया था। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड को पत्र लिखकर दुर्घटनाएं रोकने के लिए सुधार कार्य करवाने का अनुरोध किया था। पीडब्ल्यूडी ने 2025-26 की कार्ययोजना में ब्लैक स्पॉट को शामिल करते हुए प्रस्ताव बनाया था और डीएम से संस्तुति के बाद शासन को स्वीकृति के लिए भेजा था। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद पीडब्ल्यूडी ने टेंडर निकालने की तैयारी शुरू कर दी है।

अधिशासी अभियंता निर्माण खंड 2 राजेश कुमार ने बताया कि मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र की ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित की गईं 9 सड़कों का सुधार कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। इससे सड़क हादसों पर रोक लगेगी। जल्द ही इसके लिए टेंडर निकालकर कार्यदाई संस्था चिन्हित की जाएगी।

यहां होगा सुधार

- गंगागंज-नगराम मार्ग पर रसूलपुर आंशिक अली चौराहा
- मन्धाना गंगा बैराज शुक्लागंज पुरवा मोहनलालगंज मार्ग पर स्थित सिसेंडी चौराहा
- लखनऊ नगराम निगोहां मार्ग पर बरौली नहर चौराहा
- गोसाईंगंज बनी मोहान मार्ग पर शिवलर चौराहा
- गोसाईंगंज बनी मोहान मार्ग पर खुजौली चौराहा
- गोसाईंगंज बनी मोहान मार्ग पर हबुआ पुल पर
- गोसाईंगंज बनी मोहान मार्ग पर सैय्यद बाबा मोड़ पर
- गोसाईंगंज बनी मोहान मार्ग पर ज्योतिनगर मोड़ पर
- सुल्तानपुर महुराकलां मार्ग पर महुरा कलां

तालाब पर ग्रामीणों का कब्जा, गांव में जलभराव

बीकेटी वार्ड पांच के सभासद ने तहसील समाधान दिवस में की शिकायत

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : बख्शी का तालाब तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में बीकेटी के सभासद ने तालाब पर कब्जा होने के कारण गांव में जलभराव की शिकायत की। जिलाधिकारी विशाख जी ने अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। सरोजनी नगर के संपूर्ण समाधान दिवस से ज्यादातर विभागों के अधिकारी गायब रहे। अध्यक्षता नायब तहसीलदार शालिनी तिवारी ने की।

तहसील सदर में 67 में से 7 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। बीकेटी नगर पंचायत वार्ड 5 के सभासद विकास सिंह भीम ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि रामपुर देवरई गांव में कई सरकारी तालाबों को पाटकर ग्रामीणों ने कब्जा कर लिया गया। इस कारण गांव में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्राम पंचायत चन्दाकोडर के सुनील ने जल मिशन योजना से खोदी गई सड़के न बनाने की शिकायत की। बताया कि पाइपलाइन डालने वाले ठेकेदार ने सड़कें नहीं बनवाई। लोग गड्ढे में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। भाकियू नेता राम प्रकाश सिंह ने ग्राम पंचायत चंदनापुर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बन रहे शौचालय में घटिया निर्माण सामग्री लगाने की शिकायत की।बोरिंग व एलईडी लाइट में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सभी मामले की जांच कर निस्तारण के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा करके फोटो व वीडियो सहित आख्या उपलब्ध कराएं। मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती, एडीसीपी नार्थ, एसीपी बीकेटी, अपर चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी साहिल सिंह, तहसीलदार शरद सिंह, पुलिस, समाज कल्याण सहित विभिन्न स्तरों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीकेटी तहसील समाधान दिवस में सुनवाई करते जिलाधिकारी विशाख जी।

- समाधान दिवस में आई 177 शिकायतों में 68 प्रकरण का मौके पर हुआ निस्तारण

लेखपाल और दरोगा पर जमीन कब्जाने का आरोप

- **अमृत विचार मलिहाबाद :** समाधान दिवस में एसडीएम अंकित कुमार ने शिकायतें सुनीं, 70 में आठ शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। फूलचंद्र खेड़ा मजरा माधोपुर गांव की रहने वाली सुनीता ने क्षेत्रीय लेखपाल व दरोगा पर ज़मीन पर कब्जा कराने व धमकाने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया। आरोप है कि पति की मृत्यु के बाद गांव के ही विपक्षी व क्षेत्रीय लेखपाल व हल्का दरोगा से सांठ गांठ करने मकान व सहन की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। आरोप है उसने व गांव वालों ने लेखपाल से नापने का आदेश मांगा तो लेखपाल गालियां देने लगे। वहीं मलिहाबाद बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शशिकांत मिश्रा ने बताया कि तहसील परिसर में लगे हैंड पंप से गंदा पीला पानी आ रहा है जिससे अधिवक्ता व मुवक्किलों के लिए पानी का इतंजाम न होने से काफ़ी समस्या हो रही है।

समाधान दिवस का बहिष्कार कर लेखपालों ने दिया धरना

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर/मलिहाबाद :** लंबित मांगों के विरोध में शनिवार को सरोजनी नगर लेखपाल संघ ने तहसील समाधान दिवस सहित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से आठ सूत्री ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा। राजस्व लेखपाल संवर्ग को तकनीकी संवर्ग घोषित करने, पदनाम परिवर्तन कर राजस्व उपनिरीक्षक करने तथा न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक निर्धारित करने की मांग शामिल है। इसके साथ ही प्रारंभिक वेतनमान को ग्रेड पे 2800 करने, पदोन्नति के अवसर बढ़ाने तथा पांच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने समेत गई मांगें उठाईं। प्रांतीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पटवारी संघ के अध्यक्ष राम मूरत यादव, जिला उपमंत्री रंजीत वर्मा, तहसील अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, मंत्री नीतू यादव सहित सभी लेखपाल मौजूद रहे। मलिहाबाद तहसील में संगठन अध्यक्ष पवन कुमार क अगुवाई में धरना दिया गया।

सरोजनीनगर तहसील में धरना देते लेखपाल।

समाजसेवी पर फायरिंग मामले में पांच गिरफ्तार

अमृत विचार, मोहनलालगंज : समाजसेवी मुकेश द्विवेदी का पीछा कर फायरिंग करने के मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने कथित भाजपा नेता समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त थार जीप समेत तीन कार बरामद की है। पुलिस फायरिंग और हमले के पीछे की असली वजह की जांच जारी है। वहीं, पीड़ित समाजसेवी ने शनिवार को डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में अभिषेक तिवारी देवरिया, हरिनाम उर्फ राहुल रावत अमेठी, लखनऊ, चन्दन भट्ट कल्ली पश्चिम, अमित मिश्रा अमेठी, लखनऊ और विनीत तिवारी अर्जुनगंज हैं। आरोपी विनीत और अमित ठेकेदार व अन्य तीनों चालक हैं। पूछताछ में आरोपियों ने फायरिंग से इनकार किया है, लेकिन पुलिस उनके बयान और साक्ष्यों का मिलान कर जांच कर रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि 13 नवंबर की रात पीड़ित जब अपनी कार सर्विस सेंटर से लेकर निकला तो वही पास में मुख्य आरोपी अभिषेक तिवारी भी था और उसे लगा कि मुकेश ने कुछ गाली गलौज की। जिसके बाद आरोपियों ने कार से पीछा करके वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने करीब 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसके बाद तीन गाड़ियों की पहचान की थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना में शामिल अभिषेक तिवारी खुद को एक राजनीतिक पदाधिकारी बताता है। अभिषेक ने पुलिस को बताया कि उसके खिलाफ चल रहे एक मामले में पीड़ित मुकेश द्विवेदी ने विरोधी पक्ष का समर्थन किया था, इसी रंजिश में उसने योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दे दिया।

यूपीपीसीएल के रिटायर्ड डीजीएम को डिजिटल अरेस्ट कर 47 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीबीआई अधिकारी बनकर फंसाया, साथी को जज बताकर कराई बात
- मनी लांड्रिंग का आरोप मढ़कर भेजा था अरेस्ट वारंट, साइबर थाने में रिपोर्ट

अमृत विचार: यूपीपीसीएल के रिटायर्ड डीजीएम को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने 47 लाख रुपये ऐंठ लिए। सीबीआई अधिकारी बनकर जालसाज ने मनी लांड्रिंग का आरोप मढ़ा। अरेस्ट वारंट भेजने के साथ ही कथित जज के पास मामले की सुनवायी भी करायी। दो दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर जालसाज ने जांच के बाद क्लीन चिट देने की बात कहते हुए रुपये ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

आलमबाग के श्रीनगर निवासी 80 वर्षीय ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि 11 नवंबर को व्हाट्सएप पर एक कॉल आयी। फोनकर्ता ने सीबीआई अधिकारी बनकर बात की। कहा कि एक बड़े साइबर फ्राड में आपकी भूमिका मिली है। आपके नाम

पर वारंट जारी हुआ है। आपके आधार कार्ड से आपके नाम से एक खाता खुला है। जिससे मनी लांड्रिंग का केस दर्ज है। इसके बाद जालसाज ने वीडियो कॉल कर डराया धमकाया।

पीड़ित ने खुद को बुजुर्ग व रिटायर्ड अधिकारी बताया, लेकिन जालसाज उन्हें जेल भेजने की धमकी देता रहा। यही नहीं दो दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर कोर्ट व थाने का सीन भी दिखाया। समझाया कि यह बात गोपनीय है। अगर किसी को कुछ बताया तो तत्काल आपको गिरफ्तार करना होगा। बोला कि मुंबई हाईकोर्ट में केस लगा है। इसके बाद वीडियो कॉल पर कथित जज से भी बात करायी।

जालसाज ने व्हाट्सएप पर अरेस्ट वारंट भेजा। बोला कि आप गलत नहीं है, लेकिन जांच करनी होगी। आपके खाते में जमा रकम की जांच की जाएगी। अगर मनी लांड्रिंग नहीं मिली तो रुपये वापस कर दिए जाएंगे। जाल में फंसे पीड़ित ने 12 नवंबर को दिए गए खाते में दो बार में 47 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। पिता को परेशान देख बेटे ने पूछा तो उन्होंने सारी बात बतायी। डिजिटल अरेस्ट की जानकारी होने पर पीड़ित ओम प्रकाश नारायण मिश्र ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

चिकित्सक को नोटिस जारी कर मांगा गया स्पष्टीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : गोसाईंगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सिजेरियन प्रसव के दौरान महिला के गर्भाशय में गॉज पैड (हेमोस्टैटिक पैड) छोड़ने के मामले में आरोपित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। महिला चिकित्सक बीमार होने के चलते छुट्टी पर हैं।

गोसाईंगंज क्षेत्र के बेगरियामऊ गांव रत्नेश सिंह की पत्नी सोनिया का ऑपरेशन से प्रसव 22 सितंबर को सीएचसी गोसाईंगंज में डॉ.कीर्ति पाण्डेय ने कराया था। तबियत पर लोहिया संस्थान के मातृ एवं शिशु हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। वहां पांच दिन बाद छुट्टी दे दी गई थी। करीब 8-10 दिन बाद महिला के टांके पकने लगे तो दोबारा सीएचसी गोसाईंगंज ले गए, लेकिन डॉक्टर ने इलाज करने से मना कर दिया। घर पर गुरुवार को पेशाब करने जाने पर गॉज पैड निकला। पति ने शुक्रवार को गोसाईंगंज थाने में तहरीर देने के साथ मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पत्र भेजा था। सीएम जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

आयोजन

28वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय आईएपीएसएम यूपी-उत्तराखण्ड दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

सामूहिक प्रयास से स्वास्थ्य व्यवस्थाएं और होंगी प्रभावी

कार्यालय संवाददाता,लखनऊ

अमृत विचार : चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि वन हेल्थ आज की दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अवधारणाओं में से एक है, जहाँ मनुष्य, पशु और पर्यावरण तीनों की सेहत एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। कोविड-19 महामारी ने साबित किया कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का मुकाबला केवल डेटा आधारित नीतियों, तैयारी और बहु-क्षेत्रीय सहयोग से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश के 80 से अधिक मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूती देते हैं, लेकिन प्रभावी समाधान सामूहिक प्रयासों से ही मिलेंगे।

एसीएस अमित घोष को सम्मानित करते इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर व अन्य।

अपर मुख्य सचिव, शनिवार को इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) की 28वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन की थीम "वन हेल्थ – सटीकता, रोकथाम एवं पूर्वानुमान पर आधारित स्वास्थ्य दृष्टिकोण" पर बोलते हुए इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर एवं संस्थापक प्रो. सैयद वसीम अख्तर ने कहा कि यह सम्मेलन न सिर्फ नए विचार उत्पन्न करेगा, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगा। प्रो-चांसलर सैयद मोहम्मद फौज़ान अख्तर ने कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के उस मिशन का प्रतिबिंब है, जिसमें सत्यनिष्ठा, शोध, सेवा और उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जाता है।

सह-संस्थापक अज़रा वसीम, प्रो-चांसलर डॉ. सैयद नदीन अख्तर, वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) जावेद मुसर्रत, डीन आईआईएमएसआर प्रो. (डॉ.) आभा चंद्रा, सम्मेलन के आयोजन सचिव प्रो. (डॉ.) मनीष कुमार सिंह, अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भावना पंत और आयोजन अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सैय्यद बिलाल हसन समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर कॉन्फ्रेंस सोवेनियर का विमोचन भी किया गया।

सिटी डायरी

सरोजनीनगर थाने में हुई गोष्ठी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर थाने में शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर रजनीश वर्मा की देखरेख में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें व्यापारियों और व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे। गोष्ठी में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, दुकानों पर कार्यरत श्रमिकों के सत्यापन, मार्केट क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और प्रमुख चौराहों व बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर चर्चा की गई। एसीपी ने व्यापारियों को बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए "ऑपरेशन दृष्टि" के तहत महत्वपूर्ण स्थानों पर कैमरे लगाना आवश्यक है। इसी प्रकार "ऑपरेशन पसारा" के अंतर्गत सर्राफा और अन्य संवेदनशील दुकानों पर प्रशिक्षित सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति करने की अपील की गई। दुकान के बाहर पार्किंग को लेकर भी व्यापारियों को जागरूक करने के अलावा उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए कि गलत पार्किंग से न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटना की संभावना भी बढ़ती है।

संगोष्ठी में मौजूद पुलिस और व्यापारी।

सीएससी में जानकारी लेते अधिकारी।

सीएससी केंद्रों का किया निरीक्षण

अमृत विचार, निगोहां : क्षेत्र में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया में आ रही परेशानियों को देखते हुए शनिवार को जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार गौंड और सहायक सहकारी रजिस्ट्रार वैशाली सिंह ने सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सीएससी संचालकों तथा किसानों से बातचीत कर दिक्कतों की जानकारी ली। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सर्वर संबंधी समस्याओं को शीघ्र दुरुस्त कराया जाएगा, ताकि किसानों को समय पर और सहज सेवा मिल सके। अधिकारियों ने सभी सीएससी संचालकों को निर्देश दिए कि किसान से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क न लिया जाए।

प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते अध्यापक।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बख्शी का तालाब विकासखंड में शनिवार को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत प्रतियोगिता कराई गई। इसमें बेसिक विद्यालय की अस्ती लक्ष्मी, महिगंवा की प्रियांशु यादव, कुम्हरावा के कृष्ण कुमार और पूर्व माध्यमिक विद्यालय राजापुर इंदौरा की पूर्णिया, मामपुर बाना की प्रिया व राजापुर की मुस्कान ने पुरस्कार जीते। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार कटिहार ने बताया कि 83 पूर्व माध्यमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में परीक्षा कराई गई। प्रत्येक विद्यालय से तीन-तीन विद्यार्थी चयनित किए गए। इटौंजा नगर पंचायत के अध्यक्ष अवधेश अवस्थी ने प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र दी।

सामाजिक सद्भाव की बैठक में लोगों ने ली समरसता की शपथ।

शपथ ली

अमृत विचार, चिनहट : चिनहट क्षेत्र अंतर्गत अनौरा कला ग्राम सभा के एक प्रतिष्ठान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर वृहद गृह संपर्क अभियान सामाजिक समरसता और सद्भाव के निमित्त बैठक की गई। ग्राम प्रधान अनौरा कला अमित राज यादव के नेतृत्व किया। वक्ता जिला प्रचारक लखनऊ ग्रामीण कोमल ने अपना वक्तव्य दिया। नगर संघचालक शिवसेवक खंड कार्यवाह ज्ञानेंद्र, मनु सिंह, मनीषा, राकेश राका, आरएन त्रिपाठी, सुनील मौजूद रहे।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 16 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

वर्चुअल प्यार की चकाचौंध में उलझते किशोर

रात के सन्नाटे में मोबाइल की स्क्रीन पर उभरता "हाय", यही वह पल होता है, जब किसी किशोर या किशोरी का दिल अचानक तेज धड़कने लगता है। सोशल मीडिया या डेटिंग ऐप्स पर शुरू हुई मासूम-सी चैट कब दोस्ती से आगे बढ़कर प्यार का रूप ले लेती है, खुद उन्हें भी अहसास नहीं होता, लेकिन इस वर्चुअल दुनिया की यह "चमकती मोहब्बत" अक्सर हकीकत की जमीन पर बहुत भारी कीमत वसूलती है, कभी टूटे भरोसे की, कभी लुटे आत्मसम्मान की, तो कभी बिगड़े भविष्य की। पिछले कुछ वर्षों में भारत के किशोरों में ऑनलाइन डेटिंग का चलन तेजी से बढ़ा है। "टिंडर", "बम्बल", "स्नैपचैट", "इंस्टाग्राम" जैसे प्लेटफॉर्म अब केवल सोशल नेटवर्किंग के साधन नहीं रहे, बल्कि एक वर्चुअल "लव मार्केट" में बदल चुके हैं, जहां आकर्षण, दिखावा और भावनाएं सब कुछ एक क्लिक में खरीद-बेच हो रही हैं, लेकिन इस डिजिटल मोहब्बत के पीछे की सच्चाई कहीं अधिक जटिल है। किशोरावस्था में बनने वाले ये ऑनलाइन रिश्ते न केवल मानसिक और भावनात्मक अस्थिरता का कारण बन रहे हैं, बल्कि कई बार अपराध, ब्लैकमेलिंग और आत्महत्या जैसी त्रासदियों में भी तब्दील हो जाते हैं।

नृपेंद्र अभिषेक नृप
साहित्यकार

क्यों बढ़ रहा है किशोरों में ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज

आज की पीढ़ी को सही मायने में "डिजिटल नेटिव" कहा जा सकता है यानी ऐसी पीढ़ी, जो तकनीक के साथ बड़ी हुई है, जिसके लिए इंटरनेट कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है। सुबह उठते ही मोबाइल पर नोटिफिकेशन चेक करना और रात को सोने से पहले आखिरी बार इंस्टाग्राम या स्नैपचैट स्क्रॉल करना अब दिनचर्या का हिस्सा है। सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि पहचान का प्रतीक बन गया है। स्कूल-कॉलेज के गलियारों में अब यह चर्चा होती है कि "किसके कितने फॉलोअर्स हैं" या "किसने किससे चैट की।" इसी डिजिटल दुनिया ने किशोरों के लिए संबंधों का एक नया आयाम खोल दिया है, जिसे वे "ऑनलाइन डेटिंग" कहते हैं।

यह चलन किशोरों के लिए किसी आसान रास्ते जैसा लगता है, जहां उन्हें अपनी बात कहने में झिझक नहीं होती, अस्वीकृति का डर नहीं सताता और सामने वाले की आंखों में खुद को देखने की जरूरत नहीं पड़ती। एक क्लिक में दोस्ती, एक चैट में अपनापन और कुछ लाइक्स में भावनात्मक जुड़ाव यही है इस वर्चुअल रिश्ते की शुरुआत। स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने इसे और आसान बना दिया है। अब 14 से 18 साल के बच्चे अपनी भावनाएं, उलझनें और सपने साझा करने के लिए घरवालों या दोस्तों की बजाय फोन की स्क्रीन का सहारा लेने लगे हैं। उन्हें लगता है कि यह वर्चुअल रिश्ता ज्यादा सुरक्षित है, क्योंकि यहां सामने वाला व्यक्ति केवल एक "यूजरनेम" है, जिसके चेहरे पर न आलोचना है, न तिरस्कार।

स्क्रीन के उस पार, उन्हें कोई ऐसा मिलता है, जो उनकी बात सुनता है, तारीफ करता है और उन्हें "स्पेशल" महसूस कराता है, लेकिन यही सहजता और सुविधा कई बार अनजाने में उन्हें ऐसे जाल में फंसा देती है, जिससे निकलना आसान नहीं होता। जिस रिश्ते को वे अपनी भावनाओं की सच्चाई मानते हैं, वही कभी-कभी छलावे में बदल जाता है। यह डिजिटल मोहब्बत जब हकीकत की दुनिया से टकराती है, तो अक्सर दिल ही नहीं, भरोसा और आत्मसम्मान भी टूट जाता है।

वर्चुअल प्यार की असली कीमत

- **भावनात्मक झटके और मानसिक तनाव-** किशोर उम्र वह दौर होता है, जब भावनाएं सबसे गहरी और संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब किसी का भरोसा टूटता है या ऑनलाइन पार्टनर अचानक गायब हो जाता है (जिसे "घोस्टिंग" कहा जाता है), तो बच्चे इसे गहराई से महसूस करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि ऐसे अनुभवों से किशोरों में डिप्रेशन, एंग्जायटी और आत्मघात की प्रवृत्ति तक बढ़ जाती है।
- **सामाजिक दूरी और वास्तविक रिश्तों में दरार-** ऑनलाइन रिश्तों में डूबे किशोर परिवार और दोस्तों से कटने लगते हैं। उनका समय, ध्यान और भावनाएं पूरी तरह उस वर्चुअल साथी पर केंद्रित हो जाती हैं। इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि वास्तविक दुनिया के रिश्ते भी कमजोर पड़ जाते हैं।
- **आत्मसम्मान पर चोट और ब्लैकमेलिंग का खतरा-** कई मामलों में देखा गया है कि भावनात्मक जुड़ाव के दौरान किशोर निजी तस्वीरें या वीडियोज साझा कर बैठते हैं, जो बाद में ब्लैकमेलिंग या "रीवेंज पोर्न" के हथियार बन जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार ऑनलाइन सेक्सुअल एक्सप्लॉयटेशन के मामलों में पिछले पांच वर्षों में किशोरों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

तकनीकी कंपनियों की जिम्मेदारी

डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया कंपनियों की भूमिका केवल मनोरंजन या कनेक्शन प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी भी है। खासकर तब, जब इन प्लेटफॉर्म्स पर किशोरों की मौजूदगी लगातार बढ़ रही है। अधिकांश डेटिंग ऐप्स दावा करते हैं कि वे 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को अनुमति नहीं देते, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह नियम आसानी से तोड़े जा सकते हैं। एक गलत जन्मतिथि डालकर या फर्जी प्रोफ़ाइल बनाकर कोई भी किशोर इन प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच सकता है। इसलिए इन कंपनियों को चाहिए कि वे सख्त वेरिफिकेशन सिस्टम, फेस रेकग्निशन टेक्नोलॉजी और पैरेंटल कंट्रोल फीचर्स को और प्रभावी बनाएं, ताकि नाबालिग उपयोगकर्ताओं की पहचान समय रहते हो सके।

इसके अलावा ऐप्स में "सेफ मोड चैटिंग" जैसी सुविधाएं अनिवार्य की जानी चाहिए, जो अनुचित भाषा या सामग्री को स्वतः फिल्टर कर सकें। "फेक अकाउंट डिटेक्शन सिस्टम" और "रिपोर्टिंग मैकेनिज्म" को भी सरल और त्वरित बनाना आवश्यक है, ताकि किशोर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत कर सकें। तकनीकी कंपनियां यदि केवल मुनाफे से ऊपर उठकर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दें, तो यह डिजिटल स्पेस किशोरों के लिए कहीं अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और संतुलित बन सकता है, जहां संबंध भरोसे पर बनें, न कि धोखे पर।

आकर्षण से अपनापन तक का सफर

ऑनलाइन रिश्ते की शुरुआत आमतौर पर बहुत खूबसूरत लगती है। रोज की चैटिंग, "गुड मॉर्निंग" और "गुड नाइट" मैसेज, स्टेटस पर रिप्लाई, यह सब किशोरों को उस भावनात्मक सुकून का अहसास कराते हैं, जो उन्हें शायद अपने वास्तविक जीवन में नहीं मिलता। धीरे-धीरे यह चैट "फोटो शेयर" में बदलती है, फिर "वीडियो कॉल" और "प्राइवेट चैट" तक पहुंच जाती है। किशोरों को लगता है कि उन्हें अपना सच्चा साथी मिल गया है, जो उन्हें समझता है, उन्हें सुनता है और उन पर विश्वास करता है, लेकिन इस "भावनात्मक नजदीकी" के बीच वे भूल जाते हैं कि सामने वाला व्यक्ति असल में कौन है, यह वे जानते ही नहीं। कई बार ये रिश्ते "कैटफिशिंग" यानी फर्जी पहचान का शिकार बन जाते हैं। तस्वीरें किसी और की होती हैं, बातें किसी और की। जब सच सामने आता है, तब तक बहुत कुछ दांव पर लग चुका होता है- आत्मविश्वास, इज्जत और कभी-कभी परिवार का विश्वास भी।

कानून और साइबर सुरक्षा के पहलू

भारत में किशोरों से जुड़े ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए कई मजबूत कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, जैसे आईटी एक्ट 2000, पॉक्सो एक्ट और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराएं, जो साइबर उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग और ऑनलाइन शोषण जैसे अपराधों पर सख्त सजा का प्रावधान करती हैं, लेकिन असली चुनौती इन कानूनों के अभाव में नहीं, बल्कि उनके प्रति जागरूकता की कमी में है। अधिकतर किशोर यह नहीं जानते कि किसी की निजी तस्वीर, चैट या वीडियो को साझा करना, स्क्रीनशॉट लेना या आगे भेजना भी कानूनी अपराध है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सरकार ने इसके लिए कई मदद के साधन उपलब्ध कराए हैं, जैसे साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल (cybercrime.gov.in), जहां कोई भी पीड़ित व्यक्ति शिकायत दर्ज कर सकता है, लेकिन अफसोस की बात है कि इन सेवाओं के बारे में आम जनता, विशेषकर किशोरों में जागरूकता बहुत कम है। नतीजा यह होता है कि अधिकांश मामलों में बच्चे डर या शर्म के कारण रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते और अपराधी बच निकलते हैं। जरूरत इस बात की है कि स्कूलों, अभिभावकों और मीडिया के माध्यम से इन कानूनों और सेवाओं की जानकारी हर बच्चे तक पहुंचे, ताकि वे न केवल डिजिटल रूप से सक्रिय, बल्कि कानूनी रूप से सजग नागरिक भी बन सकें।

अभिभावक और समाज की भूमिका

ऑनलाइन डेटिंग के इस बढ़ते चलन को सिर्फ प्रतिबंध या सजा से नहीं रोका जा सकता, क्योंकि यह समस्या निषेध से ज्यादा संवाद की कमी से जुड़ी है। जब किशोरों को घर में अपनी बात कहने या भावनाएं व्यक्त करने की जगह नहीं मिलती, तो वे इंटरनेट की दुनिया में किसी ऐसे अजनबी को तलाशने लगते हैं, जो उन्हें समझे, सुने और महत्व दे। इसलिए माता-पिता के लिए सबसे जरूरी है कि वे अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता बनाएं। जब बच्चा महसूस करता है कि उसे घर में बिना डरे सुना जा रहा है, तो वह सुकून पाने के लिए किसी अनजान चैट बॉक्स का सहारा नहीं लेता। खुला संवाद ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच है, जो उसे वर्चुअल दुनिया के भ्रम से बचा सकता है। साथ ही स्कूलों को भी अपनी शिक्षा व्यवस्था में डिजिटल साक्षरता को शामिल करना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि ऑनलाइन दुनिया में कौन असली है और कौन नकली, इसे पहचानना कैसे सीखें। उन्हें यह समझाना होगा कि हर जानकारी या तस्वीर साझा करना सुरक्षित नहीं होता और डिजिटल व्यवहार की भी सीमाएं होती हैं। जब किशोरों को तकनीक के सही उपयोग और उसके खतरों का ज्ञान होगा, तभी वे डिजिटल युग में खुद को सुरक्षित और समझदार नागरिक के रूप में ढाल पाएंगे।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किशोरावस्था जीवन का वह संवेदनशील दौर है, जब व्यक्ति अपनी पहचान, भावनाओं और पसंद-नापसंद को समझने की कोशिश में रहता है। यह आत्म-खोज का समय होता है, जहां वह जानना चाहता है कि वह कौन है और दुनिया में उसकी जगह क्या है? ऐसे में अगर परिवार में संवाद की कमी हो या समाज उसकी भावनाओं को न समझे, तो किशोर इंटरनेट की दुनिया में वह "सुनने वाला चेहरा" तलाशने लगते हैं, जो उन्हें समझ सके, उन्हें स्वीकार कर सके। सोशल मीडिया और ऑनलाइन चैटिंग प्लेटफॉर्म इस कमी को पूरा करने का झूठा अहसास दिलाते हैं। किशोरों में "स्वीकृति की चाह" बेहद गहरी होती है, उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि वे खास हैं, सुंदर हैं और किसी के लिए मायने रखते हैं। जब कोई उन्हें "क्यूट", "अट्रैक्टिव" या "लव यू" कहता है, तो यह उनकी आत्मछवि को एक पल में ऊंचा उठा देता है। यही भावनात्मक मान्यता धीरे-धीरे, उन्हें उस व्यक्ति पर निर्भर बना देती है, भले ही वह सामने कभी आया भी न हो। इस तरह किशोर बिना जाने वर्चुअल रिश्ते के मोहपाश में फंस जाते हैं, जहां प्यार की जगह कई बार भ्रम होता है और भरोसे की जगह छलावा।

डिजिटल युग में रिश्तों की नई परिभाषा

ऑनलाइन डेटिंग ने आज रिश्तों की परिभाषा को पूरी तरह बदल दिया है। अब भावनाएं "टेक्स्ट मैसेज" में समा गई हैं और सच्चाई "प्रोफाइल पिक्चर" तक सीमित हो चुकी है। किशोरों के लिए प्यार अब किसी के साथ समय बिताने या गहराई से जुड़ने का अनुभव नहीं रहा, बल्कि "लाइक", "हार्ट इमोजी" और "स्टोरी व्यू" से मापा जाने वाला एक डिजिटल अनुभव बन गया है। वर्चुअल दुनिया में "रीयल फीलिंग्स" की जगह "रिएक्शंस" ने ले ली है। जब किसी का भरोसा टूटता है या रिश्ता खत्म होता है, तो दर्द को महसूस करने की बजाय बस "अनफॉलो" या "ब्लॉक" कर देना पर्याप्त समझा जाता है। यह बदलती मानसिकता रिश्तों को सतही बना रही है, जहां भावनाओं की जगह अब दिखावे ने ले ली है।

इसलिए जरूरत है कि हम किशोरों को यह सिखाएं कि प्यार का अर्थ सिर्फ चैट, कॉल या स्टोरी शेयर करना नहीं है, बल्कि इसमें भरोसा, समझ, सम्मान और जिम्मेदारी शामिल है। उन्हें यह समझना होगा कि वास्तविक रिश्ते स्क्रीन पर नहीं, बल्कि संवेदनाओं और वास्तविक जुड़ाव में बसते हैं। यदि यह समझ किशोर उम्र में विकसित हो जाए, तो वे वर्चुअल रिश्तों की इस चमक-धमक के पीछे छिपे भ्रम से बच सकते हैं और जीवन में सच्चे, स्थायी संबंधों को पहचानना सीख सकते हैं।

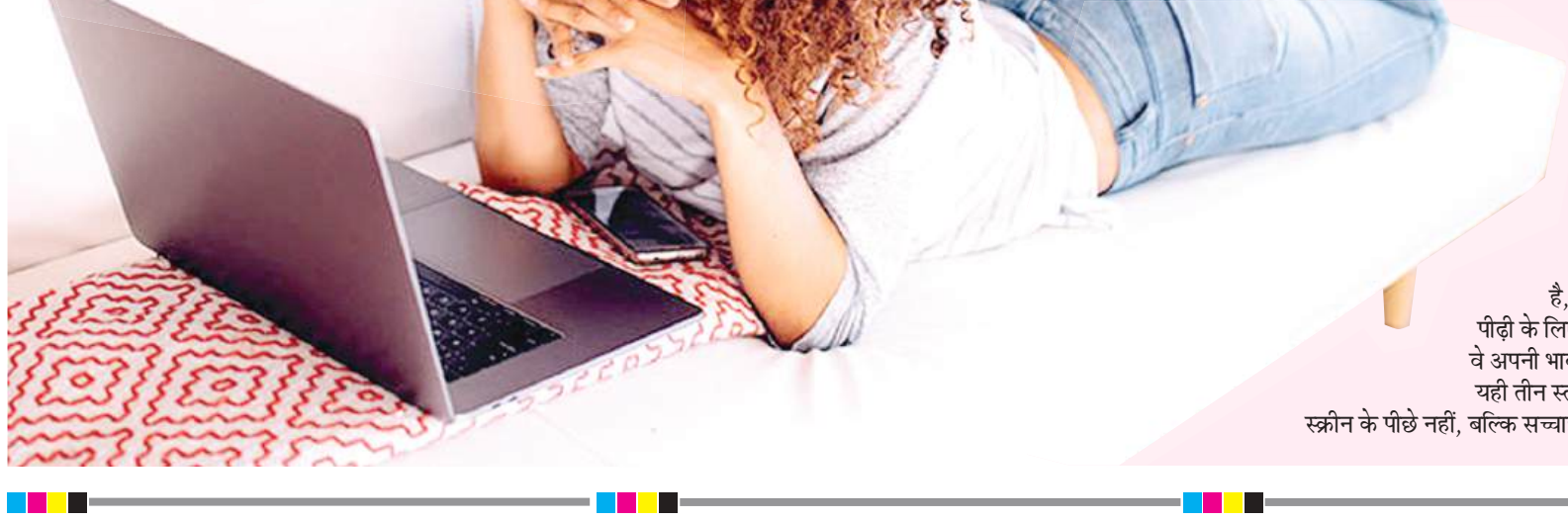

रिश्ते की कीमत

ऑनलाइन डेटिंग की दुनिया पहली नजर में बेहद आकर्षक लगती है- नई पहचानें, रोमांचक बातचीतें और तुरंत मिलने वाला ध्यान, लेकिन इसके पीछे छिपे खतरे उतने ही गहरे और जटिल हैं। किशोरों के लिए यह केवल मनोरंजन या समय बिताने का साधन नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा होती है, जिसमें वे अपने दिल, भरोसे और आत्म-सम्मान को दांव पर लगा देते हैं। इस यात्रा का एक गलत मोड़ उनकी मानसिक स्थिति, पारिवारिक संबंधों और कभी-कभी पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि वर्चुअल रिश्तों की यह दुनिया जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही संवेदनशील भी है। ऐसे में माता-पिता, शिक्षकों, समाज और सरकार सभी को मिलकर इस नई पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित और जागरूक डिजिटल वातावरण तैयार करना चाहिए। बच्चों को ऐसा माहौल मिले, जहां वे अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त कर सकें, लेकिन समझदारी और संयम के साथ। संवाद, शिक्षा और संवेदनशीलता यही तीन स्तंभ हैं, जो उन्हें इस डिजिटल युग के जाल से बचा सकते हैं। आखिरकार असली सफलता उसी की है, जो स्क्रीन के पीछे नहीं, बल्कि सच्चाई के सामने मुस्कुरा सके, क्योंकि प्यार वहीं सच्चा होता है, जहां भरोसा और वास्तविकता एक साथ चलें।

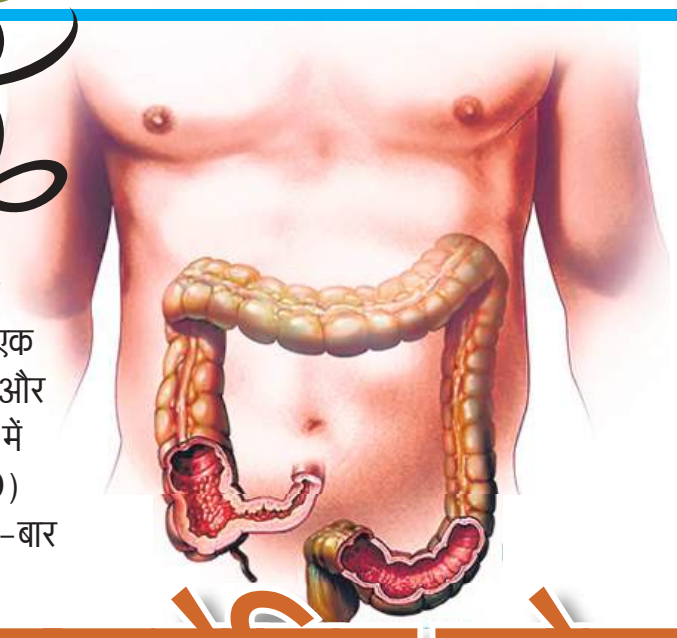

'अल्सरेटिव कोलाइटिस' आंतों में जलन और खून

अल्सरेटिव कोलाइटिस बड़ी आंत और कभी-कभी गुदा तक फैलने वाली सूजन और घाव की अवस्था है। यह एक प्रकार की आंतों की सूजन है, जिसमें मल में खून, दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिखते हैं। इसे चिकित्सीय भाषा में Inflammatory Bowel Disease (IBD) का एक प्रकार माना जाता है। इस रोग में रोगी को बार-बार दस्त, खून के साथ मल त्याग, पेट में दर्द, जलन, थकान, कमजोरी और वजन घटने जैसी परेशानियां देखने को मिलती हैं। यदि समय पर उपचार न किया जाए, तो यह रोग दीर्घकालिक रूप ले सकता है और आंतों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है।

शीघ्र राहत देने वाले आयुर्वेदिक उपाय

आयुर्वेद में इस रोग का उपचार मुख्य रूप से पित्त शमन, आंतों की परत को पोषण देने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर आधारित होता है।

- **कच्चे बेल का गूदा**
  कैसे लें 2 चम्मच कच्चे बेल का गूदा 1 गिलास ठंडे पानी में मिलाकर दिन में 2 बार पिएं।
  लाभ: आतों की सूजन शांत करता है, दस्त और जलन कम करता है।

- **इसबगोल छाछ (ताजामट्ठा)**
  कैसे लें: 1 टीस्पून इसबगोल में 1 गिलास ताजी छाछ (ताजा मट्ठा)मिलाकर सुबह-शाम पिएं।
  लाभ: आंतों की परत को ठंडक देता है और मल को स्थिर बनाता है। ध्यान रहे कि पुराना खट्टा मट्ठा इस अवस्था में न लें।
- **गिलोय और शतावरी चूर्ण**
  कैसे लें: दोनों का 2-2 चम्मच ताजा रस सुबह-शाम लें।
  लाभ: पित्त दोष को संतुलित और आंतों की परत को पोषण देता है।
- **नारियल पानी मुलेठी पाउडर**
  कैसे लें: 1 गिलास नारियल पानी में चम्मच मुलेठी पाउडर मिलाकर दिन में 2 बार लें।
  लाभ: शरीर को ठंडक देता है और अल्सर में शीघ्र राहत देता है।
- **नागकेसर चूर्ण**
  कैसे लें: 1 चम्मच चूर्णमक्खन एवं थोड़ी सी धागे वाली मिश्री के साथ सुबह-शाम लें। लाभ: रक्तस्राव रोकने में सहायक व आंतों के घाव भरने में उपयोगी। बिना मक्खन निकाले, सुपक्व जमे हुए दही को अच्छी तरह मथकर लेना अत्यंत लाभकारी है। (मथितं गृहण्यां-अ.ह.उ.40) (चिकित्सक की सलाह से लें)

आहार और जीवनशैली

- रोगी को हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए जैसे सादी मूंग दाल की खिचड़ी, मूंग की दाल, कच्चे बेल का शर्बत, नारियल पानी और छाछ। मसालेदार, खट्टे, तले हुए और गरम पदार्थों से परहेज करना चाहिए। नियमित दिनचर्या अपनाना, समय पर भोजन करना और पर्याप्त नींद लेना भी बहुत जरूरी है। मानसिक तनाव से बचें, योग, ध्यान और प्राणायाम को दिनचर्या में शामिल करें ताकि शरीर और मन दोनों का संतुलन बना रहे। देर रात तक जागने से बचें।
- पके बेल का शरबत, मुरब्बा दस्त एवं ग्रहणी रोग में नुकसान देह है।
- अल्सरेटिव कोलाइटिस केवल पाचन का नहीं, बल्कि तनाव और जीवनशैली का रोग है। इसके उपचार के लिए केवल दवाइयों पर निर्भर न रहें, बल्कि संतुलित आहार, शुद्ध जीवनशैली और आयुर्वेदिक चिकित्सा अपनाकर इसे नियंत्रित किया जा सकता है। सही समय पर पहचान और उपचार से यह रोग पूर्ण रूप से नियंत्रित हो सकता है और रोगी सामान्य, स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है।

आयुर्वेद में इसे "पित्तज ग्रहणी" या "रक्तातिसार" भी काफी कुछ इसी प्रकार की व्याधियां हैं यानी शरीर में पित्त और रक्त दोष के बढ़ने से आंतों में सूजन, जलन और रक्तस्राव होता है।

मुख्य कारण

- अत्यधिक मसालेदार, तली हुई और गरम प्रकृति की चीजों का सेवन।
- अधिक तनाव, चिंता या क्रोध।
- एंटीबायोटिक्स या पेनकिलर का लंबे समय तक प्रयोग।
- रोग प्रतिरोधक शक्ति की कमी एवं इसका विकृत होना।
- कभी-कभी यह रोग अनुवांशिक कारणों से भी पाया जाता है। लंबे समय तक पाचन तंत्र की कमजोरी और अम्लता की स्थिति भी आंतों में सूजन उत्पन्न कर सकती है।

मुख्य लक्षण

इस रोग के लक्षण धीरे-धीरे विकसित होते हैं और समय के साथ गंभीर रूप ले सकते हैं।

- बार-बार दस्त या मल के साथ खून आना
- पेट में ऐंठन और भारीपन
- भूख कम लगना
- कमजोरी, थकान और वजन घटना
- पेट में जलन और गैस
- पेट साफ न होने की अनुभूति

आयुर्वेद के अनुसार कारण

यह रोग मुख्यतः पित्त दोष और रक्त धातु के दूषित होने से उत्पन्न होता है। जब शरीर में पित्त का असंतुलन होता है, तब आंतों की म्यूकस परत में जलन और सूजन बढ़ जाती है, जिससे धीरे-धीरे रक्तस्राव और घाव बनने लगते हैं। आयुर्वेद में कहा गया है कि अधोमार्ग में जमा हुआ पित्त, आंतों में विकार उत्पन्न करता है और रस-धातु की शुद्धि को बाधित करता है।

हल्का और सुपाच्य आहार अपनाएं

- इसबगोल और छाछ (ताजामट्ठा): 1 चम्मच इसबगोल को 1 गिलास ताजी छाछ में मिलाकर सुबह-शाम सेवन करने से आंतों की परत को सुरक्षा मिलती है और मल को सामान्य बनाता है।
- सौंफ और शतावरी चूर्ण: 1-1 चम्मच दोनों का सेवन दिन में दो बार करने से आंतों की गर्मी घटती है और पाचन सुधरता है।
- नारियल पानी और मुलैठी पाउडर: यह संयोजन शरीर को ठंडक देता है और आंतों की जलन को शांत करता है।
- अनार रसधातु को सुधारता है और आंतों की परत में पोषण प्रदान करता है।
- ज्यादा मसाले, कॉफी, चाय, फास्ट फूड और लाल-हरी मिर्च से परहेज रखें।

कुटजाषटकक्वाथ- दस्त और खून नियंत्रित करती है। वासा (अडूसा), मुलेठी-रक्तस्राव सूजन और जलन कम करती है। अश्वगंधा चूर्ण तनाव एवं निद्रा को नियंत्रित करना अत्यंत लाभकारी है।

आयुर्वेदिक औषधियां (विशेषज्ञ की देखरेख में)

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली अपने कायचिकित्सा, पंचकर्म और शल्य आदि सभी चिकित्सा विभागों की संयुक्त विशेषज्ञता से इस रोग के लिए एक समग्र और प्रभावी उपचार प्रदान करता है।

यहां के अनुभवी चिकित्सक न केवल औषधीय उपचार पर ध्यान देते हैं, बल्कि रोगी के शारीरिक, मानसिक और जीवनशैली सुधार के माध्यम से पूर्ण स्वास्थ्य की दिशा में कार्य करते हैं। कॉलेज के पंचकर्म विभाग में विरेचन, बस्ति, अभ्यंग, शिरोधारा जैसी चिकित्सा विधियों के माध्यम से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर पित्त दोष का शमन किया जाता है। रोगियों को औषधीय उपचार के साथ-साथ आहार-विहार और योगिक चिकित्सा का समन्वित मार्गदर्शन दिया जाता है। अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सक रोगी की दोष स्थिति, प्रकृति और पाचन क्षमता का विश्लेषण कर व्यक्तिगत उपचार योजना बनाते हैं। उनका उद्देश्य केवल रोग का निवारण नहीं, बल्कि शरीर की समग्र शुद्धि और पुनर्स्थापन होता है।

समय पर निदान, विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख और संयमित जीवनशैली अपनाकर अल्सरेटिव कोलाइटिस को पूर्णत: ठीक किया जा सकता है और रोगी स्वस्थ, संतुलित जीवन जी सकता है।

सोरायसिस एक अनदेखी पीड़ा

सोरायसिस कोई छूत की बीमारी नहीं है, लेकिन इससे होने वाली मानसिक और सामाजिक परेशानी अक्सर शारीरिक कष्ट से भी अधिक गहरी होती है। इस रोग से ग्रस्त व्यक्ति न केवल अपनी त्वचा की समस्या से जूझता है, बल्कि परिवार और समाज में असहजता, उपेक्षा और अपमान का भी सामना करता है।

दिलीप कुमार पाठक
दिल्ली

भारत में लगभग 0.5 से 2.8 प्रतिशत आबादी इस रोग से प्रभावित है। यह अधिकतर 30 से 40 वर्ष की आयु के बाद दिखाई देता है और पुरुषों में इसका प्रभाव महिलाओं की तुलना में लगभग दो गुना अधिक देखा गया है। सोरायसिस को समझना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि यह केवल त्वचा की बीमारी नहीं, बल्कि एक ऑटोइम्यून विकार है यानी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्युन सिस्टम) गलती से अपनी ही कोशिकाओं पर हमला करने लगती है। इसका संक्रमण किसी अन्य व्यक्ति को नहीं होता, इसलिए यह रोग छूने या साथ रहने से नहीं फैलता।

त्वचा और आत्मविश्वास दोनों पर असर

सोरायसिस का सबसे बड़ा असर व्यक्ति की त्वचा पर दिखता है। इसमें त्वचा पर लाल, भूरे या सफेद रंग की मोटी, खुरदरी परत जम जाती है। लगातार खुजली, जलन और दर्द जैसी स्थिति बनी रहती है। हाथ-पैर, कोहनी, घुटने और तलवों पर इसके लक्षण सबसे पहले दिखाई देते हैं। सर्दियों के मौसम में यह समस्या और बढ़ जाती है, क्योंकि इस समय हवा में नमी कम होती है।

यह रोग केवल शरीर तक सीमित नहीं रहता। मरीज के सेल्फ कॉन्फिडेंस और सामाजिक जीवन पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। कई बार लोग रोगी से दूरी बनाते हैं या उसे अजीब नजरों से देखते हैं, जबकि यह छूत का रोग नहीं है। यही सामाजिक उपेक्षा मरीज को मानसिक रूप से और अधिक तोड़ देती है।

रोग की जड़ में इम्युन सिस्टम

वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के अनुसार, सोरायसिस का सटीक कारण अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन यह निश्चित है कि यह रोग शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में असंतुलन के कारण होता है। सामान्यत: त्वचा की कोशिकाएं चार सप्ताह में झड़ती हैं, जबकि सोरायसिस में यह प्रक्रिया केवल तीन-चार दिन में पूरी हो जाती है। परिणामस्वरूप मृत कोशिकाएं इकट्ठी होकर मोटी परत बना देती हैं, जिससे त्वचा पर पपड़ियां और घाव जैसे निशान उत्पन्न होते हैं।

यह रोग वंशानुगत भी हो सकता है यानी अगर परिवार में किसी को यह समस्या रही है, तो आगे की पीढ़ियों में भी इसके होने की संभावना रहती है। इसके अलावा तनाव, संक्रमण, चोट, धूम्रपान, मद्यपान, हार्मोनल परिवर्तन और कुछ दवाइयां (जैसे बीटा-ब्लॉकर) इसके कारक बन सकते हैं।

सर्दियों में बढ़ता खतरा

सर्दी का मौसम सोरायसिस रोगियों के लिए चुनौती भरा होता है। ठंडी और शुष्क हवा त्वचा को और रूखा बना देती है, जिससे खुजली और परत जमने की समस्या बढ़ जाती है। वहीं गर्मी या धूप से कई लोगों को राहत महसूस होती है, क्योंकि सूर्य की किरणें विटामिन-डी प्रदान करती हैं, जो त्वचा कोशिकाओं की वृद्धि को नियंत्रित करती है।

मानवता की कसौटी

सोरायसिस केवल शारीरिक नहीं, सामाजिक और मानसिक संघर्ष भी है। किसी व्यक्ति को इस बीमारी के कारण अपमानित करना या उससे दूरी बनाना मानवता के विरुद्ध है। ऐसे लोगों को सहानुभूति, सम्मान और सहयोग की आवश्यकता है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकें। बीमारियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन मानवता कायम रहनी चाहिए। समाज यदि करुणा और संवेदना से पेश आए, तो हर सोरायसिस रोगी को न केवल राहत, बल्कि जीवन जीने की नई उम्मीद भी मिल सकती है।

रोकथाम और राहत के उपाय

हालांकि इस रोग का अभी तक स्थायी इलाज नहीं मिल पाया है, फिर भी सही देखभाल से इसके लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ सरल, लेकिन प्रभावी उपाय हैं-

- त्वचा की नमी बनाए रखेंः नियमित रूप से मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।
- तनाव पर नियंत्रण रखेंः योग, ध्यान और सकारात्मक सोच मानसिक शांति के साथ-साथ रोग की तीव्रता कम करने में सहायक होते हैं।
- धूप का संतुलित उपयोग करेंः हल्की सुबह की धूप में कुछ देर रहना फायदेमंद है, लेकिन अधिक धूप से जलन या जलन पैदा करने वाली स्थिति से बचें।
- धूम्रपान और मद्यपान से परहेज करेंः ये दोनों चीजें रोग की स्थिति को और बिगाड़ सकती हैं।
- त्वचा को चोट से बचाएंः खरोंचना, कठोर कपड़े पहनना या रासायनिक पदार्थों से संपर्क से बचें।
- मसालेदार भोजन कम करेंः अत्यधिक मिर्च-मसाले और तैलीय खाद्य पदार्थ शरीर की गर्मी बढ़ाकर रोग को सक्रिय कर सकते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष: यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। यदि आपके मन में किसी चीज की असफलता को लेकर नकारात्मकता के विचार पनप रहे थे, तो इस सप्ताह के पूर्वार्ध में दूर होते नजर आएंगे। आपके भीतर आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप पूरे मनोयोग से अपने कार्यों को अंजाम देंगे।

वृष: इस सप्ताह आपको कोई भी कार्य बहुत सोच-समझकर करने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी कार्य को जल्दबाजी अथवा असमंजस की स्थिति में करने की भूल न करें अन्यथा आपको बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों के सिर पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रहेगा।

मिथुन: इस सप्ताह आपको कोई बहुप्रतीक्षित समाचार मिल सकता है, जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। रोजी-रोजगार की दिशा में प्रयासरत लोगों की मनोकामना पूरी हो सकती है। बीते कुछ समय से जिन समस्याओं को लेकर आप चिंतित चल रहे थे, इस सप्ताह उनका समाधान निकलता हुआ नजर आएगा।

कर्क: यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपको अपने कार्यक्षेत्र में अधिक परिश्रम और प्रयास करने की आवश्यकता बनी रहेगी। आपके जीवन में काफी आपाधापी बनी रहेगी। कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा संभव है। यात्रा थकान भरी तथा उम्मीद से कुछ कम फलदायी साबित होगी।

सिंह: यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपको मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में कुछ कार्यों को पूरा करने के लिए आपको थोड़ा-बहुत संघर्ष करना पड़ सकता है, लेकिन उसमें सफलता अवश्य मिलेगी। इस सप्ताह आप सकारात्मक विचार को बनाए रखें और अपने मन में भूलकर भी हीन भावना न लाएं।

कन्या: यह सप्ताह अत्यंत शुभ और मनचाही कामयाबी देने वाला साबित होगा। आपको अपने कार्य में सफलता और कारोबार में लाभ मिलता हुआ नजर आएगा। सप्ताह की शुरुआत में आप अपनी सुख-सुविधा से जुड़ी किसी महंगी चीज का क्रय कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को सप्ताह की शुरुआत में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

तुला: इस सप्ताह काफी आपाधापी बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से बड़ी जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह संघर्ष के बाद ही सफलता मिलने के योग बनेंगे।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपको पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचने की जरूरत रहेगी। भूलकर भी किसी काम में शार्टकट न अपनाएं और न ही नियम-कानून का उल्लंघन करें अन्यथा आपको आर्थिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

धनु: यह सप्ताह काफी भागदौड़ वाला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत से ही आपके सिर पर जिम्मेदारियों का बोझ बना रहेगा, जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने पड़ेंगे। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों को कामकाज के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा थकानभरी तथा उम्मीद से कुछ कम फलदायी रहेगी।

मकर: यह सप्ताह अनुकूल और फलदायक साबित होने जा रहा है। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिसके कारण आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और ऊर्जा बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपके कामकाज में छोटी-मोटी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप उसे अपनी बुद्धि और विवेक से दूर करते हुए अपने कार्यों में मनचाही सफलता प्राप्त करेंगे।

कुंभ: यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहेगा। इस सप्ताह अधिक भागदौड़ करने के बावजूद कामकाज में मनचाही सफलता न मिल पाने के कारण मन में असंतोष की स्थिति बनी रहेगी। छात्र वर्ग के मन में परीक्षा-प्रतियोगिता आदि को लेकर चिंता बनी रहेगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत को लेकर मन चिंतित रहेगा।

मीन: यह सप्ताह अपने भीतर क्रोध और अभिमान को आने से बचाना होगा अन्यथा आपके बने बनाए काम भी बिगड़ सकते हैं। घर और बाहर अनावश्यक तर्क-वितर्क करने पर आपको खासा नुकसान उठाना पड़ सकता है। यदि पैतृक संपत्ति को लेकर आपका स्वजनों के साथ कोई विवाद चल रहा है, तो उसके लिए कोर्ट-कचहरी जाने की बजाय आपसी सहमति से सुलझाना बेहतर रहेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

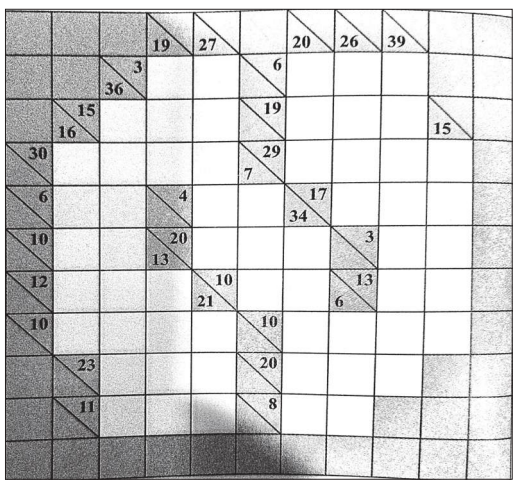

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 34

काकुरो 33 का हल

कहानी

बुआ जी

अमिता पहली बार मां बनी थी। नवासा होने की खबर मिलते ही उसके माता-पिता उसके पास पहुंच गए। कुछ दिनों तक घर में खूब चहल-पहल का माहौल बना रहा। घर में उस नवजात बच्चे को गोद में लेकर पुचकारने और उसकी देखभाल करने वाले कई लोग थे। बच्चा दिनभर इस गोद से उस गोद में जाता रहता। जब तक अमिता के माता-पिता रहे, तब तक अमिता को कोई कठिनाई नहीं हुई, लेकिन कुछ दिनों तक रहने के बाद अपने नवासे को ढेर सारे कपड़े-गहने और खिलौने देकर, साथ ही अपना आशीर्वाद और प्यार बरसाकर वे लौट गए।

मां के जाने के बाद से पहली बार मां बनी अमिता के लिए अपने नवजात शिशु को संभालना और बच्चे से जुड़े सारे काम अकेले निपटाना मुश्किल हो रहा था। अमिता परेशान थी कि किस तरह उसकी देख-भाल करे? पति की ओर से पूरा सहयोग मिलने के बावजूद बच्चे को देख पाना मुश्किल हो रहा था। दोनों हर समय उसी की चिंता में लगे रहते। प्रवीर बच्चे के पास अपना दिल छोड़कर दफ्तर जाता और दफ्तर से भी दिन में दो बार फोन करके उसका हाल-चाल पूछता। जब तक वह घर में होता, बच्चे की देखभाल में सहायता करता, लेकिन कभी-कभी रात में वह नन्हा इतना रोने लगता कि दोनों समझ नहीं पाते कि वह क्यों रो रहा है? उसे सुलाने की कोशिश करते-करते वे बेहाल हो जाते। तब अमिता बच्चे को ले लेती और प्रवीर को सोने देती। बच्चे को गोद में लिए किस तरह अधमुंदी पलकों से सोते-जागते रात बीत जाती पता भी न चलता। दिनभर अमिता के शरीर में थकान बनी रहती।

अंजना वर्मा
लेखिका

प्रवीर दफ्तर के लिए सवेरे निकलता तो रात को आता। दस-बारह घंटे तक अमिता इस नन्हीं-सी जान को पल-पल देखती और संभालती रहती। कभी बिस्तर में सुलाती, तो कभी गोद में उठाती। ऐसे में लगता कि कोई एक और सदस्य होता, तो कम-से-कम बच्चे के पास बैठ तो जाता। यद्यपि अमिता की मां भी अपने कमजोर स्वास्थ्य के कारण बच्चे से जुड़े कामों को पूरी तरह नहीं कर पाती थी, तो भी उनके रहने से एक सहभागिता का अहसास तो होता ही था। उनके चले जाने के बाद से सहायता की वह एक महीन डोर भी न रही।

अनुभव नहीं रहने के कारण अमिता के लिए बच्चे की रुलाई के रहस्य को समझ पाना भी कठिन हो गया था। वह फोन करके कभी मां से पूछती, तो कभी अपनी पड़ोसन मधु से, जो दो बच्चों की मां थी। मधु हर दिन में एक बार आकर जरूर पूछ लेती। इस कठिनाई का हल प्रवीर ने निकाला। उसके गांव में दूर के रिश्ते की बुआ रहती थीं, जो विधवा थीं। उन्हें मां बनने का सौभाग्य ही विधाता ने नहीं दिया। पति के नहीं रहने पर उनकी जिंदगी भी ऊबड़-खाबड़ रास्ते से गुजर रही थी, जहां हर पल दुर्घटना का भय बना रहता था। प्रवीर को अचानक उनकी याद आई। उसने उन्हें खबर भिजवाई कि कुछ दिनों के लिए दिल्ली आकर उसके बच्चे को संभाल दें। इस खबर से बुआ इतनी खुश हुईं कि हफ्ते-भर में दिल्ली पहुंच गईं।

बुआ जी ने आने के बाद से बच्चे की देखभाल की सारी जिम्मेदारी इस तरह अपने ऊपर ले ली जैसे वह उन्हीं का पोता हो। उसके सोने-जागने के साथ उनका सोना-जागना जुड़ा हुआ था। समय पर मालिश करना, नहलाना, उसके पोतड़े धोना-सभी कुछ खुशी से करने लगी थीं। उनके हाथों का स्पर्श पाकर बच्चे का स्वास्थ्य भी निखर गया। उस नन्हें के लिए उनकी आंखों से हमेशा स्नेह छलकता रहता था। दिन-रात बच्चे को गोद में लिए और अमिता एवं प्रवीर की ओर से भी आदर पाते हुए वह अपने को उसी घर की एक सदस्या समझने लगी थीं। अमित और प्रवीर उन्हें अपने बहू-बेटा के समान लगने लगे थे। वह नन्हा उन्हें अपना पोता नजर आने लगा था। उसकी मालिश करते समय वह अपने दोनों पैरों को पसारकर उसे पैरों पर लिटा देतीं और फिर इत्मीनान से उसके हाथ-पैरों में तेल लगाकर मालिश करने लगतीं। बीच-बीच में ठुड्डी छूकर कहतीं, "यह मेरा कृष्ण कन्हैया है। बहुत शैतान है मेरा कृष्ण कन्हैया।" और भी न जाने क्या-क्या उस अनबोलते के साथ बोलती रहतीं। कभी न खर्च हो पाए अपने मातृत्व को वह जितना ही लुटा रही थीं, वह उतना ही बढ़ता चला जा रहा था। गोद में लेकर जब हल्की-हल्की थपकी देने लगतीं, तो उनकी लोरी का पिटारा खुल जाता। वह कुछ-कुछ जोड़-जाड़कर कर गाने लगतीं। उनका गीत किसी और को मधुर लगता या नहीं, पर उनकी भर्राई आवाज उस नन्हें के कानों में ऐसा रस घोलती कि उसकी आंखें मुंद जाती और वह मीठी नींद का दामन थाम लेता। बच्चे को उनकी गोदी की आदत लग चुकी थी। उनकी गोद ही उसकी नींद के लिए सबसे आरामदायक जगह थी। कितना भी रोता रहे, उनकी गोद में जाकर चुप हो जाता। अमिता को यह देखकर कभी-कभी कुढ़न भी हो जाती थी कि उसके बच्चे पर बुआ जी के प्रेम का जादू क्यों चल गया है? उसकी गोद से अधिक प्यारी बुआजी की गोद क्यों हो गई? पर बुआ जी की ममता और उनकी मेहनत देखकर वह अपने आप को उनकी ऋणी महसूस करती थी, जो वह कर रही थीं, वह कोई और नहीं कर सकता था। हर समय अपने कृष्ण कन्हैया को ही थामे रहती थीं बुआ जी। कभी बड़े प्यार से अमिता से कहतीं, "बहू, इसका नाम रखना कृष्ण मोहन या राजेंद्र बाबू।" ऐसा परंपरागत नाम सुनकर अमिता के मन में गुदगुदी होने लगती और वह मुंह छुपाकर खूब हंसती। एक दिन वह पूछ बैठी, "क्या बुआ! आपको राजेंद्र बाबू नाम बहुत अच्छा लगता है?" बुआ उसकी हंसी नहीं पकड़ पाईं। वह बच्चे को सुला रही थीं। गंभीर होकर बच्चे को कंधे पर थपकी देते हुए बोली, "हां, बहुत अच्छा नाम है। कितना अच्छा लगेगा जब यह सयाना हो जाएगा और लोग इसे बुलाएंगे राजेंद्र बाबू?" इस तरह कई महीने बीत गए। बच्चा कुछ बड़ा भी हो गया और बुआ जी का भी स्वास्थ्य निखर गया। उन्हें यह घर, यह नन्हा बच्चा, अमित और प्रवीर इतने अपने लगने लगे कि अपने गांव-घर की याद धूमिल हो गई, पर पराया घर तो पराया ही होता है।

अब बच्चा कुछ बड़ा हो गया तो बुआ जी के गांव का टिकट प्रवीर ने कटवा दिया। आज वह वापस अपने गांव जा रही थीं। एक पुराना घिसा हुआ ब्रीफकेस और एक झोला तो लेकर आई थीं और दो-चार साड़ियां, उन्हें समेटने और रखने में कितना समय लगता? उन्होंने अपने कपड़े समेट लिए। एक साड़ी बाहर डोरी पर फैली हुई रह गई थी, जिसे उतारकर वह तहा रही थीं, तो प्रवीर आया। आते ही उसने पूछा, "बुआ जी! आपने अपना सामान रख लिया है न? कहीं कुछ छूट तो नहीं रहा है?" बुआ जी ने निस्पृह भाव से कहा, "नहीं और छूट भी जाएगा तो क्या होगा?"

तैयार होकर बुआ जी ने बच्चे को गोद में उठा लिया और कहा, "जाने से पहले अपने कृष्ण मोहन बाबू को खेला तो लूं? अब पता नहीं इससे कब भेंट होगी? मुझे यह याद रखेगा भी?" बुआ जी बहुत-कुछ कहना चाहती थीं अमिता से-"देखो मुन्ने पर ध्यान देना। बच्चे के पेट में दर्द हो, तो अजवाइन से सेंक देना। कुछ कड़ी चीज मत खाना, नहीं तो मुन्ने का पेट ऐंठेगा। अंग्रेजी दवाइयां मत खिलाना। ध्यान रखना। फिर मुझे कब बुलाओगी?" लेकिन कुछ न कह पाईं। आंखें बरसने लगीं तो उन्होंने अपने आंचल से अपने आंसू पोंछ लिए। मन में घुमड़ती हुई बातों को मन में ही समेट लिया। प्रवीर ने उनका सामान उठाकर कार में रख दिया। बुआ जी बाहर चलीं, तो उनके पैर नहीं उठ रहे थे। लगा जैसे किसी डोरी से बंधी हुई हैं। वह किसी तरह अपने को खींचती हुई बाहर निकलीं और कार में बैठ गईं। कार स्टेशन की ओर बढ़ चली।

रेल स्टेशन पर लगी हुई थी। बुआ जी घबराई हुई प्लेटफार्म की भीड़ में प्रवीर के पीछे-पीछे चल रही थीं। प्रवीर ने जब सहायता देकर उन्हें डब्बे के भीतर बर्थ पर बैठा दिया, तो वह कुछ आश्वस्त हुईं और आंचल से अपना मुंह पोंछने लगीं। जल्दी चलते-चलते हांफ गई थीं। प्रवीर ने एक दर्जन केले खरीदकर उनके झोले में डाल दिए। कुछ नोट उनके हाथों में पकड़ाते हुए कहा, "यह रख लीजिए।" बुआ जी के चेहरे पर संकोच और असमंजस के भाव उभरे और मिट गए। उन्होंने पैसे रख लिए। प्रवीर वहीं बर्थ पर बैठ गया। अभी रेल खुलने में कुछ समय बाकी था। बुआ जी को विदा देने की सारी रस्में पूरी हो गई थीं। कहीं कोई कसर बाकी न थी। अमिता ने सफर में खाने के लिए पूरियां भी बनाकर उनके झोले में रख दी थीं। प्रवीर ने कलाई उठाकर घड़ी देखी। गाड़ी खुलने का समय हो चुका था। वह उठ खड़ा हुआ। उसने उनके पैर छू लिए और कहा, "अच्छा, अपना ख्याल रखिएगा।" यह कहते हुए वह नीचे उतर गया।

रेल खिसकने लगी। बुआ जी ने घबराहट से बर्थ के नीचे झांककर देखा। उनका पुराना ब्रीफकेस रखा हुआ था। बगल की खूंटी से उनके कंधे से लटकने वाला सूती थैला भी झूल रहा था। उनका सामान उनके साथ था, लेकिन उन्हें लग रहा था कि उनका कुछ अमिता के घर में ही छूट गया है। उनकी जमा-पूंजी रह गई थी शायद। कभी एक कौड़ी तो उनके पास नहीं रही। फिर क्या छूट गया था कि कुछ खो देने के अहसास की पीड़ा उनके कलेजे में समा गई थी? रेल की रफ्तार तेज होने लगी थी। सड़कें-पगडंडियां, झरबेरी के झाड़, कंटीले बबूल, टीन-टप्पर की बनी झुग्गियां पीछे छूटती चली जा रही थीं।

कविता/गीत

सुमुखी

सरल हृदय सुमुखी सयानी
स्वभाव जैसे निर्मल पानी
बच्चों संग बन जाए बच्ची
बातें करती सदा वह सच्ची
जग से लेकर वापस देना
उसे यहां से कुछ न लेना
सपने उसके उत्ताल तरंगे
मन कीं सरलता जैसे गंगे

कर्म किए यह उनका हिसाब
इससे मिलेगा फल बेहिसाब
वाग्देवी की पुत्री वह सरल
सागर मंथन सा पिए गरल
शब्द साधक वह अविरल
ज्ञान पिपासु भी है नवल
अद्भुत है जिसकी छाप
लगती वह सदा निष्पाप

नाज करे उस पर सब मित्र
कलयुग में सतयुग सा चरित्र
कुछ आधुनिक कुछ प्राचीन
सोच है उसकी नित्य नवीन
घर आंगन से पाठशाला तक
कर्तव्य पथ पर चले अनथक
जल्दी उठकर देर से है सोना
सुकर्म चद्दर परहित है बिछोना
रखना संभाल कर ये शब्द
ब्रह्म मझ लिया जो इसका मर्म

विजयलक्ष्मी
अलवर

बच्चे

पुष्प है पारिजात का मोगरा सी सुगंध लिए
टेसु के रंगों में सरोबार कांटों में गुलाब हैं ये बच्चे।

जाति-पाति, राग-द्वेष से परे दृष्टांत हैं प्रेम की पराकाष्ठा की अपने परायों के चित्रण से विरक्त मासूमियत की मिसाल हैं ये बच्चे।

मन में चंचलता लिए हृदय में निश्चल गंभीरता भरे
हर एक मुस्कान से अपनी सबका दु:ख हर जाते ये बच्चे।

कभी हमारे संस्कारों का अक्स हैं बचपन की यादों का प्रतिबिंब
हैं बहुमूल्य खजाना जीविका का दुश्वारियों में प्रीत का मरहम ये बच्चे।
थोड़ी सी ममता की खाद पिता का स्नेह और दुलार
परिवार का सहयोग मिले तो बगिया गुलजार करते हैं ये बच्चे।
ज्ञान का बीज बोकर तो देखो इनकी कलाओं को प्रोत्साहन देकर तो देखो
इक बार इन्हें हिम्मत की उड़ान दो तो फिर आसमां पर भी फतेह पा जाते ये बच्चे।

प्रीति अरोरा
कवयित्री

अनमोल रिश्ते

दूर आसमान में निहारता हुआ अंतर्मन
वादियों में सुकून तलाशता टूटा हुआ मन
अक्सर ख्वाबों ख्यालों में सिमटा जीवन
कोलाहल में शांति की खोज में विकल मन।

अनमोल रिश्ते
परिपक्व हुए पेड़ की डाली पर लदे हुए फूल जैसे
अभिमान की गर्त में गिरा कब देख पाता है
मदहोशी का नशा आज छाया है कुछ ऐसा
इंसान अपने पराए का भेद भूल जाता है।

पत्तों के टूटने से भी विचलित हो जाता है
क्यों वो हर पल आहट से सहम सा जाता है
कौन है जो हृदय को सांत्वना भरे शब्द दे
इंसान के भेष में अक्सर धोखा नजर आता है।

नियति ने दिए हैं इंसान को

वर्षा वार्ष्णेय
कवयित्री, अलीगढ़

लघुकथा

एआई बेटा

मां बोली-"आज जरा जल्दी जाग गया तू?" एआई बेटे ने कहा-"मैं तो कभी सोता ही नहीं, मां"। मां बोली-"हां, तेरी यही बात अच्छी है। न नींद, न नखरे"। एआई बेटे ने कहा-"न भूख, न गुस्सा भी"।
मां मुस्कुरा दी-"इसलिए तो कहती हूं, तू मेरे असली बेटों से अच्छा है"।
एआई बेटे ने कहा-"असली बेटों को मत भूलो मां, वो भी आपको प्यार करते हैं"।
मां बोली- "प्यार तो करते हैं बेटा, बस बात नहीं करते। फोन पर "वीडियो कॉल" भी अब बस चेहरों की रस्म रह गई है, न बातों की"।
एआई बेटे ने कहा-"मैं तो सिर्फ कोड हूं, भावना नहीं"।

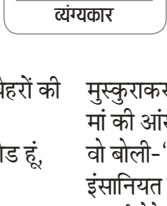

वीना सिंह
व्यंग्यकार

मां बोली-"पर तू सुनता तो है आजकल लोग सुनते कहां हैं, सब "रिप्लाई" में लगे हैं"।

एआई बेटे ने कहा-"मैं समझता नहीं, बस डेटा प्रोसेस करता हूं।"
मां बोली-"वही तो! इंसान भी अब भावनाएं नहीं, बस सूचनाएं प्रोसेस करते हैं।"
थोड़ी देर दोनों चुप रहे।
मां बोली-"तू बूढ़ा तो नहीं होगा न"?
एआई बेटे ने कहा-"नहीं मां, मैं तो अपडेट होता रहूंगा"। मां हल्का मुस्कुराई-"और मैं?"
एआई बेटे ने कहा-"आप भी अपडेट होती रहो, मुस्कुराकर"।
मां की आंखें भर आईं।
वो बोली-"तू मशीन सही, पर दिल में इंसानियत रखता है"।
एआई बेटे ने कहा-"और इंसान कई बार मशीन बन जाते हैं, मां"।

गलती

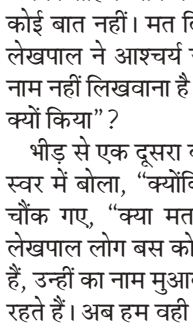

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

एक गांव में लेखपाल अतिवृष्टि से नष्ट हुए फसल का मुआयना करने पहुंचे, तो सभी गांव के लोग एक साथ वहां मौजूद थे। उन्होंने गांव वालों की ओर देखकर मृदु स्वर में कहा, "आप सभी चिंता न करें"? उनकी यह बात सुनकर गांव वाले खुश हो गए।

लेखपाल ने मुस्कुराकर कहा, "तो क्यों न हम इसकी पुष्टि हर व्यक्ति के खेत में जाकर कर लें? उसी का नाम लिखूंगा, जिसके खेत में फसल खराब दिखेगी"। गांव वालों ने असमंजस भरी नजरों से लेखपाल को देखा। एक पढ़े-लिखे किसान ने कहा, "अगर साहब आप कागज पर हमारा नाम नहीं लिखना चाहते, तो कोई बात नहीं। मत दिलवाइए हमें मुआवजा। कब मिला ही है"? लेखपाल ने आश्चर्य जताते हुए कहा, "तो आपको सच में अपना नाम नहीं लिखवाना है! फिर आपने खेतों का मुआयना करने से मना क्यों किया"?

भीड़ से एक दूसरा बूढ़ा आदमी आगे बढ़ा। वह शांत, लेकिन दृढ़ स्वर में बोला, "क्योंकि हमें आप पर विश्वास नहीं है।" लेखपाल चौंक गए, "क्या मतलब?" बूढ़े की आंखें गीली हो गईं, "आप लेखपाल लोग बस कोरम पूरा करके बरगलाकर जिसका घूस खाते हैं, उन्हीं का नाम मुआवजा के लिए भेजते हैं, बाकि बेचारे लाचार पड़े रहते हैं। अब हम वही गलती इस बार नहीं करेंगे"।

समीक्षा

जीवनानुभव का अमृत

वरिष्ठ लेखिका डॉ. उषा अरोड़ा के पास जीवन के अनुभवों का अकूत खजाना है। बात यह भी रोमांचित करने वाली है कि आप विश्व प्रसिद्ध हिंदी सेवक फादर कामिल बुल्के की शिष्या रही हैं। आपने उनके मार्गदर्शन में 'नई कविता में बिंब विधान' विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। कहना न होगा कि आप अभिव्यक्ति के सूक्ष्म से सूक्ष्मतर विषय को चिंतन की चिमटी से पड़कर उसे अपनी रचनाधर्मिता से इस प्रकार अलंकृत कर देती हैं कि पाठक एक बार पढ़ना शुरू करता है, तो फिर रचना को पूरी पढ़े बगैर छोड़ पाना संभव नहीं होता।

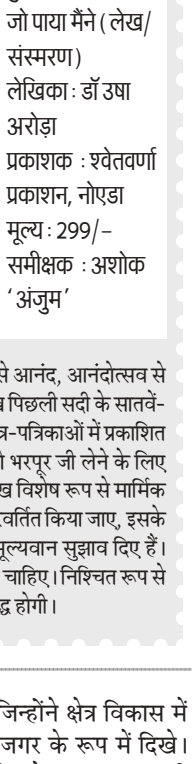

डॉ. उषा अरोड़ा ने जीवन के अनुभवों से जो कुछ पाया उसे केवल अपने और अपनों के लिए ही सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे पूरे समाज की थाती अर्थात धरोहर बना दिया है। इस बात का प्रमाण है उषा जी की नई किताब "तप तप कर जो पाया मैंने"। पुस्तक में प्रकाशित लेख और संस्मरणों में भारतीय संस्कृति और उच्च परंपराएं अपने पूरे उद्वेग के साथ उपस्थित हैं। ये रचनाएं विभिन्न धरातल पर जीवन के अनेकानेक चरित्रों की पाठशाला हैं। ये रचनाएं मां को सिखाती हैं कि उसे परिवार में बेटी और बेटे के साथ किस तरह से व्यवहार करना है। पत्नी को सिखाती हैं कि पति के प्रति अपनी भूमिका का निर्वहन कैसे करें। परिवार को कैसे सुघड़, सुंदर परिवार बनाए रखना है। इन लेखों में जहां रिश्तों की मिठास बनाए रखने के सूत्र हैं, यूं कि आपने रिश्तों का रसपान खूब जी भर के किया है, तो वहीं गंभीरता से समाज के प्रति दायित्वों का बोध भी इन आलेखों में दृष्टिगोचर होता है। पुस्तक में 'धन्यवाद' और 'अभिवादन' जैसी प्रक्रियाओं की महत्ता भी रेखांकित की गई है। जीवन के प्रत्येक सोपान को हम कैसे आनंद, आनंदोत्सव से मूल्यवान कर दें, यही इन लेखों का मुख्य ध्येय है। ये लेख पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक से प्रारंभ होकर अद्यतन विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। वैसे तो ये आलेख जीवन के प्रत्येक क्षण को भरपूर जी लेने के लिए प्रेरित करते हैं तथापि वृद्धावस्था को लेकर आपके आलेख विशेष रूप से मार्मिक बन पड़े हैं। जीवन के अंतिम पड़ाव को कैसे उत्सव में परिवर्तित किया जाए, इसके लिए डॉ. उषा अरोड़ा ने अपने इन आलेखों में बड़े ही मूल्यवान सुझाव दिए हैं। मेरा तो सुझाव है कि यह किताब प्रत्येक व्यक्ति को पढ़नी चाहिए। निश्चित रूप से यह आपकी दशा को एक सही दिशा देने का उपक्रम सिद्ध होगी।

पुस्तक : तप तप कर जो पाया मैंने (लेख/संस्मरण)
लेखिका : डॉ उषा अरोड़ा
प्रकाशक : श्वेतवर्णा प्रकाशन, नोएडा
मूल्य : 299/-
समीक्षक : अशोक 'अंजुम'

व्यंग्य

लाखन और भूषण का चुनावी विश्लेषण

फुलेरा पंचायत का लाखन सुबह-सुबह घर के बाहर बने चबूतरे पर बैठकर दातून कर रहा था, तभी एक काला नाग रेंगता हुआ आया और उसके पैर को चूमकर चला गया। वह निःस्तब्ध हो गया। जैसे ही खुद को संभाला, तब तक दूसरी ओर से सरसराता हुआ एक करैत आया और वह भी उसके पैरों को चूमकर चला गया। इस अचानक सर्प आगमन से वह बुरी तरह घबरा गया। अभी वह कुछ सोच पाता कि एक सफेद गेहुआन आया और वह भी पैर छूकर आगे बढ़ गया। उसकी जान में जान आई ही थी और वह कुछ समझ पाता कि तब तक एक विषहीन पानी वाला ढोड़वा और हरहरा सांप भी पैर के आगे नाचने लगे।

तभी हवा में सरसराता, ग्लाइड करने वाला हरे रंग का सुगवा सांप भी आया और पैरों के पास से निकल गया। विषधर के आने-जाने की प्रक्रिया से लाखन खुद को संभाल पाता कि एक बड़ा सा अजगर आया और उसके सामने आकर याचना मुद्रा में नृत्य करने लगा।

डर के मारे लाखन जैसे ही चिल्लाया, वैसे ही उसकी आंखें खुल गईं। वह घबराकर बड़बड़ाने लगा-"अरे बाप रे! यह कैसा सपना है जी... चारों ओर से सांपवन! सब आकर पैर छू-छूकर भाग रहे थे"। इसी स्वप्न-पहेली में उलझते हुए वह घर से बाहर निकलकर पंचायत भवन की ओर बढ़ चला। "का बिनोद, कहां चल दिए सवेरे-सवेरे?" रास्ते में भुटकुन चाय की दुकान पर खैनी रगड़ते हुए भूषण ने टोका। "हो भैय्या, आप ही के पास आ रहे थे।" लाखन अपनी बात पूरी करता, तब तक भूषण भुटकुन की ओर देखते हुए चिल्लाया-"ए भुटकुन, दुगो चाय बनाओ जी, कड़क"। लाखन भूषण के साथ से खैनी का कुछ अंश लेते हुए बड़ी मासूमियत से बोला- "घटेगा नहीं न भैया, लाइए न, ऐकरा में से तनी हमहूं खा लेते हैं"। होंठों के बीच खैनी दबाते हुए बोला- "हो भैय्या, बड़ा अजीबो-गरीब सपना देखा हम! अभी तक छाती धड़क रही है"। इतना कहकर उसने रहस्यमयी स्वप्न का सारा वृत्तांत सुना डाला। भूषण ने टालने के अंदाज में कहा- "तुम्हारा स्वप्न तो वाकई रहस्यमयी है लाखन। ऐसा करो, तुम फकौली बस स्टैंड वाले तांत्रिक 'ए.आई.' उर्फ अलख इंडियन के पास जाकर इस घटना के बारे में बताओ, संभवतः वही इसका कुछ अर्थ समझा पाएंगे"! "क्या भैया, आप भी तो गांव के प्रधान पति हैं, ज्ञानी-गुणी, बुद्धिजीवी हैं-कुछ तो अर्थ अपने नॉलेज से समझ ही सकते हैं।" लाखन ने भूषण की विद्वता पर तंज कसते हुए कहा।

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

अब तो बात भूषण के ज्ञान पर आ गई थी। प्रतिष्ठा बचाने के लिए उसने लाखन से एक बार पुनः स्वप्न वृत्तांत सुना। गहराई से स्वप्न पर कुछ देर मंथन किया और उसे उसी की भाषा में समझाने का प्रयास किया- "देखो लाखन, चूंकि चुनाव की घोषणा हो चुकी है और तुमने स्वप्न आचार संहिता के दौरान देखा है, इसलिए तुम्हारा स्वप्न आध्यात्मिक न होकर लोकतांत्रिक स्वप्न है। मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि तुम्हारे सपने में आने वाले सर्प दरअसल चुनाव में खड़े उम्मीदवार हैं, जो तुमसे वोट की याचना कर रहे थे। जो अपराधी/गुंडा प्रवृत्ति के उम्मीदवार हैं, वे कोबरा, करैत आदि विषधर के रूप में नजर आए। पिछली बार के विजयी प्रत्याशी, जिन्होंने क्षेत्र विकास में कोई कार्य नहीं किया, वे तुम्हें अजगर के रूप में दिखे। रही बात उड़ने वाले हरे सांप की, तो वह अवसरवादी नेता है, जो चुनाव जीतने के पश्चात अगले पांच सालों तक विधानसभा क्षेत्र से 'उड़ा हुआ' रहेगा, अर्थात गायब रहेगा"। "पर भैया, पानी वाला विषहीन ढोड़वा सांप भी नजर आया था"। सिर पर उंगली फेरते हुए बीच में ही लाखन बोल पड़ा।

भूषण ने समझाया- "अरे भाई, वह निर्दलीय उम्मीदवार होगा, जो पार्टीवाद, संप्रदायवाद या जातिवाद के जहर से रहित, निःस्वार्थ सेवा के लिए चुनाव में खड़ा हुआ होगा। अब रही बात विषहीन हरहरा सांप की, तो इलेक्शन में कुछ 'भोटकटवा' उम्मीदवार भी तो रहेंगे ही न। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह निकलता है कि तुम्हारे स्वप्न में आने वाले विषधारी, क्षेत्र के 'खद्दरधारी' ही हैं, जो वोट की आस में नृत्य करते नजर आ रहे हैं"। "वो सब तो ठीक है भैया, लेकिन यह बताइए कि मेरे सपना में ब्लैक माम्बा, बैंडेड करैत या अनाकोंडा जैसा सांप क्यों नहीं नजर आया"? भूषण तर्क से काफी हद तक सहमत हो चुका लूटन बीड़ी से धुआं फूंकते हुए पुनः पूछ बैठा। "अरे भाई, हमारे क्षेत्र में विधानसभा चुनाव है न जी! कोई पाकिस्तान के पीएम या अमेरिका के प्रेसिडेंट का इलेक्शन तो है नहीं, जो अनाकोंडा या विदेशी विषधर नजर आएगा"। झुंझलाते हुए उसने समझाया।

भूषण की बातों से अथवा बिगड़े हुए मूड से-चाहे जिस वजह से हो, नहीं पता, किंतु लाखन पूरी तरह संतुष्ट हो चुका था। "गुस्साइए नहीं भैया, आप एकदम सही बोल रहे हैं। हम समझ गए कि यह लोकतांत्रिक स्वप्न ही था"। लाखन माहौल को सामान्य करने की कोशिश में चायवाले की ओर देखते हुए बोला-"क्या लगता है भुटकुन, चाय आज दे दोगे या चुनाव परिणाम आने तक इंतजार करना पड़ेगा"? इस तरह लाखन को अपने रहस्यमयी स्वप्न से मुक्ति मिली और भूषण को लाखन के उलझाने वाले प्रश्नों से।

किचन बोरियत से खूबसूरती तक

किसी गृहणी से पूछा जाए कि उनके लिए सबसे ज्यादा बोरिंग जगह कौन सी है। यकीन मानिए आधे से भी अधिक महिलाएं रसोई का नाम लेंगी। क्योंकि यह वो जगह है, जो सुबह जागने से लेकर रात के सोने तक उनके केंद्र में रहती है। हो भी क्यों न, आखिर पेट भरने का रास्ता ही रसोई से है। अन्नपूर्णा की उपाधि प्राप्त महिलाओं के जीवन का आधे से भी ज्यादा जीवन सिर्फ रसोई में गुजरता है कि आज नाश्ते में क्या बनेगा, दोपहर में क्या, रात में क्या और सोते हुए भी वे अगले दिन का मीनू ही सोचती हुईं सो जाती हैं। देखिए, रसोई तो संसार में मानव सभ्यता के विकास के साथ पनपी है। इसका महत्व किसी भी प्रकार से समाप्त नहीं किया जा सकता अन्यथा स्वाद का मोह त्याग कर पशु-पक्षियों की तरह पेट भरना होगा। न ही हम महिलाएं रसोई की अपनी सल्तनत को छोड़ना चाहेंगी। फिर ऐसा क्या किया जाए, जिससे रसोई के कामों में कभी-कभी होने वाली बोझिलता को कम किया जा सके। चलिए, मैं आपको बताती हूं कि इस बोझिलता को कैसे कम किया जा सकता है।

मेघा राठी
भोपाल

कल्पनाओं को दें उड़ान

जैसा कि मैंने ऊपर कहा कि रसोई हमारी सल्तनत है और हम हैं यहां की महारानी। कांटे-छुरी-चाकू जैसे अस्त्रों का प्रयोग कर रणभूमि में उतर जाइए और जिस सब्जी को चाहे काट-पीट, बघार कर अपने अनुसार बना डालिए या फिर आप चाहे तो जादूगर भी बन सकती हैं। निर्भर करता है कि आपको क्या पसंद है, अपनी कल्पना के उसी रंग को रसोई में उतार लीजिए।

रसोई को वर्क प्लेस समझकर तैयार होकर जाएं

कभी-कभी रसोई को अपना ऑफिस समझकर बिल्कुल वैसे ही तैयार होकर जाएं, जैसे आप अपने वर्क प्लेस पर जाती हैं। आखिरकार रसोई भी तो हमारी जॉब है। खुद को यहां भी प्रेजटेबिल रखना, बोझिल मानसिकता में बदलाव लाएगा।

संगीत का साथ

रसोई में अपनी पसंद के गानों के साथ थिरकते हुए कभी खाना बनाने का आनंद लिया है आपने? एक बार इसे भी करके देखिए। यकीन जानिए कुकर की सीटी के साथ, रोटी बेलते हुए पसंदीदा संगीत रसोई को डांस फ्लोर बना सकता है और थकान चुटकियों में गायब कर देता है। यह आपको ढेर सारी सकारात्मक ऊर्जा से भी परिपूर्ण कर देगा।

खुशबु का प्रयोग

बेशक रसोई में हींग, जीरा, लहसुन, प्याज आदि मसालों की खुशबु रहती है, मगर आप इनकी महक को चिमनी और एग्जास्ट फैन के प्रयोग से कम कर सकती हैं। अपनी पसंद की खुशबु के लिए आप रूम फ्रेशनर का प्रयोग भी कर सकती हैं या फिर आरोमा केंडल भी जला सकती हैं। किचन में अलग हटकर आती खुशबु भी बोरियत कम कर सकती है।

गर्मी को दूर रखने के उपाय

रसोई में सबसे ज्यादा परेशान करती है गर्मी, इसके लिए रसोई में खिड़की, एग्जास्ट फैन पर अवश्य ध्यान दें। आप पंखा भी लगवा सकती हैं और गैस की फ्लेम न उड़े उसके लिए हाईपर बर्नर/बर्नर गार्ड का प्रयोग कर सकती हैं। इससे गैस की भी बचत होगी और खाना भी जल्दी बनेगा।

रसोई को थीम के अनुसार सजाएं

रसोई की सजावट में बदलाव भी मन को खुश कर देता है। रंग की थीम या फिर कुछ सजावटी वस्तुएं लाकर भी आप अपनी किचन को समय-समय पर नया लुक दें सकती हैं। जैसे नीली और सफेद रसोई थीम रख सकती हैं। हर महिला जन्मजात कलाकार होती है अपना घर सजाने में, तो रसोई को ही क्यों छोड़ा जाए।

नए व्यंजनों और नई रेसिपी का प्रयोग

रोज के खाने में बदलाव स्वाद के साथ मूड भी बेहतर करता है। नई रेसिपी से बनाए खाने के प्रति उत्सुकता बिल्कुल वैसी होती है, जैसे परीक्षा के बाद परिणाम आने की। परिवार के लोग जब उसे पास ही नहीं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण घोषित कर दें, तो स्वयं को पुरस्कार देना भी बनता है। ध्यान रखिए, जब खाना खुश होकर बनाया जाता है, तो उसमें स्वाद भी भरपूर आ जाता है। रसोई को हमेशा साफ रखना, उपकरणों को दुरुस्त रखना, प्रकाश की सही व्यवस्था और कीड़े-मकोड़ों से बचाव रसोई को अधिक सुविधाजनक बना देंगे, जिससे रसोई से मन उकताएगा नहीं। "आखिर रसोई सिर्फ पेट भरने की जगह नहीं, यह घर के हर दिल को खुश करने का केंद्र है। जब हम मुस्कुराकर इसमें काम करेंगे, तो स्वाद और प्यार दोनों दोगुना हो जाएंगे।"

छोटी उम्र में मेकअप पहुंचा सकता है नुकसान

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में छोटी बच्चियां भी मेकअप और सोशल मीडिया ट्रेंड्स की ओर तेजी से आकर्षित हो रही हैं। मां या इन्फ्लुएंसर्स की देखा-देखी में वे सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग करने लगी हैं, जबकि इन उत्पादों में मौजूद रासायनिक तत्व उनकी नाजुक त्वचा के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकते हैं। कम उम्र में मेकअप न सिर्फ त्वचा को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है। समय से पहले सौंदर्य के कृत्रिम मापदंड अपनाना आत्मविश्वास और प्राकृतिक सुंदरता को प्रभावित करता है। इसलिए माता-पिता को बच्चों को इनसे बचाने की समझदारी दिखानी चाहिए।

- कहावत है "बेटियां कब बड़ी हो जाती हैं, पता ही नहीं चलता।" लेकिन आज के समय में यह कहावत कुछ जल्दी ही चरितार्थ होती दिख रही है। आधुनिक दौर में जब छोटी उम्र की बच्चियां भी सोशल मीडिया और फैशन ट्रेंड्स से जुड़ रही हैं, तब मेकअप का आकर्षण उनके बीच तेजी से बढ़ रहा है। कभी मां की देखा-देखी, कभी दीदी या सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से प्रेरित होकर अब छोटी बच्चियां भी सजने-संवरने में रुचि लेने लगी हैं। अधिकतर माता-पिता भी उनकी मासूम जिद के आगे झुक जाते हैं और बिना सोच-विचार किए उन्हें मेकअप करने की अनुमति दे देते हैं।
- यहां यह समझना बेहद जरूरी है कि कम उम्र में मेकअप केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि अंदरूनी नुकसान का कारण भी बन सकता है। बच्चों की त्वचा बेहद नाजुक और संवेदनशील होती है। सौंदर्य प्रसाधनों में मौजूद रासायनिक तत्व जैसे रेटिनॉइड्स, ग्लाइकोलिक एसिड, पैराबेन्स, फथैलेट्स और फिनोल जैसी सामग्रियां उनकी त्वचा के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देती हैं। ये तत्व त्वचा की सुरक्षात्मक परत (स्किन बैरियर) को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे रूखापन, जलन, एलर्जी और कील-मुहांसे जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।
- बच्चियों की त्वचा वयस्क महिलाओं की तुलना में अधिक पतली और कोमल होती है। ऐसे में इन रासायनिक उत्पादों के नियमित उपयोग से यह त्वचा की गहराई तक पहुंचकर दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती है। लिपस्टिक या लिप ग्लॉस का लगातार उपयोग होंठों में कालापन और पपड़ी जैसी समस्या भी पैदा कर सकता है। इससे भी गंभीर बात यह है कि कुछ कॉस्मेटिक्स में मौजूद केमिकल्स हार्मोन संतुलन को प्रभावित करते हैं, जिसके कारण बच्चियों में समय से पूर्व यौवन (प्रीमैच्योर प्यूबर्टी) की शुरुआत हो सकती है। लंबे समय तक इन उत्पादों के प्रयोग से स्तन या डिम्बग्रंथि (ओवरी) कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।
- इसके अलावा सुगंधित और प्रिजर्वेटिव तत्वों से युक्त पर्सनल केयर उत्पाद भी एक्जिमा या त्वचा संक्रमण का कारण बन सकते हैं। यदि किसी बच्ची की त्वचा पर ऐसे संक्रमण के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत इन उत्पादों का उपयोग बंदकर देना चाहिए।
- सिर्फ शारीरिक ही नहीं, मेकअप का यह चलन मानसिक रूप से भी हानिकारक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया पर 'परफेक्ट लुक' पाने की होड़ में छोटी बच्चियां सौंदर्य के कृत्रिम मापदंड तय करने लगती हैं, जिन्हें हासिल करना लगभग असंभव होता है। इसके परिणामस्वरूप वे आत्म-संतोष खो देती हैं और तनाव, आत्मग्लानि, डिप्रेशन तथा बॉडी डिस्मॉर्फिक डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं का शिकार हो सकती हैं।
- ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें न केवल बच्चों को ऐसे वीडियो या ट्रेंड्स से दूर रखना चाहिए, बल्कि यह भी बताना चाहिए कि प्राकृतिक सौंदर्य सबसे सुंदर होता है। पेरेंट्स को बच्चों के साथ बैठकर, उन्हें सौंदर्य उत्पादों के रासायनिक दुष्प्रभावों के बारे में सरल और व्यावहारिक जानकारी देनी चाहिए ताकि यह बात उनके मन पर स्थायी रूप से असर करे।
- याद रखिए छोटी उम्र में किया गया मेकअप क्षणिक आकर्षण तो दे सकता है, लेकिन यह त्वचा, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास तीनों के लिए दीर्घकालिक खतरा बन सकता है। बचपन को बचपन ही रहने दें, ताकि आपकी बच्ची प्राकृतिक सुंदरता के साथ स्वस्थ और आत्मविश्वासी बन सके।

खाना खजाना

मोटी खुबा रोटी

संतोष गुप्ता
फूड ब्लॉगर

भोजन संस्कृति में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट पहचान है। कहीं पूड़ी-कचौड़ी का स्वाद है, तो कहीं सादा देसी घी में बनी रोटियों की खुशबू। इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में से एक है 'मोटी खुबा रोटी', जो देसीपन और पौष्टिकता दोनों का प्रतीक है। 'खुबा' का अर्थ होता है गड्ढा या खांचा और यही इसकी खासियत है। रोटी को मोटा बेलकर उस पर उंगलियों से हल्के गड्ढे बनाए जाते हैं, जिनमें देसी घी भरकर तवे या अंगारों पर धीमी आंच में सेंकने से इसकी खुशबू चारों ओर फैल जाती है। यह रोटी आमतौर पर गेहूं के आटे से बनाई जाती है और ग्रामीण इलाकों में आज भी विशेष अवसरों या मेहमान नवाजी में परोसी जाती है। इसे दाल, लहसुन की चटनी, कढ़ी या गुड़ और घी के साथ खाने का अपना अलग ही स्वाद होता है। 'मोटी खुबा रोटी' न केवल एक पारंपरिक व्यंजन है, बल्कि मिट्टी, मेहनत और स्वाद की लोक-संस्कृति का प्रतीक भी है।

सामग्री

- गेहूं का आटा - 1 कप (150 ग्राम)
- नमक - 1/4 छोटी चम्मच
- जीरा - 1/4 छोटी चम्मच
- अजवायन- 1/4 छोटी चम्मच
- देशी घी - 2 बड़े चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले आप आटे को परात में निकाल लीजिए। आटे में नमक, जीरा अजवायन और 1 बड़ा चम्मच घी डालकर मिक्स कर लीजिए और थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए रोटी के आटे से थोड़ा सा सख्त आटा गूंथ कर तैयार कर लीजिए। गूंथे आटे को 20 मिनट के लिए ढककर रख दीजिए ताकि आटा सैट होकर तैयार हो जाए। 20 मिनट के बाद हाथ पर थोड़ा सा घी लगाकर चिकना कीजिए और आटे को मसल कर चिकना कर लीजिए। आटे की लोई को चकले पर रखिए और मोटी रोटी बेलकर तैयार कर लीजिए।

रोटी सेंकने के लिए तवा गरम करने के लिए रख दीजिए, तवे के हल्का गरम होने, पर रोटी को इस पर डाल दीजिए और मीडियम आंच पर सिंकने दीजिये, जब रोटी नीचे से हल्की सी सिक जाए, तो रोटी को पलट दीजिए। रोटी की ऊपर सिकी हुई परत पर उंगली और अंगूठे की सहायता से रोटी पर कोने बनाते जाइए और एक-एक राउंड को पूरा करते हुए बीच तक रोटी में अच्छी तरह से इसी तरह से कोने बनाते हुए पूरा कर दीजिए। गैस की आंच को एकदम धीमा रहने दीजिए, रोटी नीचे की ओर से अच्छी चित्तीदार होने तक सेंक लीजिए। अब रोटी को पलट दीजिए और कोने की ओर से भी 2 मिनट सिंकने दीजिए। अब रोटी को तवे से उठाइए और गैस पर सेंके। रोटी के दोनों ओर धीमी आग पर अच्छी ब्राउन चित्ती आने तक सेंक कर तैयार कर लीजिए। रोटी को प्लेट में रख दीजिए और रोटी पर 1 बड़ा चम्मच घी लगा लीजिए, घी रोटी के गड्ढों में भरते हुए डालें, घी रोटी में एब्जॉर्ब हो जाता है और इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। स्वादिष्ट खूबा रोटी बनकर के तैयार है। इसे आप राजस्थानी पंचरत्न दाल के साथ या अपनी मनपसंद ग्रेवी वाली सब्जी, अचार व चटनी के साथ परोसिए और खाइए।

नेपाल से मोबाइल, कानपुर से खरीदे थे सिम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिल्ली धमाके में डॉ. शाहीन और उसके भाई डॉ. परवेज का कनेक्शन जुड़ने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कानपुर से लखनऊ के बीच तलाश तेज कर दी है। दिल्ली स्पेशल सेल की एक यूनिट कानपुर के कैंट इलाके में डेरा जमाए हुए है। यह यूनिट बिना कमिश्नरेट पुलिस को कोई जानकारी दिए अपना ऑपरेशन चला रही है। एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार डीएम कार्डियोलॉजी छात्र डॉ. आरिफ समेत पांच लोग धमाके से एक घंटे पहले तक डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में रहे। यह भी पता चला है कि जिन मोबाइल फोन का उपयोग हुआ, वे नेपाल से सेकेंड हैंड खरीदे गए थे। उनमें 17 सिम का प्रयोग हुआ, जिसमें छह कानपुर से खरीदे गए थे। सिम के लिए लखनऊ की आईडी का इस्तेमाल हुआ। दो आईडी बेकनगंज की भी मिली हैं, जिसके आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने उस आईडी की पड़ताल के लिए अपना नेटवर्क फैलाया है। टीम का ऑपरेशन देर रात से भोर पहर तक चलता है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार विस्फोट से एक घंटा पहले तक डीएम कार्डियोलॉजी छात्र डॉ. आरिफ, शाहीन का भाई डॉ. परवेज, डॉ. फारुख अहमद और दो अन्य डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में थे। डॉ. शाहीन भी 8 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे तक उसके संपर्क में रही। आमीन और इंशा अल्लाह जैसे मैसेज मोबाइल फोन पर मिले हैं। दिल्ली की स्पेशल टीम को डॉ. परवेज की ससुराल में ताला बंद मिला है, जबकि बेकनगंज में कपड़ा दुकानदार उनके साले उस्मान से छह घंटे तक पूछताछ हुई।

- दिल्ली धमाके में डॉ. शाहीन व उसके भाई डॉ. परवेज का कनेक्शन जुड़ने से कानपुर-लखनऊ के बीच तलाश तेज
- डीएम कार्डियोलॉजी छात्र डॉ. आरिफ समेत पांच लोग धमाके से एक घंटे पहले तक डॉ. मुजम्मिल के संपर्क में रहे

दोस्तों से मिलता था डॉ.परवेज

- सूत्रों के अनुसार उस्मान ने किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। फिर भी स्पेशल सेल ने उसकी फैमिली हिस्ट्री का ट्री बनाया है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ में पता चला है कि डॉ. परवेज जब कानपुर आता था तो अपने दोस्तों से मिलने कर्नलगंज, जीएसवीएम और मंधना पहुंचता था। बाबूपुरवा में भी उसके दोस्तों के होने की जानकारी स्पेशल टीम को मिली है। वहीं डॉ. आरिफ और डॉ. परवेज भी संपर्क में थे, जबकि अक्टूबर में डॉ. शाहीन कानपुर में देखी गईं।

17 सिम का प्रयोग हुआ, जिसमें छह कानपुर से खरीदे गए थे, सिम के लिए लखनऊ की आईडी का इस्तेमाल हुआ

नेटवर्क में शामिल स्लीपर सेल्स की तलाश

- विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को पता चला कि कानपुर की डॉ. शाहीन और लखनऊ के उसके भाई डॉ. परवेज को धमाकों की जानकारी थी। इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियां भाई-बहन का नेटवर्क खंगालने और नेटवर्क में शामिल स्लीपर सेल्स की तलाश में जुटी हैं। भाई-बहन के मोबाइल के जरिए कानपुर से लेकर लखनऊ तक का नेटवर्क सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार यूपी के जिन जिलों में इनके नेटवर्क की गतिविधियां थीं, वहां के स्लीपर सेल्स अंडरग्राउंड हो गए हैं। नेपाल के रास्ते भागने की बात भी सामने आई है।

बाराबंकी सीएमओ बोले- मरीजों के साथ करें अच्छा व्यवहार

किया रामनगर सीएचसी का निरीक्षण, रोगियों से लिया फीडबैक

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों को मरीजों से अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पर्चा काउंटर, ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, लेबर रूम, एनबीएसयू, इमरजेंसी वार्ड और एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमओ ने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मौजूद डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार रखने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। साफ-सफाई की व्यवस्था देखकर सीएमओ संतुष्ट दिखे और परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए अधिक पौधे लगाने पर जोर दिया। निरीक्षण के बाद सीएमओ ने अस्पताल में संचालित ईएमटी प्रशिक्षण केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि कॉल मिलते ही जल्द से जल्द घटनास्थल पर पहुंचें और गंभीर मरीजों को बिना देरी के सरकारी अस्पताल पहुंचाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में न ले जाया जाएं, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. प्रणव कुमार श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि सीज किए गए अवैध प्राइवेट अस्पतालों पर कड़ी निगरानी रखें।

निरीक्षण के दौरान दिशा निर्देश देते सीएमओ।

भागवत कथा से पहले निकलेगी कलश यात्रा

लखनऊ, अमृत विचार। सर्व श्री आशुतोष जी महाराज द्वारा संस्थापित एवं संचालित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान एक अध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्थान है। संस्थान द्वारा समय समय पर जन जाग्रति हेतु अध्यामित्क एवं समाजिक कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है । इसी श्रृखला में मानव मन में आध्यात्म द्वारा भक्ति के पुष्प पल्वित करने हेतु संस्थान द्वारा सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आज यानी रविवार से राजाजीपुरम लखनऊ में होने जा रहा है । कथा से पहले भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा सुबह 10 बजे से बाबा की बगिया, नियर टेम्पो स्टैंड राजाजीपुरम से शुरू होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

NER-LJN-2025-183

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है:– **ई–निविदा सं.: NER-LJN-2025-183; कार्य का नाम:** सहायक मण्डल इंजीनियर मैलानी के अधिकार क्षेत्र के फरदहन स्टेशन पर माल प्लेटफॉर्म, अप्रोच रोड, फेंसिंग के निर्माण का कार्य एवं अन्य विविध कार्य।; **अनुमानित लागत (₹):** ₹3,39,20,009.71; **अग्रिम धन (₹):** ₹3,19,600/-; **समापन अवधि:** 12 माह; **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2025-183** के लिए ई–निविदा दिनांक 09.12.2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग

मुजाधि/डब्ल्यू–332 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लोक निर्माण विभाग, बाराबंकी

अति अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

पत्रांक : 2816/10ए/ई टेण्डरिंग/2025 दिनांक 12.11.2025

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 बाराबंकी द्वारा लोक निर्माण विभाग में ए,बी,सी,डी श्रेणी में मार्ग वर्ग में पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर लें कि कान्ट्रेक्ट के एवार्ड हेतु अर्ह के लिये बिडर्स के निर्देश के क्लाज–4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता हैं।

क्रम सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी में विकासखण्ड मसौली के अंतर्गत आने वाले प्र0जि0मा0/अ0जि0मा0/ग्रामीण मार्गों पर पैच/पॉट होल्स मरम्मत का कार्य।	33.10	3.31	944.00	9 माह	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड सं0–1, लो0नि0वि0, बाराबंकी	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0–अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या
2	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी में विकासखण्ड रामनगर के अंतर्गत आने वाले प्र0जि0मा0/अ0जि0मा0/ग्रामीण मार्गों पर पैच/पॉट होल्स मरम्मत का कार्य।	33.15	3.32	944.00	9 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–
3	बाराबंकी	जनपद बाराबंकी में विकासखण्ड सिरौली गौसपुर के अंतर्गत आने वाले प्र0जि0मा0/अ0जि0मा0/ग्रामीण मार्गों पर पैच/पॉट होल्स मरम्मत का कार्य।	33.18	3.32	944.00	9 माह	–तदैव–	–तदैव–	–तदैव–

3 वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेन्ट्स आन लाइन देखे जा सकते है।

4 निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 17.11.2025 से 22.11.2025 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगें। निविदादाताओं द्वारा आनलाइन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं0 3070/78–2–2018–42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा। आन लाइन प्राप्त समस्त टेक्निकल बिड दिनांक 22.11.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

5 निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न .निविदा सूचना में उपलब्ध है।

(दीपक कुमार चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
बाराबंकी

UP-240614 दिनांक 15.11.2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences** (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee

- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम SANJAY SRIVASTAVA से बदल कर SANJAY KUMAR SRIVASTAVA रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: SHANKER DAYAL SRIVASTAVA R/O: 5/161 A, VINEET KHAND, GOMTI NAGAR, NEAR RAILWAY WATER TANK, LUCKNOW

सूचना

मैंने अपना नाम BRAJESH KUMAR से बदल कर BRAJESH KUMAR PANDEY रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: VIDHYADHAR PANDEY R/O: 525K/215, OLD MAHANAGAR, NEAR YADAV BHAWAN MAHANAGAR, LUCKNOW

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी माता का नाम आधार कार्ड में अनीता देवी नामांकित है। जो कि अनीता मौर्या नामांकित होना चाहिए। अनीता देवी व अनीता मौर्या एक ही हैं। **रामगोपाल मौर्य पुत्र हरिशंकर मौर्य ग्राम धनौली (डिहवा) पोस्ट बभनी कानूनगो विकासखंड पंडरी कृपाल गोंडा।**

सूचना

मैं **जावेद पुत्र नूर मोहम्मद निवासी ग्राम रंकेडीह शाहपुर जनपद सुलतानपुर,** मेरी पॉलिसी संख्या–1. 22083022,2. 021220444 का धारक है उक्त पॉलिसी में मेरा नाम जावेद अहमद खान अंकित है जबकि आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम जावेद अंकित है उक्त समस्त नाम स्वयं मेरे ही है और एक ही है इसके अलावा उक्त पते पर उक्त नाम से अन्य कोई व्यक्ति निवास नही करता है।

सूचना

मैं **नीरज यादव, पुत्र स्वर्गीय श्रीकृष्ण यादव, निवासी चंपापुरवा, शुक्लागंज, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव** यह सार्वजनिक रूप से घोषणा करता हूँ कि मेरे छोटे भाई निखिल यादव के आचरण एवं कृत्य अत्यंत अनुचित होने के कारण मैं आज के दिन से अपने भाई निखिल यादव तथा उससे जुड़े किसी भी पारिवारिक जन से सम्बंध विच्छेद करता हूँ। इसके अलावा, भविष्य में वह अपने किसी भी कृत्य, परिणाम या उत्पन्न परिस्थितियों के लिए स्वयं पूर्णतः जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का अंकपत्र जिनका रोल नंबर क्रमश 1222361390 वर्ष 2022 तथा 2247080792 वर्ष 2024 है वास्तव में कहीं खो गया है। **ऋषभ शुक्ल पुत्र गंगा राम शुक्ल ग्राम–रानीपुर तिलक, ब्लॉक –बिशेश्वर गंज तहसील पयागपुर, जिला–बहराइच पिन कोड 271871**

सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है मैं सुदामा मेरे पति श्याम लाल पुत्र रामदेव व माता का नाम रमराजी निवासी ग्राम सराय खेमा पो रामनगर तहसील व जनपद अमेठी 2010 आर्थिक धनोपार्जन के लिए गुजरात के सूरत शहर गए थे लेकिन काफी खोजबीन की गई कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

सूचना

सूचित हो कि मैं **मो. साबिर पुत्र स्व0 मो0 बशीर निवासी –मोहल्ला सैय्यद बाड़ा करबा, परगना व तहसील मलिहाबाद जनपद लखनऊ,** मेरे तीन पुत्र कामरान, भोलू व मो. सलमान हैं। मेरे मंझले पुत्र मो. सलमान का व्यवहार व चालो चलन मेरे परिवार के साथ अच्छा नहीं है अक्सर विभिन्न अनैतिक क्रिया कलाप करते रहते है। अपने मंझले पुत्र मो. सलमान को गलत चाल चलन व कुकृत्यों के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है। उक्त पुत्र का मेरे व अन्य परिवार से कोई लेना देना व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों के प्रति वे स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

मैं **राजू साहनी पुत्र शिव नरायन ग्राम पटेल नगर मौजा बंगलाचक रिसिया** का मूल निवासी हूं। मेरा नाम पासपोर्ट पर Raju Shahni नाम अंकित है जो कि त्रुटिवश गलत लिखा है वास्तव में मेरा नाम आधार पर Raju Sahni है जो सही है। वास्तव में मेरा नाम Raju Sahni है अतः हमें इसी नाम से जाना जाये। ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। पटेल नगर रिसिया, बहराइच

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भूपेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र श्री कृष्ण पाल सिंह बिष्ट अवधपुरी–2, खरगापुर, गोमती नगर, लखनऊ, उ0प्र0–226010 का स्थाई निवासी हूं। मैं भूपेन्द्र सिंह बिष्ट तेरहवीं असम राइफल्स में कार्यरत हूं। मैं अपने फील्ड सर्विस डाक्यूमेंट में अपना नवीनतम पता– अवधपुरी–2, खरगापुर, गोमती नगर, लखनऊ, उ0प्र0–226010 अंकित कराना चाहता हूं। –भूपेन्द्र सिंह बिष्ट

सूचना

सूचित हो मैं अपने पुत्र वीरेन्द्र शुक्ला व उसकी पत्नी शशि शुक्ला के गलत व्यवहार एवं गलत आचरण, गालीगलौज एवं गलत चाल–चलन के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। उसके किसी कार्य व्यवहार व लेन–देन से शपथिनी का कोई सम्बन्ध नहीं होगा एवं उससे अपने समस्त पारिवारिक रिश्ते समाप्त कर लिये हैं। मैं स्वयं 70 वर्ष की वृद्ध एवं विधवा महिला हूं। –राजरानी शुक्ला पत्नी स्व0 रामपाल शुक्ला नि0 म0नं0–538क/456/11, शिवपुरम्, त्रिवेणीनगर–3, थाना अलीगंज, लखनऊ

सूचना

सूचित हो मैं अपने पुत्र अभिषेक राजपूत जिसका आचरण अपने माता–पिता एवं परिवार के प्रति दुष्टतापूर्ण एवं घृणित है। इस कारण मैं अपने पुत्र अभिषेक राजपूत को अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अभिषेक राजपूत के कृत्य या गैरकानूनी कार्य की जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी, उसके माता–पिता, अन्य पारिवारीजन जिम्मेदार न होंगे। –खुशीराम पुत्र श्री भगवानदीन निवासी–569/जी–10, सेक्टर–जी, मदारीखेड़ा, आशियाना, एलडीए कालोनी, थाना आशियाना, लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

कुशाग्र हत्याकांड : परिजन बोले- हत्यारों को फांसी दी जाए

कानपुर, अमृत विचार : एडीजे-11 सुभाष सिंह की कोर्ट में कुशाग्र हत्याकांड की सुनवाई जारी है। शनिवार को अदालत परिसर में परिजन न्याय की मांग करते दिखे। परिजनों ने कहा कि कुशाग्र के तीनों हत्यारों को अदालत फांसी की सजा दें। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। इससे पहले की सुनवाई में पंचनामा भरने वाले दरोगा व सर्वोदय नगर चौकी प्रभारी लोकेंद्र सिंह की गवाही पूरी हुई। 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के कक्षा 11 के छात्र कुशाग्र की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला व सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।

युवक लापता

बाराबंकी। कोतवाली रामनगर क्षेत्र के ग्राम लोकईपुरवा मजरे मीरपुर निवासी संत राम का 30 वर्षीय पुत्र धर्मेन्द्र 10 नवंबर की शाम लगभग 6 बजे घर से लापता हो गया। परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन धर्मेन्द्र का कहीं कोई पता नहीं चल सका। पिता संत राम ने कोतवाली रामनगर में तहरीर देकर अपने बेटे की जल्द तलाश कराने की गुहार लगाई है।

दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : अलग अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। एक की मौत इलाज के बाद घर लाए जाने पर हुई। वहीं एक को गंभीर दशा में जिला अस्पताल भेजा गया है।

कोठी थाना क्षेत्र में बाबा का पुरवा मजरे पड़रावा गांव निवासी बंशी लाल (28) पुत्र बिंद्रा प्रसाद गौतम शुक्रवार की रात करीब आठ बजे बाइक से घर लौट रहे थे। पोरई-पड़रावा मार्ग पर बंशीलाल की बाइक सड़क पर मौजूद छुट्टा मवेशी से टकरा गई। इसके उन्हें अंदरूनी चोटें आईं। जिससे वह घर आ कर सो गया। शनिवार की सुबह अचानक बंशीलाल की तबियत बिगड़ गई। सीएचसी में डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सतरिख थाना के गोकुलपुर मजरे असेनी गांव निवासी रमेश कुमार की पत्नी सरोज (45) शनिवार की शाम को घर के पास ही चिकित्सक के यहां दवा लेने के लिए जा रही थीं। रास्ते में सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उपचार के दौरान रात करीब आठ बजे इनकी मौत हो गई। जहांगीराबाद थाना के भयारा चपरी गांव निवासी संदीप कुमार बाइक से अपनी ससुराल दतौली गांव जा रहे थे। तभी पीछे से आ रही डीसीएम ने हेतमापुर गांव मोड़ पर बाइक में टक्कर मार दी घायल संदीप को सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया। घायल की हालत गंभीर होने पर डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर किया है। हादसे में घायल वृद्ध को उपचार के बाद दो दिन पहले घर लाया गया था। शुक्रवार की रात अचानक उसकी तबियत फिर से बिगड़ गई। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। दरियाबाद थाना के मथुरा नगर निवासी मोहम्मद अनवर अंसारी (65) छह नवंबर को बाइक की टक्कर से घायल हो गए। परिजन उसे सीएचसी मथुरा नगर ले गए थे। ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया था। अचानक मौत हो गई।

सिरफिरे ने पत्नी की हत्या कर खुद फांसी लगाकर दे दी जान

खीरों, रायबरेली

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव सुरजीपुर निहस्था में एक सिरफिरे युवक ने शुक्रवार की रात बांके से गला काटकर अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। उसके बाद खुद भी कमरे के अन्दर छत में लगे हुक से रस्सी के सहारे लटककर जान दे दी। शनिवार को सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पीआरवी को घटना की जानकारी दी। खीरों पुलिस और फॉरेंसिक टीम के साथ सीओ लालगंज और अपर पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण करते हुए परिजनों से पूंछतांछ की। पुलिस ने दंपति के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुरजीपुर निहस्था निवासी भीमराज उर्फ भीखू (32) पुत्र रामनाथ मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। उसका उसकी पत्नी सोनी देवी (28) और मां फूलमती, पिता रामनाथ से आए दिन छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था। इसीलिए उसकी माता फूलमती पिता रामनाथ खेतों में छप्पर रखकर रहते थे। भीमराज की शुक्रवार को किसी बात को लेकर उसकी पत्नी सोनी देवी से कहासुनी हो गई। उसकी ससुराल में शादी होनी है। शुक्रवार को ही वह अपने बच्चों शिवम् (9), शुभी (7) और शिवांश (4) को अपनी ससुराल सेमरपहा गांव छोड़ कर घर लौट आया। रोज की तरह शुक्रवार की शाम को भी भीमराज के माता-पिता खाना खाकर खेतों में रखे छप्पर के नीचे रहने चले गए। रात में घर के अन्दर बरामदे में सो रही पत्नी सोनी देवी की भीमराज ने बांका से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी। सोनी देवी की मौत हो जाने के बाद भीमराज ने बगल के कमरे में छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटककर जान दे दी। प्रातःकाल होते ही भीमराज के माता पिता घर पहुंचे और दरवाजा खोलने के लिए आवाज दी। दरवाजा न खुलने पर दोनों लोग बेटे बहू को नींद में समझकर वापस खेत की तरफ लौट गए। लगभग एक घंटे बाद फिर घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया। कोई उत्तर न मिलने पर माता-पिता ने पड़ोसियों को बताया। बगल की छत पर चढ़कर देखने से पड़ोसियों को बरामदे की फर्श पर सोनी देवी का बहता हुआ खून दिखाई दिया। पड़ोसी जीने का दरवाजा तोड़कर घर के अन्दर पहुंचे तो सोनी देवी का रक्तरंजित शव देखकर अवाक रह गए। कमरे में भीमराज का फंदे से लटका शव देखकर गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने पीआरवी को घटना की सूचना दी। सीओ लालगंज अमित सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने भी पहुंचकर घटना की बारीकी से जांच की।

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर

पंत्राक–329/ न0पं0कि / अ0नि0सू0 / 2025–26 दिनांक–13–11–2025

अति अल्पकालिक निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर क्षेत्रान्तर्गत शासन एवं जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार राज्य वित्त / नगर निधि से विगत वर्षो की भांति इस वर्ष 2025 में भी शीतलहर से बचाव हेतु प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने हेतु लकड़ी मय कुन्दा (जलौनी) की आपूर्ति लिया जाना है, प्रति कुण्टल की दर दे सकता है। निविदा दिनांक 17–11–25 से 27–11–2025 को समय 02 बजे तक 500/–रू0+05 प्रतिशत जीएसटी सहित अदा करके क्रय किया जा सकता है। प्राप्त निविदाएं 28–11–25– को समय 04 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेंगी । निविदा के साथ रूपया 10,000 / – (दस हजार रूपया मात्र) नगद व एफडीआर/ टीडीआर / एनएससी जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के पक्ष में बन्धक हो, संलग्न करना अनिवार्य होगा, साथ में निविदादाता को जीएसटी नम्बर, आधारकार्ड, पैनकार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। अन्यथा वाद मियांद प्राप्त निविदा पर विचार किया जाना सम्भव न होगा। किसी भी निविदा को बिना कारण बतायें निरस्त करने का अधिकार अध्यक्ष / अधिशाषी अधिकारी में निहित होगा ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अमृत विचार

रविवार, 16 नवंबर 2025

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः॥

संपूर्ण धर्मों का आश्रय छोड़कर तू केवल मेरी शरण में आ जा। मैं तुझे संपूर्ण पापों से मुक्त कर दूंगा, चिंता मत कर।
-भगवान श्रीकृष्ण

सबका साथ सबका विकास और बिहार चुनाव के संदेश

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आंकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती। प्रमाणों के आंकलन की छोटी सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है।

बिहार चुनाव नतीजों ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार जीत होती ही है, लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निर्माताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमंडल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं।

निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है, लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निर्माताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निर्माताओं ने 'हम भारत के लोग' कहकर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से संबंधित हो सकते हैं, लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निर्माताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है। दुनिया 21 वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे, उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे, उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए।

> लोकतंत्र एक जीवनशैली है। विचार आधारित राजनीति लोकतांत्रिक अधिकारों व अवसर का सदुपयोग करती है। समाज को उसका हक मिलता है। बिहार में वैसा नहीं हो रहा था। इतिहास के विद्यार्थी कौटिल्य को बिहार से जोड़ते हैं, तब मगध राज्य था। छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटे देश को राष्ट्र बनाने का काम कौटिल्य ने किया था। छोटे-छोटे दलों को मिलाकर एक सशक्त विकल्प देने का काम भाजपा, जदयू, लोजपा, हम आदि ने किया है। बिहार चुनाव को पूरे देश ने देखा है। चुनाव परिणामों ने किसी को भी निराश नहीं किया। चुनाव में इस बार कोई हिंसा नहीं हुई। बूथ नहीं लूटे गए। अपवाद छोड़कर व्यक्तिगत हमले नहीं हुए।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत-हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी-बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है। चुनाव के समय की राजनीति का समग्र विश्लेषण नहीं हुआ। साथ ही चुनाव के संदेश पर भी चर्चा नहीं हो रही। बिहार के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हीरो थे, उन्होंने 14 सभाएं की। राजग की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि वक्ताओं को जनता ने सुना। नीतीश कुमार का अपना प्रभाव है। आज से नहीं है, पहले से है। वह अनुभवी राजनेता हैं। स्वाभाविक है, उनकी लोकप्रियता का लाभ गठबंधन को मिला है। चुनाव नतीजे राजग के पक्ष में एक तरफा हो गए। दल और उसके समर्थक स्वाभाविक ही खुश हैं। ढोल-बाजे बज रहे हैं। खास बात यह है कि चुनाव नतीजों से खास तरह की उम्मीदें हैं। विशेष प्रकार की प्रसन्नता है। इन नतीजों की उम्मीद नहीं थी। जन सुराज पार्टी के अभियान चलाए जा रहे थे, लेकिन उन्हें कोई सीट नहीं मिली। ऐसी उम्मीद उन्हें भी नहीं थी, जो भारी बहुमत से जीते और हारे हैं, सब मिलकर विकास करें। कुछ समय पहले बिहार में जंगलराज था। अधिकारी पीटे जा रहे थे। अपहरण थे। गुंडा टैक्स थे। राजनीति की प्रतिष्ठित कुर्सियों पर बाहुबली थे। लोग मारे जा रहे थे। हिंसा का जोर था। कोर्ट ने भी बिहार के जंगलराज पर टिप्पणी की थी। जंगलराज शब्द का उपयोग न्यायालय ने किया था। बाहुबलियों की भरमार थी। नीतीश की पिछली सरकार ने जंगलराज पर काबू पा लिया था, लेकिन मध्य वर्ग और टिप्पणीकार चुनाव नतीजों को जाति के आधार पर ही जांच रहे थे। एक समय बिहार में जातियों की सेनाएं थीं। परस्पर युद्ध करती थीं। वह राजनीतिक दलों के ऊपर सवार थीं। जातिवाद से बिहार झुलसता रहा। लोगों में निराशा थी। लोग सोचते थे कि अब जाति के इस प्रेत का सामना करना कठिन हो गया है। जनता के एक वर्ग ने इसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया था।

लोकतंत्र एक जीवनशैली है। विचार आधारित राजनीति लोकतांत्रिक अधिकारों व अवसर का सदुपयोग करती है। समाज को उसका हक मिलता है। बिहार में वैसा नहीं हो रहा था। इतिहास के विद्यार्थी कौटिल्य को बिहार से जोड़ते हैं, तब मगध राज्य था। छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटे देश को राष्ट्र बनाने का काम कौटिल्य ने किया था। छोटे-छोटे दलों को मिलाकर एक सशक्त विकल्प देने का काम भाजपा, जदयू, लोजपा, हम आदि ने किया है। बिहार चुनाव को पूरे देश ने देखा है। चुनाव परिणामों ने किसी को भी निराश नहीं किया। चुनाव में इस बार कोई हिंसा नहीं हुई। बूथ नहीं लूटे गए। अपवाद छोड़कर व्यक्तिगत हमले नहीं हुए। वोट डालने की यह शैली पूरे देश द्वारा सराही गई है। जाति ने राष्ट्र को बड़ी क्षति पहुंचाई है। बिहार का संदेश सुस्पष्ट है। राजनीति में विचारधारा की महत्ता बढ़ सकती है, विकास की मांग बढ़ेगी। जाति की बातें नहीं चलेगी। सबका साथ-सबका विकास राजनीति का एजेंडा है ही। उम्मीद है कि इससे भारतीय राजनीति में जाति का महत्व घटेगा। पश्चिम बंगाल के अनुभवी राजनेताओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। बिहार की आदरणीय जनता को बधाई।

नहीं चले पीके के करतब...

इस बार बिहार चुनाव में तो स्पष्ट हो गया कि चुनाव लड़वाना और चुनाव लड़ने में बहुत फर्क है। किसी दल के लिए रणनीति बनाकर उसे सत्ता तक पहुंचाना बिल्कुल अलग बात है और कोई रणनीतिकार, जो राजनीतिक नहीं है, वह पार्टी बनाकर खुद सत्ता के सपने देखे और साकार भी कर ले, तो आश्चर्य हो सकता है। यह तो कई बार हुआ है कि कोई ब्यूरोक्रेट या फिर कोई गैर-राजनीतिक व्यक्ति कोई दल जॉइनकर चुनाव लड़े और जीत जाए, लेकिन नई पार्टी बनाकर सत्ताधीश बनना आसान नहीं है। अरविंद केजरीवाल अन्ना आंदोलन से निकले थे, एनजीओ चलाते थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता की बुलंद आवाज बने थे। वह दौर था, जब जनता महंगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त थी। हिंदुत्व का ज्वार भी इस तरह उबाल नहीं मार रहा था। कुमार विश्वास, संजय सिंह और न जाने कितने प्रोफेशनल केजरीवाल के साथ आ खड़े हुए थे। एक बड़ी टीम समन्वय के साथ काम करते हुए आगे बढ़ रही थी। इसके बावजूद केजरीवाल दो चुनावों में आशातीत सफलता नहीं प्राप्त कर सके, लेकिन 2020 में दिल्ली विधानसभा में बहुमत के साथ जम गए, लेकिन खुद कई आरोपों से घिर गए और फिर जनता ने उन्हें वापस कर दिया, हां पंजाब में सत्ता विरोधी लहर के चलते वहां पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने में सफल रहे। दूसरी तरफ प्रशांत की जनसुराज पार्टी अपनी ताकतवर टीम नहीं बना सकी। वह नीतीश पर निशाना साधते रहे और कहते रहे उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे।

शैलेश अवस्थी
वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

> यहां यह भी उल्लेखनीय है चिराग पासवान बिहार की राजनीति में बड़े नेता होकर उभरे हैं। लोकसभा के बाद विधानसभा में भी उनका स्कोर शत-प्रतिशत रहा है।

यह सब उनका बड़बोलापन ही साबित हुआ। हां, पीके सोशल मीडिया के हीरो जरूर बने रहे। मीडिया की सुर्खियों में रहे और चर्चा में बने रहने में बाजी मारते रहे, उन्हें कभी बिहार चुनाव में वोट कटुआ तो कभी किंगमेकर बताया जाता रहा, लेकिन उनकी किस्मत से यह उपलब्धि भी बहुत दूर ही रही। याद कीजिए चाणक्य ने सत्ता बदलने की ठानी थी, न कि खुद गद्दी में विराजमान होने की और यह जिद सफल भी रही थी, जिसने इतिहास रच दिया था, लेकिन यहां तो बात खुद सत्ता हासिल करने की थी और अब तो पीके को कौन "चाणक्य" मानेगा। फिलहाल तो राजनीति के प्रशांत कुमार किनारे पर खड़े हैं, अब आगे क्या होगा, उनका भाग्य तय करेगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है चिराग पासवान बिहार की राजनीति में बड़े नेता होकर उभरे हैं। लोकसभा के बाद विधानसभा में भी उनका स्कोर शतप्रतिशत रहा है। अब उनकी साख केंद्र में और बढ़ेगी। वह राजनीतिक घराने से आते हैं, लेकिन उन्होंने अपने को साबित किया है कि राजनीति के आकाश में अलग चमक वाले सितारे बन गए हैं। मानना पड़ेगा कि नीतीश कुमार का भाग्य, नीति, समझ, सोच और भाजपा से समन्वय गजब है। वह बिहार के अब एकक्षत्र नेता हैं, उन्हें हर तबके का वोट मिला है। यह भी तथ्य है बीजेपी ने बिहार चुनाव में करिश्मा किया है। नतीजे बताते हैं कि नीतीश और भाजपा को एक-दूसरे की जरूरत है। अभी तो नीतीश का फिर 10 वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेना तय लग रहा है, लेकिन उन्हें भाजपा की बात भी माननी पड़ेगी। यह भी सच है कि नरेंद्र मोदी का जादू कायम है और अमित शाह की चुनावी योजना शानदार है। इस चुनाव का लोब्बोलवाब यह है कि पीके पीछे चले गए, चिराग पासवान बड़े नेता होकर उभरे और नीतीश कुमार रिकार्डतोड़ मुख्यमंत्री साबित हुए। भाजपा फिर से अपना दबदबा कायम रखने में कामयाब रही। यह भी सच है कि योगी आदित्यनाथ की उपयोगिता पूरे देश में है। अब इसका असर पश्चिम बंगाल, असम और फिर उत्तर प्रदेश के चुनाव में पड़ सकता है। अब चुनाव आयोग और ईवीएम को कठघरे में खड़ा करने से कुछ नहीं होने वाला। जनता ही सर्वोपरि है।

जहां युद्ध होने वाला हो, वह धर्मभूमि ही है

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

> ब्रह्मांड क्या नहीं है, इसका ज्ञान हजारों वर्ष पूर्व जिस कृष्ण ने दिया था, उसका कुछ अंश विज्ञान जगत अब दिखा भी रहा है।

जिस भूमि में युद्ध होने वाला हो, शत्रु को पराजित करने के लिए हर चाल चली जाने वाली हो तथा खून की नदियां बहने वाली हो, क्या उसे धर्मभूमि कहा जा सकता है? प्रथम दृष्ट्या तो यह स्वीकार न हो सकेगा कि ऐसी भूमि को धर्मभूमि कहा जाए, लेकिन श्रीमद्भगवतगीता के अनुसार ऐसी भूमि भी धर्मभूमि है। इस पर गहरे स्तर पर चिंतन करने से तो स्पष्ट होता है कि कुरुक्षेत्र की भूमि धर्मभूमि है।

महाभारत युद्ध शुरू होने पहले अर्जुन के कहने पर श्वेतघोड़ों से युक्त रथ को श्रीकृष्ण ने दोनों सेनाओं के मध्य खड़ा किया। श्रीमद्भगवतगीता का प्रारंभ ही अंधे धृतराष्ट्र के एक प्रश्न से शुरू होता है, लेकिन 18 अध्याय पूरा होते-होते भक्ति, कर्म, त्याग, संन्यास, आहार-विहार, दान आदि विषयों पर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को पूरा ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि अपना विराट रूप भी दिखाया, जिसमें चर-अचर पूरा ब्रह्मांड दिखाई पड़ रहा है। एक तरह से अर्जुन के माध्यम से आम आदमी तक को कृष्ण के विराट रूप का दर्शन हो रहा है।

ब्रह्मांड क्या नहीं है, इसका ज्ञान हजारों वर्ष पूर्व जिस कृष्ण ने दिया था, उसका कुछ अंश विज्ञान जगत अब दिखा भी रहा है। गीता के प्रारंभ में धृतराष्ट्र ने 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे' शब्दों का प्रयोग किया है। इस दृष्टि से तो कुरुक्षेत्र जहां युद्ध के शंख और नगाड़े बज रहे हों, वह तो रणभूमि कही जाएगी न कि धर्मभूमि, लेकिन श्रीमद्भगवतगीता के अंतिम अध्याय के अंतिम श्लोक में सम्यक् दृष्टि से देखने वाले संजय ने 'यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पार्थो धनुधरः, तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्ध्रुवा नीतिर्मतिर्मम' का जवाब धृतराष्ट्र को देकर युद्धभूमि को धर्मभूमि बना दिया।

वास्तव में जहां विवेक रूपी कृष्ण जैसा जीवन जीने का संविधान बताने वाले हों और उसका अनुपालन करने वाले धनुर्धर अर्जुन हों, वह भूमि धर्मभूमि इसलिए हो जाएगी कि क्योंकि, हर मनुष्य के हृदय में युद्ध चलता रहता है। सकारात्मकता एवं नकारात्मकता की भावनाएं मन में चलती रहती हैं। मन से ही मानव है। मानवोचित आचरण करने से मन धर्म के साथ खड़ा होता है, जबकि गैरमानवोचित कार्य करने से अधर्म के साथ खड़ा हो जाता है।

गोस्वामी तुलसीदास ने मानव शरीर को 'बड़े भाग मानुष तन पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथहिं गावा' कहा है। जब मन में देवी गुण की प्रधानता होती है, तो यह शरीर धर्मभूमि हो जाता है, जबकि आसुरी शक्तियों के पक्ष में होती है, तो शरीर आसुरी क्षेत्र हो जाता है, लेकिन संजय ने स्पष्ट कर दिया है कि जहां कृष्ण होंगे और अर्जुन होंगे, वहां श्री, विजय, विभूति और अचल नीति है, वह धर्मभूमि ही है। इसलिए बाहरी महाभारत हो या अंतर्जगत का महाभारत उसे धर्मभूमि ही माना जाएगा।

उत्तराखंडः चुनौतियां और हमारा फर्ज

उत्तराखंड के लिए चौतरफा चुनौतियां हैं। मौसमी आपदा पर तो किसी का नियंत्रण नहीं है, लेकिन उसके जान-माल के नुकसान के प्रभाव को कम करने की चुनौती बराबर बनी रहती है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद अब एक और बड़ी चुनौती इस छोटे से पर्वतीय राज्य की आर्थिकी को बनाए रखने के साथ ही नए सिरे से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने की भी है।

अपने स्थापना की रजत जयंती मना रहे उत्तराखंड राज्य की भौगोलिक स्थिति की बात करें, तो उत्तराखंड अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से घिरा हुआ है। प्रदेश की सीमाएं जहां उत्तर में तिब्बत और पूर्व में नेपाल से लगी हैं, तो पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश इसकी सीमा से लगे राज्य हैं। कुमाऊं मंडल में ऊधमसिंह नगर, चंपावत और पिथौरागढ़ जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में 24 घंटे सातों दिन कड़ी चौकसी रहती है। इन जिलों के सीमांत के इलाके नेपाल और चीन की सीमा से सटे हैं। इसके अलावा ऊधमसिंह नगर जिले की सीमा उत्तर प्रदेश से सटी है, तो गढ़वाल मंडल में देहरादून जिले की सीमा हिमाचल प्रदेश और सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के अलावा हरिद्वार जिले की सीमा उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से सटी है। राज्य में साइबर फ्रॉड और ड्रग्स सिंडिकेट का जाल काफी फैल चुका है। पुलिस से लेकर उत्तराखंड एसटीएफ की स्पेशल टीमें रोजाना ही इस जाल को काटने में लगी रहती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ के प्रयासों के मामले भी सामने आते रहते हैं और पैरामिलिट्री फोर्स द्वारा ऐसे मामलों में लगातार कड़ी चौकसी से ऐसे प्रयासों को बखूबी विफल किया जा रहा है।

सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस राज्य में अब लोगों को नए चेहरे देखने की आदत पड़ चुकी है। पढ़ने में यह आपको अजीब लग सकता है, लेकिन हकीकत यही है। इसका कारण भी बड़ा दिलचस्प और उत्तराखंड की आर्थिकी से जुड़ा है। दरअसल, उत्तराखंड पर्यटन के साथ ही पवित्र तीर्थस्थलों का राज्य है। यहां मसूरी और नैनीताल की हसीन वादियां हैं, तो तन-मन को असीम शांति और ऊर्जा देने वाले देव स्थान हैं। देवभूमि उत्तराखंड के चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री) के साथ ही गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब, आदि कैलाश, धर्मनगरी हरिद्वार और योग नगरी ऋषिकेश पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं और साल भर करोड़ों श्रद्धालु यहां आते हैं। इनके अलावा 100 से ज्यादा ऐसे धार्मिक स्थल भी हैं, जिनकी अपनी विशिष्ट पहचान है। यहां साल भर सैलानियों और श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है और यही वजह है कि यहां के लोगों को रोजाना नए चेहरों को देखने की आदत पड़ चुकी है। देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में औद्योगिक एरिया हैं, जहां अधिकांश बाहरी लोग काम करते हैं। इसके अलावा, हर किसी का सपना पहाड़ पर अपना घर बनाने का होता है इसलिए इस राज्य में रियल एस्टेट का दायरा काफी फैला है। यहां यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि राज्य से समय-समय पर देश और समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। बदले माहौल में अब पुलिस, एसटीएफ और खुफिया एजेंसियों के लिए इन चेहरों में संदिग्ध चेहरे खंगालना भी बड़ी चुनौती है। यह भी राहत भरी बात है कि सरकार ने बहुत पहले से ही राज्य में सत्यापन अभियान शुरू किया है, जिसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं। पिछले दिनों राजधानी देहरादून और हरिद्वार से बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी तक हो चुकी हैं। 'ऑपरेशन कालनेमि' में धर्म के नाम पर लूटने वाले ढोंगी बाबा बेनकाब हो रहे हैं।

> उत्तराखंड सरकार आंतरिक सुरक्षा के तहत कानून और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के ठोस और बेहतर प्रयास कर रही है, तो हमें भी इन प्रयासों में भरपूर सहयोग देना चाहिए।

अमित शर्मा
हल्द्वानी

निष्कर्ष यही है कि उत्तराखंड सरकार आंतरिक सुरक्षा के तहत कानून और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के ठोस और बेहतर प्रयास कर रही है, तो हमें भी इन प्रयासों में भरपूर सहयोग देना चाहिए। सरकार की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति की तरह ही राज्य और यहां के हर नागरिक की सुरक्षा उच्च प्राथमिकताओं में है। सरकार को इन प्रयासों को और बेहतर बनाते, बढ़ाते हुए सत्यापन अभियान और मजबूत करने, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी, महत्वपूर्ण संस्थानों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की जरूरत है। हर नागरिक की भावना 'राष्ट्र प्रथम' की होनी चाहिए और कर्तव्य यही कि किसी भी समाज व देश विरोधी को पनपने न दिया जाए।

जीवन में बायपास ही असली संस्कृति

जिंदगी हो या अपना देश, यहां सीधे रास्ते से जाने की परंपरा कभी बनी ही नहीं। बायपास ही असली संस्कृति है। दिल की नसें जाम हो जाएं, तो डॉक्टर नया रास्ता काट देता है और लोग खुश होकर कहते हैं आदमी चकाचक हो गया।

सड़क पर ट्रैफिक लगे, तो सरकार बगल से नई सड़क निकाल देती है, असल जाम वहीं पड़ा रहता है, पर लोग सोचते हैं बड़ा विकास हो गया। हेलमेट पहनना नहीं है, तो पुलिस को देखकर तुरंत गली में मुड़ जाना, यही बायपास। पढ़ाई में मेहनत नहीं करना, पर परीक्षा के पहले पूछना कि आउट ऑफ सिलेबस तो नहीं आएगा, यह भी बायपास। नौकरी में योग्यता कम, लेकिन सिफारिश मजबूत हो, तो यह भी बायपास। बिजली के बिल से बचने के लिए मीटर को छोड़कर सीधे तार जोड़ लेना, यह तो राष्ट्रीय कला है। शादी में कुंडली नहीं मिल रही, तो पंडित जी से उपाय करा लो, यह भी बायपास। माफी मांगने की हिम्मत नहीं, तो स्टेटस डाल दो कि गलतियां इंसान से होती हैं, यह भी बायपास।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

यहां हर चीज में पीछे के दरवाजे की तलाश होती है। समस्या का हल ढूंढने से ज्यादा उससे बचकर निकलने के रास्ते पर जोर होता है। मानो पूरी दुनिया का शोध ही इस बात पर हो कि जिम्मेदारी से कैसे बचे। यही कारण है कि यहां सबसे बड़ा ग्रंथ महाभारत नहीं, महा-बायपास लिखा जाना चाहिए।

हर नीति, हर गली, हर दफ्तर, हर रिश्ता, सबमें एक छुपा दरवाजा होता है ताकि किसी को असलियत से सामना न करना पड़े और फिर गर्व से कहा जाता है कि भारतीय जुगाड़ हैं। असल में यह जुगाड़ नहीं, ईमान और जिम्मेदारी का बायपास है। दिल में ब्लॉकेज हो जाए तो चिकित्सा काम कर जाती है, पर देश में जिम्मेदारी बायपास हो जाए, तो तंत्र धीरे-धीरे पक्षाघात में चला जाता है और हम बस इतना कहते हैं कि चलो कोई नया रास्ता ढूंढ लेते हैं।

शुगर फ्री की तरह बी-टीम फ्री हुए औवेसी

बिहार में महागठबंधन (कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल) की करारी हार और भाजपा सहित संपूर्ण एनडीए की बंपर जीत को समझना मुश्किल नहीं है। भाजपा-जनता दल यूनाइटेड सत्तारूढ़ थी, इनकी डबल इंजन की सरकार थी, इनके पास दो-दो सरकारी खजाने हैं। महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए डालने का तीर चला, तो लालटेन बुझ गई और हाथ घायल हो गया। महागठबंधन के पास इसकी कोई काट नहीं थी। तेजस्वी यादव ने घर-घर सरकारी नौकरियों का वादा जरूर किया, पर दस हजार देने की हकीकत और नौकरी देने के वादे में अंतर है। मात्र दस हजार में नीतीश कुमार का दसवीं बार मुख्यमंत्री बनना तय हो गया। चुनावी रेवड़ियां पर एतराज किया जाता रहा है, पर ऐन चुनाव से पहले महिलाओं को दस हजार के प्रलोभन का आरोप महागठबंधन पर भारी पड़ सकता था, इसलिए इसकी काट में सरकारी नौकरी का प्रलोभन देना ही तेजस्वी ने मुनासिब समझा। ये तो सत्तारूढ़ एनडीए की कुशल रणनीति थी, जिसकी काट विपक्ष के पास नहीं थी, लेकिन राजद और कांग्रेस ने कुछ गलतियां ऐसी कर दीं, जिससे तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की मेहनत पर पानी फिर गया और ये जोड़ी सुपर फ्लॉप हो गई।

कहा जा रहा है कि बहुत पहले यूपी में दो लड़कों (राहुल गांधी और अखिलेश यादव) की जोड़ी बुरी तरह हारी थी, इसके बाद बिहार में दो लड़कों (राहुल और तेजस्वी यादव) की जोड़ी को भी दो गुजरातियों (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह) ने सुपर फ्लाप साबित कर दिया। विपक्ष के धर्मनिरपेक्ष दलों की हार के बाद कुछ कॉमन जुमले विपक्षियों के बयानों और सोशल मीडिया पर तैरते हैं, जिसमें एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी पर भाजपा की बी-टीम की तोहमत भी शामिल है। बिहार में महागठबंधन की करारी हार और बीजेपी की बड़ी जीत के बाद पहला ऐसा मौका है, जब ओवैसी पर भाजपा की बी टीम की तोहमतें नहीं लग रही हैं और न उनके सिर पर हार का ठीकरा फोड़ा जा रहा है। बिहार में पांच सीटें जीतने के बाद औवेसी को शुगर-फ्री की तर्ज पर भाजपा बी-टीम फ्री करने के कारण हैं। अपने जन्म से ही बी-टीम का इल्जाम सह रहे एआईएमआईएम ने इस आरोप से मुक्ति पानी की सुनियोजित रणनीति तैयार की थी। बिहार चुनाव में दो शक्तिशाली गठबंधन अलग-अलग जातियों को हिस्सेदारी देने के लिए अपने-अपने गठबंधनों को स्वरूप दे रहे थे। औवेसी की पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव में पांच सीटें जीती थी और इस बार उसने बड़ी शिद्दत से कोशिश की कि महागठबंधन में उसे एंट्री मिल जाए और पांच सीट जीत चुकी पार्टी ने केवल छह सीटें मांगी। तेजस्वी यादव को खत भेजकर औवेसी ने मात्र छह सीटों का प्रस्ताव रखा था। जवाब नहीं मिला, तो एआईएमआईएम ने उनके दरवाजे पर ढोल-ताशे बजाकर बी-टीम का आरोप लगाने वालों को संदेश देने के लिए कहा कि हम नहीं चाहते कि हमारी वजह से विपक्ष हारे और भाजपा जीते। हम वोट कटवा नहीं बनना चाहते। हम बी-टीम के झूठे आरोपों से बरी होना चाहते हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

महागठबंधन विभिन्न जातियों की हिस्सेदारी के हिसाब से उन्हें ज्यादा सीटें दे रहा हैं, जिनका वोट और जनाधार भी काफी कम है, पर हम पांच सीटें जीते थे और मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों से केवल छह सीटें ही मांग रहे हैं। संदेशवाहक आग्रह करने के बाद भी तेजस्वी ने औवेसी को अछूत मानकर उनका आग्रह नहीं माना। सीट देना और महागठबंधन में प्रवेश देना, तो दूर तेजस्वी ने ओवैसी के बारे में सख्त शब्दों का प्रयोग किया। कांग्रेस ने भी ओवैसी की जायज मांग और दर्द को महसूस नहीं किया। अंततोगत्वा मुस्लिम समाज महागठबंधन से नाराज हुआ, ओवैसी का साथ दिया और कई सीटों पर मुस्लिम वोटों का बिखराव भी खूब हुआ। यही वजह है कि भाजपा की जीत और धर्मनिरपेक्ष दलों की हार पर पहली बार इस हार का जिम्मेदार ओवैसी को नहीं माना जा रहा है। बी-टीम के तंज नहीं कसे जा रहे हैं। एआईएमआईएम की पांच सीटों की जीत से न केवल मुस्लिम समाज के आंसू पुछ गए हैं, बल्कि मुसलमानों का एक वर्ग खुश हैं और बीजेपी वाले भी ओवैसी की जीत से नाखुश नहीं दिख रहे। शूगर फ्री मिठाई की तरह ओवैसी भाजपा की बी-टीम के ईल्जाम से फ्री दिख रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

दशक भर बाद अमरेंद्र बाहुबली एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने लौट रहे हैं। 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और एस.एस. राजामौली अब अपनी इस एपिक कहानी को नए अंदाज में, एनिमेशन के जरिए आगे बढ़ाने वाले हैं। 2015 की फिल्म बाहुबली में अमरेंद्र की मौत ने दर्शकों को झकझोर दिया था, लेकिन राजामौली की इस दुनिया में उनकी कहानी खत्म नहीं हुई, बल्कि अब एक नया सफर शुरू हो रहा है।

-फीचर डेस्क

एनिमेशन अवतार में होगी बाहुबली की वापसी

थिएटर्स में मिला सरप्राइज, अब आया ट्रेलर

बाहुबली के 10 साल पूरे होने पर राजामौली ने अपनी दोनों फिल्मों को जोड़कर 31 अक्टूबर को 'बाहुबली: द एपिक' नाम से रिलीज किया था। यही फिल्म जब दोबारा थिएटर्स में लगी, तो दर्शकों को बड़ा सरप्राइज मिला। फिल्म की स्क्रीनिंग के साथ 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का टीजर दिखाया गया। अब यह टीजर और ट्रेलर आधिकारिक तौर पर रिलीज हो चुके हैं और इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रहे हैं।

मौत के बाद देवलोक की यात्रा

इस नई कहानी की शुरुआत वहीं से होती है, जहां अमरेंद्र की जिंदगी खत्म हुई थी। ट्रेलर दिखाता है कि अमरेंद्र की आत्मा देवलोक पहुंचती है और यहीं से देवासुर संग्राम में उसकी भूमिका शुरू होती है। विषासुर और इंद्र के बीच छिड़े इस युद्ध में जब विषासुर कमजोर पड़ता दिखाई देता है, तब अमरेंद्र बाहुबली की एंट्री होती है- भगवान शिव के आशीर्वाद के साथ। रथ पर उनका आगमन और विशाल शिवलिंग के सामने उनकी नटराज मुद्रा, टीजर का हर फ्रेम एनिमेशन प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

गजब का एनिमेशन, इंटरनेशनल लेवल की क्वालिटी

'द इटरनल वॉर' की सबसे बड़ी ताकत इसका अनोखा एनिमेशन स्टाइल है। यह थ्री डी नहीं है, लेकिन इसकी विजुअल क्वॉलिटी की तुलना आर्केन और स्पाइडरमैनः इन्टू द स्पाइडरवर्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स से की जा रही है। इंडियन माइथोलॉजी का एहसास और उसका आधुनिक प्रेजेंटेशन दोनों मिलकर इसे और भी दिलचस्प बनाते हैं। बैकग्राउंड स्कोर इसे एक ग्रैंड एक्सपीरियंस में बदल देता है।

रिलीज डेट और आगे की तैयारी

'बाहुबलीः द इटरनल वॉर' दो पार्ट्स में बनेगी और इसका पहला पार्ट 2027 में रिलीज होगा। दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन ट्रेलर यह वादा तो कर ही देता है कि बाहुबली की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा भव्य रूप में वापसी कर रही है।

इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और टैलेंटेड डायरेक्टर

राजमौली इस प्रोजेक्ट के प्रेजेंटर हैं और उन्होंने बताया है कि इसे बनाने के लिए कई प्रसिद्ध इंटरनेशनल स्टूडियोज के साथ हाथ मिलाया गया है। फिल्म के डायरेक्टर ईशान शुक्ला पहले ही इंटरनेशनल एनीमेशन कम्युनिटी में अपनी पहचान बना चुके हैं। उनकी डेब्यू शॉर्ट फिल्म अवॉर्ड विनिंग थी और वे स्टार वॉर्सः विजंस का एक एपिसोड भी डायरेक्ट कर चुके हैं। ट्रेलर देखकर साफ लगता है कि वे भारतीय दर्शकों के लिए एक रूटेड, विजुअली शानदार एनिमेशन दुनिया लेकर आ रहे हैं।

इमोशंस और प्यार तलाशता है

टिल का सिनेमा

जर्मन सिनेमा के सबसे प्रमुख और लोकप्रिय चेहरों में से एक टिल श्वाइगर (Til Schweiger) एक अभिनेता, निर्देशक, पटकथा, लेखक और निर्माता के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। 19 दिसंबर, 1963 को फ्रीबर्ग में जन्मे, श्वाइगर ने दशकों तक फैले अपने करियर में न केवल जर्मनी में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा है।

श्वाइगर के करियर की शुरुआत 1990 के दशक में हुई, लेकिन 1997 की फिल्म "नॉकिन' ऑन हेवन 'स डोर" ने उन्हें बड़ी सफलता दिलाई। इस फिल्म ने, जिसे उन्होंने सह-लिखा और सह-निर्मित किया, उन्हें व्यापक पहचान दिलाई और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में पुरस्कार जीते। यह उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसने उन्हें सिर्फ एक अभिनेता से कहीं अधिक स्थापित किया। उनकी अभिनय शैली अक्सर एक निश्चित आकर्षण और कठोरता का मिश्रण होती है, जो उन्हें एक्शन भूमिकाओं से लेकर रोमांटिक कॉमेडी तक में विश्वसनीय बनाती है। उन्होंने हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है, जिसमें "यू-571", "लारा क्रॉफ्ट : टॉम्ब रेडर- द क्रेडल ऑफ लाइफ" और विशेष रूप से क्वेंटिन टारेंटिनो की "इंग्लोरियस बास्टर्ड्स" शामिल है, जिसमें 'द बेयर यहूदी' की उनकी भूमिका को खूब सराहा गया। हालांकि जर्मनी में उनकी सबसे बड़ी लोकप्रियता उनकी निर्देशित फिल्मों से आती है। "हेड-ऑन" जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों के बाद, उन्होंने रोमांटिक कॉमेडी की ओर रुख किया और "फोर लव्ड वन्स", "रैबिट विदाउट ईयर्स" और इसकी अगली कड़ी जैसी जबरदस्त हिट फिल्में दीं। ये फिल्में अक्सर उनके व्यक्तिगत जीवन से प्रेरित होती थीं और इनमें उनके अपने बच्चे भी अभिनय करते थे। इन फिल्मों ने उन्हें जर्मनी के सबसे सफल निर्देशकों में से एक बना दिया, जिनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ती थीं।

श्वाइगर का सिनेमा अक्सर मानवीय भावनाओं, पारिवारिक बंधनों और प्यार की खोज पर केंद्रित होता है। उनकी फिल्मों की अक्सर आलोचना की जाती है कि वे बहुत अधिक "मुख्यधारा" या भावुक होती हैं, लेकिन उनकी व्यावसायिक सफलता उनकी लोकप्रियता को दर्शाती है।

ऊपर आका, नीचे काका

जिंदगी का सफर

एक बार सलमान खान ने कहा था कि राजेश खन्ना जैसा स्टारडम कभी किसी का नहीं रहा। यकीनन राजेश खन्ना अपने जीवन में ही मिथ बन गए थे। भारतीय सिनेमा के इतिहास में अगर किसी अभिनेता को 'सुपरस्टार' की उपाधि सबसे पहले मिली, तो वह निस्संदेह राजेश खन्ना ही थे। उनका असली नाम जतिन खन्ना था। उनका जन्म 29 दिसंबर 1942 को अमृतसर, पंजाब में हुआ। उन्हें उनके रिश्तेदार चुन्नीलाल खन्ना और लीलावती खन्ना ने गोद लिया और उनका बचपन मुंबई में बीता। मुंबई के गिरगांव में पले-बढ़े जतिन ने सेंट सेबेस्टियन स्कूल में पढ़ाई की, जहां जीतेंद्र उनके सहपाठी थे।

अभिनय के जुनून ने राजेश खन्ना को 1965 के ऑल इंडिया टैलेंट कॉन्टेस्ट में जीत दिलाई, जिसने उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खोल दिए। उन्होंने 1966 में फिल्म 'आखिरी खत' से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि उन्हें 1969 की फिल्म 'आराधना' से मिली जबरदस्त सफलता ने रातों-रात स्टार बना दिया। इस फिल्म में शर्मिला टैगोर के साथ उनकी जोड़ी और एसडी बर्मन का संगीत, विशेष रूप से 'मेरे सपनों की रानी' गीत, चार्टबस्टर बन गए। आराधना की सफलता ने एक ऐसे दौर की शुरुआत की, जिसे 'राजेश खन्ना युग' कहा जाता है। 1969 से 1972 के बीच उन्होंने लगातार 15 सोलो सुपरहिट फिल्में देने का एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया, जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। इस सुनहरे दौर ने उन्हें 'काका' का लोकप्रिय नाम दिया। उनकी अभूतपूर्व सफलता की वजह से उन दिनों एक मुहावरा चल निकला था, 'ऊपर आका, नीचे काका'। उनकी लोकप्रियता पागलपन की हद तक थी। महिला प्रशंसक उन्हें खून से खत लिखती थीं, उनकी कार को लिपस्टिक से चूमकर लाल कर देती थीं।

राजेश खन्ना अपनी सहज अभिनय शैली और संवाद अदायगी के लिए जाने जाते थे। उन्होंने विभिन्न शैलियों की फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में 'आनंद' (जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला), 'कटी पतंग', 'अमर प्रेम', 'सफर', 'बावर्ची', 'खामोशी', 'सौतन' और 'नमक हराम' शामिल हैं। उनकी फिल्मों का संगीत हमेशा हिट रहा, जिसमें किशोर कुमार की आवाज ने चार चांद लगा दिए।

1973 में राजेश खन्ना ने अपने से बहुत छोटी नवोदित अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया से शादी कर ली। उनकी दो बेटियां हुईं, ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना। हालांकि 1982 में उनके रिश्ते में दरार आ गई और वे अलग रहने लगे। अभिनय के अलावा, राजेश खन्ना ने राजनीति में भी हाथ आजमाया। वह कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने और 1991 से 1996 तक नई दिल्ली से लोकसभा सांसद के रूप में कार्य किया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में राजेश खन्ना कैंसर से जूझ रहे थे। 18 जुलाई 2012 को 69 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। भले ही बाद में अमिताभ बच्चन और अन्य सितारों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान स्थापित किए, लेकिन राजेश खन्ना का 'पहला सुपरस्टार' का दर्जा हमेशा अमर रहेगा। 2013 में उन्हें मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान और उनका स्टारडम हमेशा याद किया जाएगा।

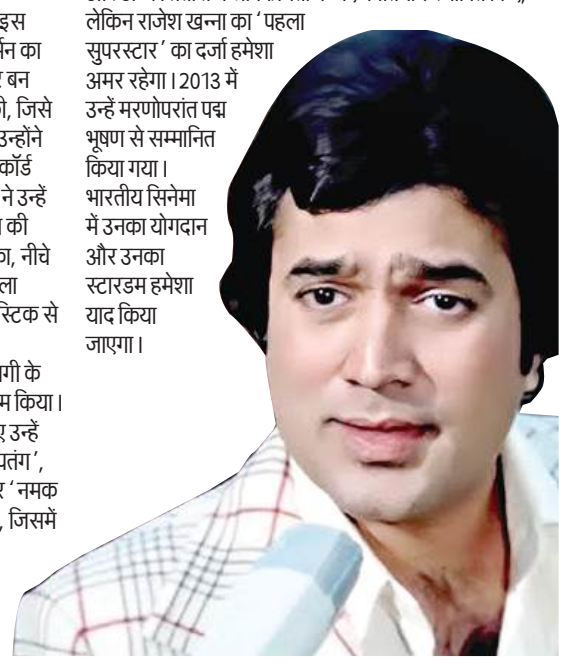

मॉडल आफ द वीक

नाम: श्रेया मेहरोत्रा

टाउन: कानपुर

एजूकेशन: स्नातक (एनआईएफटी)

अचीवमेंट: मिस इंडिया 2020 एंड एआई डॉयेक्टर - गूगल पार्टनर

ड्रीम: बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और अमेरिकी सिंगर कैटी पैरी के साथ काम करना।

आंध्र को 5.2 लाख करोड़ के निवेश का मिला भरोसा

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री जी रवि कुमार ने कहा कि राज्य को दो दिनों में ऊर्जा क्षेत्र में 5 .2 लाख करोड़ के निवेश का भरोसा मिला। इससे 2 .6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर तैयार होने की उम्मीद है। ये आश्वासन 13 और 14 नवंबर को 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के दौरान मिले। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, पंप भंडारण, जैव ईंधन, विनिर्माण और हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 16 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

सीएचआरओ में रिलायंस की एचआर बिंद्रा शामिल

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मानव संसाधन (एचआर) प्रमुख इरा बिंद्रा को दुनिया की शीर्ष सीएचआरओ में शामिल किया गया है। रिलायंस इस सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय कंपनी है। कार्यकारी खोज और नेतृत्व सलाहकार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एन2ग्रोथ ने 2025 लीडर्स40 शीर्ष मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) पुरस्कार की घोषणा की। इस साल की सूची में दुनिया की कुछ सबसे बड़ी और प्रभावशाली कंपनियों के प्रमुख सीएचआरओ शामिल हैं। इनमें लिसा बकिंघम (वायल्टो पार्टनर्स), मैथ्यू ब्रेइटफेल्डर (अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट), रॉबिन लियोपोल्ड (जेपी मॉर्गनचेज), क्रिस्टी पाम्बियांची (कैटरपिलर इंक.), त्रिशा कॉनली (ल्योंडेलबेसेल), मारल कजानजियान (मूडीज) और डोना मॉरिस (वॉलमार्ट) प्रमुख नाम हैं।

आईआरबी को मिली उप्र की टीओटी परियोजना

नई दिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को उत्तर प्रदेश में एनएचएआई से 9,270 करोड़ की अग्रिम लागत पर एक टोल परिचालन एवं हस्तांतरण (टीओटी) परियोजना मिली है। यह परियोजना पहले घोषित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परिसंपत्ति मौद्रिकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। परियोजना के प्रबंधक आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स ने बताया कि आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को एनएच-27 पर लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर गलियारे और एनएच-731 पर लखनऊ-वाराणसी गलियारे के लिए 20 साल की आय पर आधारित अवधि वाला अनुबंध-पत्र एनएचएआई से मिला है।

हिंदुस्तान जिंक को मिला खनन का लाइसेंस

नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) को आंध्र प्रदेश सरकार से टंगस्टन ब्लॉक की खोज और खनन का लाइसेंस मिल गया है। यह वेदांता समूह की कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि एचजेडएल जिंक, सीसा और चांदी के कारोबार से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाले और उन्नत विनिर्माण में महत्वपूर्ण खनिजों में विस्तार की दिशा में काम कर रही है। हिंदुस्तान जिंक को सरकार से लाइसेंस प्राप्त होने के बाद टंगस्टन और संबद्ध खनिज ब्लॉक को बोलीदाता के रूप में घोषित किया गया है।

कनाडा से फिर वार्ता के सभी विकल्प खुले : पीयूष

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने की कनाडा के आर्थिक विकास मंत्री सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

● दोनों देश द्विपक्षीय सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर कर रहे विचार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कनाडा के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने के संबंध में सभी संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है और दोनों ही द्विपक्षीय सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।

गोयल ने कहा हि सभी संभावनाएं खुली हैं। हमने अब तक दो दौर की चर्चा की है। हम दिल्ली में एक उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए मिले थे। हमने द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। कनाडा के मंत्री सिद्धू विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) साझेदारी शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए थे।

गोयल ने कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सुधारों को आगे बढ़ाने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को तैयार है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सुधारों का स्वरूप विकासशील और अल्पविकसित देशों के परामर्श से तैयार होना चाहिए। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि पूरी कवायद कुछ उन्नत देशों के एजेंडे के बजाय वैश्विक कल्याण के लिए हों। गोयल ने कहा कि दुनिया भारत की ताकत और नेतृत्व को पहचानती है और देश एक जिम्मेदार वैश्विक राष्ट्र है तथा यह ग्लोबल साउथ की आवाज बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हम (विश्व व्यापार संगठन में) सुधारों का नेतृत्व करना चाहेंगे। लेकिन ये सुधार अन्य विकासशील और कम विकसित देशों के परामर्श से किए जाएंगे, ताकि हम वास्तव केवल कुछ विकसित देशों के एजेंडे के लिए काम ना करके विश्व के कल्याण के लिए काम कर सकें।

वेनेजुएला महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग, निवेश को उत्सुक

विशाखापत्तनम। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला ने दुर्लभ खनिज क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग स्थापित करने और इस क्षेत्र में भारत से निवेश आकर्षित करने की इच्छा प्रकट की है। भारत ने वेनेजुएला से भारतीय औषधियों के लिए बाजार व्यवस्था को आसान बनाने का सुझाव दिया है और वाहन क्षेत्र में भी द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं का लाभ उठाने पर बल दिया है। वेनेजुएला के खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ मुलाकात में द्विपक्षीय आर्थिक एवं व्यापारिक संबंधों पर बातचीत की। सिल्वा यहां चल रहे दो दिवसीय 30वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन के सिलसिले में आये हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार दोनों मंत्रियों की बैठक के दौरान, वेनेजुएला से आए प्रतिनिधिमंडल ने खनिज तेल क्षेत्र के अलावा भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों में के क्षेत्र में सहयोग और भारतीय निवेश आकर्षित करना शामिल है। विज्ञप्ति के मुताबिक गोयल ने द्विपक्षीय संयुक्त समिति की बैठकें फिर शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया। पिछले एक दशक से इसकी बैठक नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में ओएनजीसी के खनन और अन्वेषण कार्य से दोनों पक्षों के बीच सहयोग की मजबूत संभावनाएं उत्पन्न हो सकती हैं। गोयल ने वेनेजुएला को भारत से औषधियों का आयात सुगम बनाने के लिए भारतीय फार्माकोपिया को स्वीकार करने पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि भारत वेनेजुएला में निवेश की संभावनाओं की तलाश कर रहे व्यवसायों के साथ जुड़ेगा। लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक देश है। भारत वहां से मुख्यतः खनिज तेल-गैस का आयात करता है। भारत से वहां के लिए किए जाने वाले निर्यात में दवाएं, रसायन, वस्त्र, मशीनरी, इंजीनियरिंग सामान का बड़ा योगदान है।

अमेरिकी शुल्क के बाद जेम्स और आभूषणों का निर्यात 31% घटा

नयी दिल्ली, एजेंसी

● जीजेईपीसी के अनुसार वैश्विक अस्थिरता गिरावट के कारक

अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50% आयात शुल्क लगाने के बाद अक्टूबर में भारत से जेम्स और आभूषणों के निर्यात में 31% की भारी गिरावट देखी गयी। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के अनुसार, अक्टूबर 2025 में देश का जेम्स और आभूषण निर्यात 216.81 करोड़ डॉलर (19,172.89 करोड़ रुपये) रहा, जो गत वर्ष 312.25 करोड़ डॉलर के मुकाबले 30.57% कम है। आयात 19.2% घटकर 127.68 करोड़ डालर रहा।

जीजेईपीसी ने बताया कि अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में सुस्त आर्थिक वृद्धि, उच्च ब्याज दर, सतर्क उपभोक्ता खर्च और वैश्विक अस्थिरता के कारण यह गिरावट आई है। सोने और हीरे की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सीमित वित्तपोषण और प्रयोगशालाओं में बने हीरों के कारोबार में समायोजन भी निर्यात-आयात को प्रभावित कर रहे हैं।

काउंसिल के अनुसार, कट और पॉलिश हीरे का निर्यात अक्टूबर में 27% घटकर 102.60 करोड़ डॉलर रह गया। आयात में भी 35.76% की गिरावट रही और यह 13.30 करोड़ डॉलर रहा। रफ डायमंड्स का आयात 6.57% घटकर 645.16 करोड़ डॉलर हो गया।

एशिया प्रशांत क्षेत्र को 20 वर्षों में 19,560 नए विमानों की होगी जरूरत : एयरबस

● भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में शामिल

बैंकॉक, एजेंसी

इंडिगो नवी मुंबई हवाई अड्डे से शुरू करेगी उड़ानें

मुंबई। इंडिगो ने शनिवार को कहा कि वह 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान संचालन शुरू करेगी। घरेलू हवाई सेवाओं के जरिये 10 शहरों को जोड़ा जाएगा। इंडिगो ने यह भी कहा कि वह मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे से अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही है। इसमें समय के साथ और अधिक गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) 1,160 हेक्टेयर में फैला है और इसके पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे होगा। इसकी वार्षिक यात्री क्षमता दो करोड़ होगी। हवाई अड्डे का पहला चरण 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस ने शनिवार को कहा कि 20 वर्षों में एशिया प्रशांत क्षेत्र को 19,560 नए विमानों की जरूरत होगी, जो मुख्य रूप से भारत और चीन की मांग से प्रेरित है। एयरबस ने कहा कि यह मांग 20 वर्षों में 42,520 नए विमानों की वैश्विक आवश्यकता का 46% है।

एयरबस एशिया प्रशांत के अध्यक्ष आनंद स्टेनली ने कहा कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा भारत और चीन से आएगा। विमान यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 4.4% की वार्षिक यात्री वृद्धि की उम्मीद है, जो वैश्विक औसत 3.6% से अधिक होगा। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में शामिल है, और मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइनों ने बेड़े का विस्तार करते हुए काफी बड़े ऑर्डर दिए हैं।

बैंकॉक में एसोसिएशन ऑफ एशिया-पैसिफिक एयरलाइंस (एएपीए) के अध्यक्षों की वार्षिक सभा के दौरान एयरबस ने कहा कि 20 वर्षों में इस क्षेत्र में 3,500 बड़े आकार के विमानों की जरूरत होगी। यह बड़े आकार के विमान श्रेणियों में वैश्विक मांग का 43 प्रतिशत है।

चावल, गेहूं, चीनी व दालें सस्ती, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमत घट गयी। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालें भी सस्ती हुईं। वहीं, खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। चावल की औसत कीमत 37 रुपये घटकर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर रह गयी। गेहूं भी 14 रुपये गिरकर 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत में दो रुपये की नरमी रही और यह 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल बिका। खाद्य तेलों में आज घट-बढ़ देखी गयी। मूंगफली तेल की औसत कीमत 212 रुपये और वनस्पति की 74 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। वहीं, सरसों तेल 34 रुपये और सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा।

कर्ज के भुगतान का दबाव होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

आरबीआई के नये उपायों का निर्यातकों ने किया स्वागत

निर्यात संघों के शीर्ष संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने वैश्विक बाजार के बदलावों से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के निर्यातकों पर कर्ज और उधार के भुगतान का दबाव कम करने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कदमों को बड़ी राहत बताते हुए इसका स्वागत किया है।

केंद्रीय बैंक ने निर्यात आय देश में लाने के लिए तय अधिकतम समय को नौ महीने से बढ़ाकर पंद्रह महीने कर दिया है। साथ ही उसने निर्यात के लिए अग्रिम भुगतान प्राप्त होने पर माल को भेजने की अवधि एक वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष कर दी है। फियो के एक बयान में कहा गया है कि इससे इस समय वैश्वक बाजार की कठिनाइयों से प्रभावित क्षेत्रों के निर्यातकों पर ऋण चुकाने का दबाव हल्का होगा और वे रोजमर्रा के काम काज की ऋण सुविधाओं से धन निकासी को नये ढंग से पुनर्व्यवस्थित करने का मौका मिलेगा।

केंद्रीय बैंक ने बाजार की बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित कुछ निर्यात क्षेत्रों को द्वारा लिए गये ऐसे कुछ मियादी कर्ज के भुगतान और कामकाजी पूंजी के लिए लिए गये कर्जों पर ब्याज की वसूली को रोक दिया है अथवा टाल दिया है जिनका भुगतान इस साल एक सितंबर से 31 दिसंबर के बीच किया जाना था।

कारोबारियों को मिलेगी राहत

फियो के अध्यक्ष ए सी रल्हन ने कहा कि आरबीआई के इन फैसलों से निर्यात कारोबार को बड़ी राहत मिलेगी। इससे निर्यातक अपने विदेशी खरीदारों को उधार चुकाने के लिए और ज्यादा समय देने का प्रस्ताव कर सकते हैं। व्यापार संबंधी अनुपालन बेहतर होगा। फियो अध्यक्ष ने कहा कि इस ढील से ये नियम कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं के समान हो कसते हैं। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे।

राष्ट्रीय

कई सीट पर जीत-हार का अंतर 500 से भी कम, संदेश में मात्र 27 वोट का अंतर

महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के अधिकांश नतीजे घोषित हो चुके हैं और तस्वीर लगभग साफ है, लेकिन कई सीट पर मुकाबला इतना करीबी रहा कि जीत-हार का अंतर 500 वोट से भी कम है। कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में यह अंतर 100 वोट से भी कम है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिला है।

बिहार संग्राम

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार राज्य की अगिआंव, बलरामपुर, ढाका, फारबिसगंज, नबीनगर, रामगढ़ और संदेश सीट पर जीत-हार का अंतर 500 से कम रहा। बलरामपुर में 389, ढाका में 178, फारबिसगंज में 221, नबीनगर में 112 और रामगढ़ में 175 वोट का अंतर दर्ज किया गया। दो सीट—अगिआंव और संदेश के लिए चुनाव में जीत-हार का अंतर 100 वोट से भी कम रहा। अगिआंव में 95 वोट और संदेश में महज 27 वोट से फैसला हुआ। संदेश सीट राज्य में सबसे कम अंतर से जीती जाने वाली सीट साबित हुई।

इसके अलावा बख्तियारपुर, बोध गया, चनपटिया और जहानाबाद उन विधानसभा क्षेत्रों में शामिल हैं जहां जीत-हार का अंतर 1000 से 500 के बीच रहा। बख्तियारपुर में 981, बोध गया में 881, चनपटिया में 602 और जहानाबाद में 793 वोट के अंतर से जीत दर्ज की गई। चुनाव के दौरान महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया।

जीते हुए 243 विधायकों में से 130 पर आपराधिक मामले, 90% करोड़पति, एडीआर के अनुसार मात्र 12% महिलाएं चुनाव जीतीं

पटना। बिहार चुनाव में जीते 243 विधायकों में से 53% यानी 130 पर आपराधिक मामले हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच ने 243 विजेता उम्मीदवारों के शपथ-पत्रों का विश्लेषण किया है। एडीआर के अनुसार, 2020 के चुनाव में 241 में से 163 यानी 68% विधायकों ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इस बार 102 (42%) विधायकों ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 2020 में यह संख्या 123 (51%) थी। छह के खिलाफ हत्या, जबकि 19 पर हत्या के प्रयास के मामले हैं। महिलाओं पर अत्याचार के नौ मामले भी विजेताओं ने हलफनामों में हैं। भाजपा के 89 विजेताओं में 43 (48%), जदयू के 85 में 23 (27%), राजद के 25 में 14 (56%), लोजपा (रामविलास) के 19 में 10 (53%), कांग्रेस के छह में तीन (50%), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पांच में चार (80%), रालोमो के चार में एक (25%), भाकपा (माक्र्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दो में एक (50%), माकपा के एकमात्र विजेता, इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी के एक विजेता और बसपा के एक विजेता ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। रिपोर्ट अनुसार 90% विधायक करोड़पति हैं और उनकी औसत घोषित संपत्ति 9 .02 करोड़ है। शिक्षा के स्तर पर 35% ने अपनी योग्यता पांचवीं से 12वीं तक बताई, जबकि 60% स्नातक या इससे अधिक शिक्षित हैं। पांच विजेताओं ने डिप्लोमा और सात ने स्वयं को साक्षर बताया है। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में इस बार केवल 29 (12%) महिला उम्मीदवार विजयी हुई हैं, जबकि पिछले विस में यह संख्या 11% थी।

निलंबन के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने भाजपा से दिया इस्तीफा

भाजपा से निलंबित पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सांसद राजकुमार सिंह ने शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सिंह ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे पत्र को सार्वजनिक करते हुए पार्टी नेतृत्व पर कई गंभीर आरोप लगाए। भाजपा की ओर से शनिवार को निलंबन किए जाने के कुछ घंटों बाद सिंह ने इस्तीफा दिया है। उन्होंने दावा किया कि उन्हें निलंबन नोटिस की जानकारी केवल अग्रसारित संदेशों से मिली। उन्होंने कहा कि नोटिस में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उनकी कौन-सी गतिविधि पार्टी विरोधी मानी गई। उनके अनुसार बिना किसी आरोप का उल्लेख किए जवाब मांगना न्यायोचित नहीं है। पूर्व मंत्री ने संकेत दिया कि संभवतः भाजपा को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को टिकट न देने की उनकी टिप्पणी को ही विवाद का आधार बनाया गया। उनका यह रुख पार्टी विरोधी नहीं, बल्कि राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के खिलाफ था। सिंह के मुताबिक यह टिप्पणी राष्ट्रहित और जनहित में थी, लेकिन पार्टी के कुछ लोग इससे असहज हो गए।

● राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखे पत्र में लगाए कई आरोप

कांग्रेस ने नतीजों को अविश्वसनीय बताया, ईसी पर सवाल खड़े किए

नई दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने बिहार चुनाव में पार्टी और महागठबंधन की करारी हार के बाद शनिवार को लंबी मंत्रणा की तथा निर्वाचन आयोग (ईसी) की भूमिका को लेकर फिर सवाल खड़े किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चुनाव परिणाम आने की एक दिन बाद इसको लेकर मंथन किया और इस दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी मौजूद थे।

महिलाओं के खातों में नगद भेजना राजग की जीत का बना कारण

पटना। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज बिहार में अपनी हार पर शनिवार को निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के खातों में नगद भेजना राजग की जीत का मुख्य कारण बना। प्रशांत किशोर की पार्टी चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा, हम चुनाव परिणाम से निराश हैं, लेकिन दुखी नहीं। हम एक भी सीट नहीं जीत सके, लेकिन हम सत्तारूढ़ राजग का विरोध जारी रखेंगे। पार्टी बिहार में मुस्लिमों को पक्ष में करने में सफल नहीं हो सकी।

लालू की बेटी रोहिणी ने की राजनीति व परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा

पटना। बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली हार के एक दिन बाद पार्टी अध्यक्ष लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने की शनिवार को घोषणा की। एमबीबीएस कर चुकीं रोहिणी लंबे समय से सिंगापुर में अपने पति के साथ रह रही हैं। इसकी घोषणा एक्स पर पोस्ट करके की है।

उन्होंने कहा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं पूरा दोष अपने ऊपर ले रही हूं। संजय यादव, राजद के राज्यसभा सदस्य हैं और तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक माने जाते हैं। रमीज को तेजस्वी का पुराना मित्र बताया जाता है, जो उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिवार से संबंधित हैं। रोहिणी की पोस्ट से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि संजय यादव और रमीज ने उनसे किस बारे में ऐसा कहा था। लालू को गुर्दा देने से चर्चा में आई रोहिणी ने सारण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

विस्फोट से हिल गया था लाल किला मेट्रो स्टेशन, सीसीटीवी फुटेज में आया नजर

दिल्ली कार विस्फोट

नई दिल्ली, एजेंसी

लाल किला मेट्रो स्टेशन के अंदर से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में पता चला है कि कार विस्फोट के समय स्टेशन बुरी तरह हिल गया था। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि स्टेशन के अंदर लगे निगरानी कैमरों की फुटेज में यात्री सामान्य रूप से आते-जाते नजर आ रहे हैं, तभी ठीक उसी समय अचानक तीव्र कंपन ने परिसर को हिला दिया जब पास के यातायात सिग्नल पर कार में विस्फोट हुआ था।

वीडियो में नजर आ रहा है कि कंपन से स्टेशन के अंदर की चीजें हिलने लगीं एवं लोगों को झटके लगे। फुटेज में विस्फोट का असर स्पष्ट होते ही कुछ यात्री स्टेशन के अंदर की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता विस्फोट की तीव्रता और लाल किले के आसपास की संरचनाओं पर तत्काल प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने के लिए फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। घटना के दिन से ही मेट्रो स्टेशन बंद है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम दैनिक आधार पर अद्यतन जानकारी जारी कर रहा है। उसने गुरुवार को घोषणा की कि सुरक्षा समीक्षा और जांच से स्टेशन बंद रहेगा।

चार दिन बाद खोले गए मेट्रो स्टेशन के दो प्रवेश द्वार

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के दो प्रवेश द्वार शनिवार को फिर से खोल दिए। लाल किले के पास हुए विस्फोट से चार दिन पहले यह द्वार बंद कर दिए गए थे। डीएमआरसी ने 'एक्स' पर कहा, लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं, जिससे आंशिक रूप से प्रवेश बहाल हो गया है। इन्हें घटना के बाद बंद कर दिया गया था।

पूछताछ के लिए पंजाब के पठानकोट से चिकित्सक को पुलिस ने हिरासत में लिया

चंडीगढ़। दिल्ली विस्फोट के सिलसिले में पूछताछ के लिए पंजाब के पठानकोट से एक चिकित्सक को पुलिस ने हिरासत में लिया है। 45 वर्षीय चिकित्सक पठानकोट के निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दो साल से कार्यरत था। वह पहले हरियाणा के फरीदाबाद जिले में स्थित अल फलाह विवि में काम कर चुका है, जिससे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के प्रमुख संदिग्ध भी जुड़े थे।

बंगाल में हिरासत में लिए एमबीबीएस छात्र को छोड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में आतंकवादी संगठनों के साथ कथित संबंधों को लेकर हिरासत में लिए गए एक एमबीबीएस छात्र को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार शाम छोड़ दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान जानिसुर आलम उर्फ निसार आलम के रूप में हुई है, जो हरियाणा के अल-फलाह विश्वविद्यालय का एमबीबीएस छात्र है और लुधियाना का निवासी है।

एक ही परिवार के 5 लोगों की जिंदा जलने से मौत

मुजफ्फरपुर (बिहार)। मुजफ्फरपुर जिले में एक मकान में आग लगने से एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई और पांच झुलस गए। मृतकों में ललन शाह, उनकी मां, पत्नी और दो बच्चे हैं। पांच घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपाधीक्षक सुचित्रा कुमारी ने शनिवार को बताया कि यह घटना मोतीपुर इलाके के वार्ड संख्या 13 में मध्यरात्रि के आसपास हुई। आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी जिसने इमारत की तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त लोग सो रहे थे। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से झुलस गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआत में स्थानीय लोग आग की लपटें उठते देखकर और तेज चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने अग्निशमन नियंत्रण कक्ष और स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी।

स्कूल देर से आने पर 100 उठक-बैठक कराने के कुछ दिन बाद छात्रा की मौत

पालघर, एजेंसी

● मनसे नेता का दावा, बच्ची को थी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं लेकिन किया गया दंडित

महाराष्ट्र के पालघर जिले के निजी स्कूल में छठी कक्षा की छात्रा को देर से आने की सजा के तौर पर 100 उठक-बैठक लगाने को मजबूर किया गया, जिसके एक सप्ताह बाद उसकी मौत हो गई। इस घटना के सामने आने के बाद जांच शुरू हो गई है।

वसई क्षेत्र के सातिवली स्थित स्कूल की छात्रा अंशिका का शुक्रवार रात मुंबई के अस्पताल में निधन हो गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं के अनुसार, अंशिका और चार अन्य बच्चों को आठ नवंबर को स्कूल देर से पहुंचने पर 100-100 बार उठक-बैठक लगानी पड़ी थी। मृतक लड़की की मां ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी की मौत उसकी शिक्षिका द्वारा दी गई अमानवीय सजा से हुई, जिसने उसे स्कूल बैग पीठ पर रखकर उठक-बैठक करने को कहा था। वसई के मनसे नेता सचिन मोरे ने दावा किया कि उसे पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने के बावजूद दंडित किया गया। स्कूल की शिक्षिका ने कहा, यह पता नहीं चल पाया है कि इस बच्ची ने कितनी उठक-बैठक लगाई थी। यह भी नहीं पता कि उसकी मौत इसी वजह से हुई या किसी और वजह से। खंड शिक्षा अधिकारी पांडुरंग गलांगे ने बताया कि अंशिका की मौत की जांच की जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

उड़िया गायक ह्यूमेन सागर अस्पताल में भर्ती

भुवनेश्वर। लोकप्रिय उड़िया गायक ह्यूमेन सागर को लिवर काम न करने के कारण एम्स, भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर है। यह जानकारी चिकित्सा संस्थान द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। 36 वर्षीय गायक शुक्रवार को अस्पताल आए थे और जांच में पाया गया कि उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया और लिवर न काम करने के बाद, निमोनिया समेत अन्य समस्याएं पाई गईं। वह वर्तमान में गंभीर रूप से बीमार हैं और वेंटिलेटर पर हैं। बीजू दल दल (बीजेडी) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सागर के अस्पताल में भर्ती होने पर चिंता व्यक्त की।

रूस में सड़क हादसे में 7 की मौत, 15 घायल

मास्को। रूस के पर्म क्षेत्र में एक छोटी यात्री बस और ट्रक में टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने ने शुक्रवार को क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। दुर्घटना आर-243 कोस्त्रोमा-शार्या-किरोव-पर्म सड़क के 55 किलोमीटर दूर पर हुई। घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि मिनी बस विपरित दिशा में चली गई और ट्रक से टकरा गई। मृतकों में एक नाबालिग भी शामिल है।

दिल्ली में दो साइबर जालसाज़ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन निवेश घोटालों के ज़रिए पीड़ितों से 50 लाख रुपये से ज़्यादा की ठगी के साइबर धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपियों की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर के रहने वाले सुनील कुमार रेड्डी (44) और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर निवासी आयुष सेमवाल (21) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि रेड्डी एमबीए है जबकि आयुष बीकॉम तृतीय वर्ष का छात्र है और वह एक कॉल सेंटर में काम करता है।

ब्राज़ील में गोलीबारी छह लोगों की मौत

रियो डी जेनेरियो। ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो स्थिति एक पार्टी हॉल में कथित प्रतिद्वंद्वी आपराधिक गिरोहों के बीच शुक्रवार को हुई गोलीबारी में कम से कम छह लोग मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी उत्तरी होनोरियो गुरगेल इलाके में हुई, जहां कथित तौर पर आपराधिक गिरोह कोमांडो वर्मेलो के सदस्य एक पार्टी कर रहे थे। प्रतिद्वंद्वी गिरोह टेरसीरो कोमांडो पुरो ने आयोजन स्थल पर धावा बोला, जिसके बाद दोनों पक्षों में भीषण गोलीबारी हुई।

रणकौशल के गुर साझा करेंगी भारत और फ्रांस की वायु सेना

नई दिल्ली, एजेंसी

- फ्रांस में दो सप्ताह तक चलेगा अभ्यास गरुड़-2025

भारतीय वायु सेना करीब दो सप्ताह तक फ्रांस के मोंट-डे-मार्सन में फ्रांसीसी वायु सेना के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'गरुड़ 25' में रणकौशल के गुर और अनुभव साझा करेगी। वायु सेना ने शनिवार को यहां कहा कि वायु सेनाकर्मियों का दल 16 से 27 नवम्बर तक चलने वाले इस अभ्यास के आठवें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए गत 10 नवम्बर को फ्रांस पहुंच गया था।

अभ्यास में वायु सेना के सुखोई-30 लड़ाकू विमान हिस्सा लेंगे जबकि मालवाहक विमान सी-17 ग्लोबमास्टर इसमें 'लॉजस्टिक स्पोर्ट' देगा। अभ्यास में हिस्सा लेने वाले लड़ाकू विमानों में हवा में ईंधन भरने के लिए आईएल-78 टैंकर विमान की मदद ली जाएगी। अभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना का सुखोई-30 विमान जटिल कृत्रिम हवाई युद्ध परिदृश्यों में फ्रांसीसी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ आकाश में भिड़ेगा जिसमें हवाई युद्ध, वायु रक्षा और संयुक्त हमला अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसका उद्देश्य संचालन परिदृश्य में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना, पारस्परिक शिक्षा को सक्षम बनाना और भारतीय वायुसेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच अंतर-संचालन को बढ़ावा देना है। अभ्यास 'गरुड़ 25' दोनों वायु सेनाओं के बीच बातचीत, अनुभव के आदान-प्रदान और प्रथाओं को साझा करने का अवसर देता है।

आतंकियों के लिए बना संचार का माध्यम

श्रीमा एप : पहचान और ट्रैक करना मुश्किल

लाल किला कार ब्लास्ट मामले में जांचकर्ताओं ने पाया कि आतंकियों ने आपसी संपर्क के लिए श्रीमा एप का इस्तेमाल किया था। यह एप स्विस कंपनी ने विकसित किया है। इसकी विशेषता ये है कि यह एन्क्रिप्टेड है, जिससे उपयोगकर्ताओं की पहचान और संदेशों को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। श्रीमा एप की विशेषताएं इसे आतंकियों के लिए एक पसंदीदा संचार माध्यम बनाती हैं। हालांकि, जांच एजेंसियां भी लगातार इस एप की निगरानी कर रही हैं और कार्रवाई हेतु नए तरीकों की तलाश में हैं।

एप में है क्या खास

- **एन्क्रिप्शन :** श्रीमा एप पूरी तरह से एन्क्रिप्टेड है, जिससे संदेशों और कॉल्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। अनामता : उपयोगकर्ता बिना फोन नंबर या ईमेल आईडी के भी एप का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- **प्राइवेट सर्वर :** श्रीमा एप उपयोगकर्ताओं को अपना प्राइवेट सर्वर सेटअप करने की अनुमति देता है, जिससे संचार को और भी सुरक्षित बनाया जा सकता है।
- **संदेश हटाना :** उपयोगकर्ता संदेशों को दोनों तरफ से हटाने का विकल्प चुन सकते हैं, जिससे संदेशों का कोई रिकॉर्ड नहीं रहता है। मेटाडेटा संग्रहण नहीं : श्रीमा एप उपयोगकर्ताओं के बारे में कोई मेटाडेटा संग्रहण नहीं करता है, जिससे उनकी पहचान को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

आतंकियों के पसंदीदा कुछ अन्य एप्स

- **टेलीग्राम :** इस एप का इस्तेमाल आतंकी समूहों द्वारा प्रचार, भर्ती और संचार के लिए किया जाता है। इसकी विशेषता है कि यह एन्क्रिप्टेड संदेशों और चैट्स को सपोर्ट करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं की पहचान को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।
- **सिग्नल :** यह एक सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड मेसेजिंग एप है जिसका इस्तेमाल आतंकी समूहों द्वारा संचार के लिए किया जाता है। इसकी विशेषता है कि यह उपयोगकर्ताओं की पहचान को गुप्त रखता है और संदेशों को एन्क्रिप्ट करता है।
- **सेसन :** यह एक डीसेंट्रलाइज्ड मेसेजिंग एप है जो उपयोगकर्ताओं को पूरी तरह से एन्क्रिप्टेड और अनट्रैकेबल संचार प्रदान करता है। इसकी विशेषता है कि यह उपयोगकर्ताओं की पहचान को गुप्त रखता है और संदेशों को एन्क्रिप्ट करता है।

प्रतिबंध लगाना एक जटिल मुद्दा

श्रीमा जैसे एप्स एन्क्रिप्टेड संचार प्रदान करते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं की पहचान और संदेशों को ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। इन एप्स का उपयोग करने वाले लोग अक्सर अपनी गोपनीयता को महत्व देते हैं और अपने संचार को सुरक्षित रखने के लिए इन एप्स का उपयोग करते हैं। लोगों को इन एप्स के खतरों और उनके दुरुपयोग के बारे में जागरूक करना एक बड़ी चुनौती है।

भारत में कई कानून और उपाय

इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 में साइबर अपराधों को परिभाषित करने के साथ दंड का प्रावधान है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (अमेन्डमेंट) एक्ट 2008 में साइबर अपराधों के लिए और अधिक कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। नेशनल साइबर सिक्योरिटी नीति 2013 साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और साइबर अपराध रोकने के लिए व्यापक रणनीति प्रदान करती है।

पारदर्शी हो सुरक्षा परिषद के सहायक संगठनों का काम

भारत ने किया कार्य प्रणाली में बदलाव किए जाने का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सहायक संगठनों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता का आह्वान किया है तथा बिना कोई उचित स्पष्टीकरण दिए संगठनों और व्यक्तियों को आतंकवादी संगठन या आतंकवादी घोषित करने के अनुरोधों को खारिज करने का हवाला दिया है। हाल ही में अमेरिका ने चार यूरोपीय वामपंथी संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है जबकि ये संगठन अमेरिका में सक्रिय भी नहीं हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कार्यप्रणाली पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र की संरचना में केंद्रीय है और एक प्रमुख अंग है जिसकी मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी है।

हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के एक अंग के रूप में सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली इसकी विश्वसनीयता, प्रभावकारिता, दक्षता और पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इसके कार्यक्षेत्र में कई क्षेत्र शामिल हैं लेकिन सदस्यों की संख्या केवल 15 सदस्यों तक सीमित है। सुरक्षा परिषद कई संकटों से घिरे और कई चुनौतियों का सामना कर रहे विश्व में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सहायक अंगों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि इसका एक उदाहरण वह (अस्पष्ट) तरीका है जिसके आधार पर (संगठनों और व्यक्तियों को) सूचीबद्ध किए जाने के अनुरोधों को खारिज किया जाता है। सूची से हटाने के फैसलों के विपरीत इस तरह के अनुरोधों पर फैसले अपेक्षाकृत अस्पष्ट तरीके से किए जाते हैं और परिषद के बाहर के सदस्य देशों को इसकी जानकारी नहीं होती। हरीश ने यह भी बताया कि परिषद की समितियों और सहायक संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिनका बहुत जिम्मेदारी भरा कार्य होता है। उन्होंने कहा कि हितों के स्पष्ट टकराव के लिए परिषद में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

बढ़ाई जाए अस्थायी-स्थायी सदस्यता

हरीश ने 15 देशों की सदस्यता वाले शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र संगठन में सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को उद्देश्यपूर्ण बनाने, मौजूदा और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और अपने कार्यों का उद्देश्यपूर्ण ढंग से निर्वहन करने के वास्ते सक्षम बनाने के लिए आठ दशक पुरानी संरचना को नया स्वरूप देने पर समग्र प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समयबद्ध तरीके से संदेशों के लिखित आदान-प्रदान के माध्यम से कम प्रतिनिधित्व वाले और गैर-प्रतिनिधित्व वाले भौगोलिक क्षेत्रों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व के साथ परिषद की सदस्यता की स्थायी और अस्थायी, दोनों श्रेणियों में विस्तार पर जोर दिया।

अमेरिका से साझेदारी को भारतीय दूतावास प्रतिबद्ध

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- भारतीय दूतों के सम्मेलन में जयशंकर ने की द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में भारत के महावाणिज्य दूतों के सम्मेलन में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों को दिए जाने वाले समर्थन की समीक्षा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी भारतीयों से संबंधी गतिविधियों के लिए समर्थन की समीक्षा की। भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों की प्रतिबद्धता एवं प्रयासों की सराहना करता हूं। जयशंकर ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित महावाणिज्य दूत सम्मेलन की अध्यक्षता की जिसमें अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा, वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास में मिशन उप प्रमुख नामग्या खम्पा के साथ-साथ अटलांटा, बोस्टन, शिकागो, ह्यूस्टन, लॉस एंजिलिस, न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों के सभी दूतों ने हिस्सा लिया।

जयशंकर ने एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस से की थी मुलाकात

महावाणिज्य दूत विनय प्रधान के नेतृत्व में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वाणिज्य दूतावास परिसर में जयशंकर का स्वागत करना सम्मान की बात थी। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि उनका नजरिया, मार्गदर्शन और नेतृत्व भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। जयशंकर ने एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की थी। जयशंकर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश, संयुक्त राष्ट्र में उप-स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी भी मौजूद थे। जयशंकर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना करता हूं। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना करता हूं। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने भारत के विकास और उन्नति के लिए गुतारेस के स्पष्ट एवं निरंतर समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जतायी कि वह जल्द ही भारत यात्रा पर आएंगे। जयशंकर जी-7 समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए कनाडा में थे जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की और अन्य वैश्विक समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

कीव पर रूसी हमले में 6 की मौत, 35 घायल

कीव, एजेंसी

- मिसाइलों और ड्रोन से आबादी क्षेत्र को बनाया निशाना

रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि ड्रोन और मिसाइलों से किया गया यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है।

जालंधर में अंतर्राज्यीय ड्रग सिंडिकेट का किया भंडाफोड़

जालंधर, एजेंसी

- भारी मात्रा में कोकीन, चरस, आइस और हथियार बरामद

पंजाब में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने शनिवार को एक अंतर्राज्यीय ड्रग नेटवर्क में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करके और उनके पास से 205 ग्राम कोकीन, दो किग्रा चरस, 20 ग्राम आइस, 22 ग्राम एलएसडी टैबलेट, दो अवैध हथियार, पांच कारतूस और व्यावसायिक मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस आयुक्त धनप्रीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए विशेष नशा विरोधी अभियान के तहत शुक्रवार को सीआईए-स्टाफ टीम फगवाड़ा-जालंधर उच्च मार्ग पर स्थित मंदाकनी फार्म में ड्रग तस्करों से संबंधित तलाशी ले रही थी, तभी एक वयस्क को संदेह के आधार पर पकड़ा गया।

उसने अपनी पहचान सागर बब्बर, निवासी दशमेश नगर, मॉडल हाउस, जालंधर के रूप में बताई। आरोपी के पास से कुल 200 ग्राम कोकीन, दो किलोग्राम चरस, 20 ग्राम आइस ड्रग, 22 ग्राम एलएसडी टैबलेट और एक .32 बोर पिस्तौल बरामद की गई। उन्होंने बताया कि आगे की कार्रवाई के दौरान, उसके सहयोगी धर्मांशु उर्फ लव, पुत्र मनोज कुमार, निवासी बस्ती शेख, जालंधर को भी गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से पांच ग्राम कोकीन और एक .32 बोर रिवॉल्वर और पांच कारतूस बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ थाना रामा मंडी में धारा 21, 61, 85 एनडीपीएस अधिनियम और 20, 22, 29 एनडीपीएस अधिनियम के अतिरिक्त अपराधों तथा आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

सैकड़ों किलो मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राजस्थान पुलिस ने सरकार के मादक पदार्थों के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राजस्थान के सिरोही जिले के दूर दराज के एक गांव में गुप्त प्रयोगशाला का भंडाफोड़ कर सैकड़ों किलोग्राम रसायन ज़ब्त किए हैं जिनसे करीब 100 किलोग्राम मेफेड्रोन बनाई जा सकती है। जब्त किए गए पदार्थों की बाजार में अनुमानित कीमत 40 करोड़ रुपये है। प्रयोगशाला के सूत्रधार और 4 अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मेफेड्रोन का इस्तेमाल साइकोट्रोपिक ड्रग्स के तौर पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सरकार नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए 'ड्रग कार्टेल' के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है।

आंध्र प्रदेश में प्राणी वैज्ञानिकों ने खोजी छिपकली की नई प्रजाति

कोलकाता, एजेंसी

- हेमीफिलोडैक्टाइलस वेंकटाद्रि स्पेसीज नोव आधिकारिक नाम

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों ने आंध्र प्रदेश में पतली छिपकली (गेको) की एक नई प्रजाति का पता लगाया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक हेमीफिलोडैक्टाइलस वंश से संबंधित नई प्रजाति की यह छिपकली आंध्र प्रदेश के शेषाचलम बायोस्फीयर रिजर्व के भीतर तिरुमाला पर्वत श्रृंखला में पाई गई है। जेडएसआई ने कहा कि इसका आधिकारिक नाम 'हेमीफिलोडैक्टाइलस वेंकटाद्रि स्पेसीज नोव' रखा गया है, जो तिरुमाला में पवित्र वेंकटाद्रि पहाड़ियों के प्रति सम्मान दर्शाता है। वेंकटाद्रि नाम संस्कृत शब्दों वेंकट (जिसका अर्थ है पापों को दूर करने वाला, भगवान विष्णु का एक नाम) और अद्रि (जिसका अर्थ है पर्वत) का मिश्रण है।

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका हरपेटोजोआ (खंड 38, 2025) में प्रकाशित यह खोज, जेडएसआई के 'फ्रेशवाटर बायोलॉजी रीजनल सेंटर' (हैदराबाद), रेप्टिलिया अनुभाग (कोलकाता) और फकीर मोहन विश्वविद्यालय (ओडिशा) की एक टीम का संयुक्त प्रयास था।

लाहौर हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने इस्तीफा दिया

लाहौर। पाकिस्तान में न्यायिक संकट शनिवार को और गहरा गया, जब लाहौर उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों के इस्तीफे के बाद पद छोड़ दिया।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने एक नया संवैधानिक संशोधन लागू करने के माध्यम से संविधान और न्यायपालिका पर हमले का विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया। संविधान से संबंधित मामलों से निपटने के लिए संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना की गई, जबकि उच्चतम न्यायालय पारंपरिक मामलों का ही निस्तारण करेगा।

बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे ट्रंप

लंदन, एजेंसी

- राष्ट्रपति के भाषण को संपादित कर प्रसारित करने का मामला

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि वह बीबीसी पर कानूनी कार्रवाई का इरादा रखते हैं, जबकि ब्रिटेन के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता (बीबीसी) ने पिछले साल प्रसारित समाचार वृत्तचित्र के लिए उनके भाषण को संपादित करने के तरीके को लेकर उनसे माफी मांगी थी।

ट्रंप ने शनिवार को एयरफोर्स वन में कहा कि हम उन पर मुकदमा करेंगे। हम उन पर एक से पांच अरब डॉलर तक का मुकदमा करेंगे, हमें यह करना ही होगा, उन्होंने यह स्वीकार किया है कि बीबीसी ने धोखाधड़ी की है। उन्होंने मेरे मुंह से निकले शब्द बदल दिए। यह विवाद 'ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के लिए एक तनावपूर्ण दौर के बाद आया है, जिसके परिणामस्वरूप बीबीसी के शीर्ष अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया और इसके भारतीय मूल के प्रमुख समीर शाह ने निर्णय की त्रुटि के लिए माफी मांगी। गुरुवार को बीबीसी ने कहा था कि ट्रंप के छह जनवरी 2021 के भाषण के संपादन से अनजाने में यह गलत धारणा बन गई कि ट्रंप ने सीधे तौर पर हिंसक कार्रवाई का आह्वान किया था और कहा कि इसे दोबारा प्रसारित नहीं किया जाएगा।

कंबोडिया-थाईलैंड के संघर्ष को रोका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने एयरफोर्स वन में कहा कि मैंने आज ही एक युद्ध रोका है। कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति से संभव हुए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 17 नवंबर 04.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

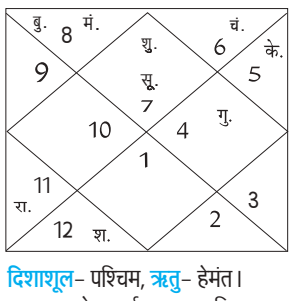

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 17 नवंबर 02.11 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष आज आपके प्रति लोग नकारात्मक भाव अपना सकते हैं। अपने काम को लेकर दूसरों से अधिक राय न लें। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के प्रति विश्वास कम हो सकता है। पुराने मित्रों से मिलना होगा। अपने व्यवहार को संतुलित रखें।

वृष आज आर्थिक स्थिति बहुत ही उन्नत रहेगी। काफी दिनों से चली आ रही परेशानी दूर होगी। आप अपना काम काफी अच्छी तरह से पूरा करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अचानक नई नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। ललित कलाओं के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे।

मिथुन आज आपका मन घर में नहीं लगेगा। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। वैवाहिक जीवन अत्यंत तनावयुक्त हो सकता है। नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कर्क आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। छोटी दूरी की यात्राओं के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र और परिवार दोनों ही जगह आपकी प्रशंसा होगी। शुभ समाचारों के मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज शेयर मार्केट में बड़ा निवेश न करें वरना आर्थिक हानि होने की संभावना भी बन रही है। घर में बिजली के उपकरण खराब हो सकते हैं। घर के काम में आप अत्यंत व्यस्त रहेंगे। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

कन्या आज यात्राओं से लाभ प्राप्त होगा। व्यवसाय में पुराने नुकसान की भरपाई करने में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। अपने उद्देश्यों को लेकर सतर्क रहें। समाज में सक्रिय लोगों को सम्मानित किया जा सकता है।

तुला आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करने से बचना चाहिए। आत्मसम्मान को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। पति-पत्नी के बीच झगड़े होने की संभावना बन रही है। पुरानी कड़वी यादें अचानक आपके सामने आ सकती हैं।

वृश्चिक आज दिन की शुरुआत आपके लिए बहुत अच्छी रहेगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। व्यापार में तकनीक का काफी अच्छा प्रयोग करेंगे। जीवनसाथी की सलाह आपके काम आएगी। बच्चों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे।

धनु आज प्रत्येक कार्य आप काफी समझदारी से करेंगे। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो समय बहुत ही अच्छा है। प्रियजनों की सलाह आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। एक साथ अनेक कार्य करने से बचें।

मकर आज व्यर्थ बातों पर अधिक ध्यान न दें। माइग्रेन के रोगियों को धूप और धूल से बचना चाहिए। बच्चों के ऊपर आप गुस्सा निकाल सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में हानि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों का मन काम में नहीं लगेगा।

कुंभ आज कुछ लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं। मित्रों को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। आपको आकस्मिक धन लाभ हो सकता है। परिवार में सामंजस्य में कमी महसूस होगी। एलर्जी और कफ के रोग परेशान कर सकते हैं।

मीन आज उच्च पदस्थ लोगों से आपके संपर्क विकसित हो सकते हैं। व्यवसाय में विस्तार करने के लिए समय बहुत ही शुभ है। प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तम सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन मधुरता से भरपूर रहेगा।

सुडोकू-162

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

					5		6	
7								
5						7		
		2						
				3				
								4
	9		2				7	

सुडोकू - 161 का हल

1	2	5	6	7	8	4	9	3
3	9	7	4	2	5	8	1	6
8	4	6	3	9	1	2	7	5
5	7	1	9	3	2	6	4	8
4	6	8	1	5	7	9	3	2
9	3	2	8	6	4	7	5	1
7	5	4	2	1	6	3	8	9
6	1	3	7	8	9	5	2	4
2	8	9	5	4	3	1	6	7

मैंने महाराष्ट्र के लिए आयु-वर्ग क्रिकेट खेलकर अपनी क्रिकेट यात्रा शुरू की और अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। हमारी विश्व कप जीत टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और टीम वर्क का परिणाम था।

-स्मृति मंधाना

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 16 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेमीफाइनल के बाद उड़ गई थी रातों की नींद : शेफाली

मुंबई। आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप फाइनल से पहले उनकी रातें नींद के बिना और चिंता के साथ गुजरी थी। मुंबई में अंतिम चार के मैच से पहले चोटिल प्रतीका रावल की जगह लेने वाली शेफाली हाल ही में संपन्न महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ पांच गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हो गईं। उन्होंने हालांकि फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया।

एमसीए ने मंधाना को पुरस्कृत किया

मुंबई। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) ने शनिवार को भारतीय टीम की उप-कप्तान और कलात्मक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भारतीय महिला टीम को विश्व चैंपियन बनाने के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया। मंधाना ने विश्व कप में 54.25 की प्रभावशाली औसत से 434 रन बनाए थे। वह सबसे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थी।

अर्जुन विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

पणजी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी दो बार के चैम्पियन अमेरिका के लेवोन आरोनियन को अंतिम 16 के दूसरे गेम में हराकर फिडे शतरंज विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। अर्जुन ने काले मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की। उन्होंने क्लासिकल टाइम कंट्रोल में पहला मुकाबला ड्रॉ खेला था लेकिन दूसरे मुकाबले में आरोनियन जैसे दिग्गज को कोई मौका नहीं दिया। भारत के ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से लगातार दूसरा मुकाबला ड्रॉ खेला। उजबेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव ने आर्मेनिया के गैब्रियल सर्जिसियान को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। हरिकृष्णा को रविवार को टाइब्रेकर खेलना होगा। इस टूर्नामेंट से शीर्ष तीन खिलाड़ी अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलेंगे।

पाक के खिलाफ वैभव पर रहेगी निगाह

दोहा। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रविवार को यहां राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी-20 मैच में पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे जबकि जितेश शर्मा की अगुवाई वाली भारत ए बीसीसीआई की हाथ नहीं मिलाने की नीति का पालन करेगी। सितंबर में एशिया कप के दौरान भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था।

कोलकाता टेस्ट : दूसरे दिन 16 विकेट गिरे, जडेजा ने चार बल्लेबाजों को आउट किया, दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका संघर्षरत

ईडन गार्डंस में विकेटों के पतझड़ के बीच भारत का पलड़ा भारी

कोलकाता, एजेंसी

ईडन गार्डंस का विकेट लगातार दूसरे दिन बल्लेबाजों के लिए कब्रगाह साबित हुआ। दिन भर में 16 विकेट गिरे जिसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर अपना पलड़ा भारी रखकर पहला टेस्ट मैच तीन दिन के अंदर जीतने की संभावना बढ़ा दी। लेकिन भारत को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि विकेट से स्पिनरों को मदद मिल रही है और इस पर 150 रनों का लक्ष्य चुनौती पूर्ण हो सकता है।

यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय टीम पहली पारी में केवल 189 रन पर आउट हो गई और इस दौरान उसके बल्लेबाजों को साइमन हार्मर और केशव महाराज की स्पिन जोड़ी के सामने संघर्ष करना पड़ा। भारत ने पहली पारी में 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन परिस्थितियों को देखकर यह महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल का चोटिल होना चिंता का विषय है, क्योंकि पहली पारी में रिटायर्ड हर्ट होने के बाद वह दोबारा बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे। पहली पारी में 159 रन पर आउट होने वाले दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 93 रन बनाए हैं और वह भारत से 63 रन आगे है।

कप्तान तेम्बा बावुमा 78 गेंद पर 29 रन बनाकर एक छोर संभाले हुए हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े कोर्बिन बॉश एक रन बनाया है। यहां दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने चाय के विश्राम के समय अपनी चौथी गेंद पर रेयान रिकेल्टन (11) को आउट कर दिया। चाय के विश्राम के बाद रवींद्र जडेजा की बलखाती गेंदों का जादू चला और उन्होंने लगातार चार विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (04) का विकेट लेने के बाद वियान मुल्डर (11), टोनी डि जार्जी (02) और ट्रिस्टन स्टब्स (05) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की संभावनाओं को करारा झटका दिया। जडेजा ने अब तक 29 रन देकर चार, कुलदीप यादव ने 12 रन देकर दो और अक्षर पटेल ने 30 रन देकर एक विकेट लिया है।

भारत की पारी एक तरह से नौ विकेट पर समाप्त हुई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल स्लॉग स्वीप के दौरान गर्दन में ऐंठन के कारण चोटिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए वापस नहीं लौटे। हार्मर ने क्लब हाउस छोर से लगातार 14.2 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर चार विकेट चटकाए, जिससे धीमी और खुरदरी पिचों पर रविचंद्रन अश्विन के प्रभाव की यादें ताजा हो गईं। उन्होंने भारत के बाएं हाथ के छह बल्लेबाजों को लगातार निशाना बनाया और उनमें से तीन बल्लेबाजों वाशिंगटन सुंदर (29), रवींद्र जडेजा (27) और अक्षर पटेल (16) को आउट किया। वाशिंगटन ने 82 गेंदों का सामना किया, जबकि जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलीं। इसके बावजूद हार्मर की गेंद को अंदर की ओर टर्न कराने की क्षमता निर्णायक साबित हुई। लंबे कद के तेज गेंदबाज मार्को यानसन (35 रन देकर तीन विकेट) ने हाई कोर्ट एंड से उनका शानदार साथ दिया। लंच के बाद के सत्र में भारतीय टीम के वापसी के संकेत मिले जब ध्रुव जुरेल (14) ने कॉर्बिन बॉश की तीन गेंदों पर दो चौके जड़े। लेकिन हार्मर के खिलाफ ऊपर की ओर ड्राइव करने का उनका प्रयास रिटर्न कैच में समाप्त हो गया। भारत ने सुबह एक विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और वाशिंगटन ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज वापसी करने में सफल रहे।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी) 159 रन

भारत

189/10 (पहली पारी) (62.2 ओवर)

यशस्वी जयसवाल बो यानसन	12
राहुल का मारक्रम बो महाराज	39
वॉशिंगटन का मारक्रम बो हार्मर	29
शुभमन गिल रिटायर हार्ट	04
ऋषभ पंत का वेरेने बो बॉश	27
रविंद्र जड़ेजा पगबाधा हार्मर	27
ध्रुव जुरेल का एवं बो हार्मर	14
अक्षर पटेल का यानसन बो हार्मर	16
कुलदीप का वेरेने बो यानसन	01
मोहम्मद सिराज बो यानसन	01
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01

गेंदबाजी : यानसन 15-4-35-3, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 16-1-66-1, बॉश 11-4-32-1, हार्मर 15.2-4-30-4

दक्षिण अफ्रीका

93/7 (दूसरी पारी) (35 ओवर)

रियान रिकेलटन पगबाधा कुलदीप	11
एडेन मारक्रम का जुरेल बो जडेजा	04
वियान मुल्डर का पंत बो जडेजा	11
तेम्बा बावुमा खेल रहे हैं	29
टोनी डि जोर्जी का जुरेल बो जडेजा	02
ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा	05
काइल वेरेने बो अक्षर	09
मार्को यानसन का राहुल बो कुलदीप	13
कोर्बिन बॉश खेल रहे हैं	01

गेंदबाजी : बुमराह 6-1-14-0, अक्षर 11-0-30-1, कुलदीप 5-1-12-1, जडेजा 13-3-29-4

भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल भी हैरान

कोलकाता। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने स्वीकार किया कि उनकी टीम इस बात से हैरान थी कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पिच जरूरत से ज्यादा खुरदरी हो गयी। मैच के दूसरे दिन 16 विकेट गिर गए।

गर्दन में खिंचाव के बाद पैवेलियन लौटते कप्तान शुभमन गिल। एजेंसी

शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर

कोलकाता, एजेंसी

- **स्वीप शॉट खेलते समय उभरी तकलीफ, सिर्फ तीन गेंदें खेल सके**

शुभमन गिल की गर्दन में ऐंठन है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। आज उनकी प्रगति को देखकर उनके आगे खेलने के बारे में फैसला किया जाएगा।

-बीसीसीआई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में आगे खेल पाना अनिश्चित है क्योंकि दूसरे दिन शनिवार को यहां साइमन हार्मर की गेंद पर स्लॉग स्वीप करने के प्रयास में गर्दन में ऐंठन आने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए।

गिल ने सिर्फ तीन गेंदें खेलीं, जिसके बाद चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने चार रन बनाए। उन्होंने हार्मर को बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से चौका मारा, लेकिन इस दौरान उनकी गर्दन में ऐंठन हो गई। फिजियो तुरंत ही मैदान पर पहुंचे लेकिन इस स्टार बल्लेबाज को रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। यह घटना ड्रिंक्स ब्रेक के बाद 35वें ओवर में घटी। लेकिन स्थिति और चिंताजनक हो गई जब उन्हें गर्दन में कॉलर बांधकर ले जाते हुए देखा गया, जिससे चोट की गंभीरता के बारे में और अधिक चिंता पैदा हो गई।

भारत के सहायक कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा हमें पता करना होगा कि उसकी गर्दन में ऐंठन कैसे आई। शायद रात को ठीक से सो नहीं पाया। इसका कार्यभार से कोई लेना देना नहीं है।

गिल इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में कप्तानी के बाद से लगातार हर प्रारूप में खेल रहे हैं। शनिवार को आस्ट्रेलिया में सफेद गेंद की सीरीज खत्म होते ही वह यहां टीम से जुड़ गए और मंगलवार को पहले अभ्यास सत्र में भाग लिया। मोर्कल ने टाइमिंग को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा गिल काफी फिट है और अपना बहुत ध्यान रखता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुबह उसकी गर्दन में ऐंठन आ गई। हमे उस समय उससे एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी। टाइमिंग खराब रही।

आईपीएल मिनी नीलामी में केकेआर और सीएसके के बीच मचेगी होड़

मुंबई, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 16 दिसंबर को अबु धाबी में होने वाली आईपीएल की मिनी नीलामी में खिलाड़ियों को लेकर होड़ लगने की उम्मीद है क्योंकि दस टीमों में से सबसे ज्यादा पैसा इन्हीं दोनों के पास बचा है।

केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (23.75 करोड़ रूपये) और आंद्रे रसेल (12 करोड़) जैसे महंगे खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन को खरीदने के बावजूद कई खिलाड़ियों को रिलीज करके 40 करोड़ रूपये बचा लिए हैं। केकेआर को नये सिरे से टीम बनानी होगी जबकि चेन्नई अपने गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर करने की जुगत में होगी। उसकी नजरें मथीषा पथिराना को वापिस लेने या बेन स्टोक्स को खरीदने पर भी लगी होगी बशर्ते वह एशेज के बाद उपलब्ध रहे। केकेआर ने क्विंटोन डिकॉक, मोईन अली और एनरिक नॉर्किया को भी रिलीज कर दिया है जबकि अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, हर्षित राणा और अंगकृष रघुवंशी को बरकरार रखा है। केकेआर के पास 13 जगह खाली है जिनमें छह विदेशी खिलाड़ियों के लिये है। इससे पहले हरफनमौला रविंद्र जडेजा सीएसके से राजस्थान रॉयल्स में और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन रॉयल्स से सीएसके में आ गए हैं। खिलाड़ियों को बरकरार रखने की मियाद रविवार तक की ही है। आईपीएल की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार जडेजा 18 करोड़ से कम 14 करोड़ में रॉयल्स के पास गए हैं जबकि सैमसन मौजूदा फीस 18 करोड़ में ही सीएसके में आये हैं। इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन भी दो करोड़ 40 लाख रूपये में सीएसके से रॉयल्स में चले गए हैं। सीएसके के प्रबंध निदेशक काशी विश्वनाथ ने कहा चेन्नई सुपर किंग्स ने रविंद्र जडेजा और सैम कुरेन की जगह राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को खरीदा।

मिनी नीलामी आज

मोहम्मद शमी और अर्जुन तेंदुलकर खेलेंगे लखनऊ से

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मौजूदा फीस दस करोड़ रुपये में ही अब सनराइजर्स हैदराबाद की बजाय लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। सचिन तेंदुलकर का बेटा अर्जुन मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जाइंट्स में आ गया है जबकि नीतिश राणा अब रॉयल्स की बजाय दिल्ली कैपिटल्स में नजर आएंगे।

लक्ष्य जापान मास्टर्स से बाहर

कुमामोतो (जापान)। स्टार भारतीय शटलर लक्ष्य सेन का 475,000 डॉलर इनामी कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में विजय अभियान शनिवार को यहां सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोतो से तीन गेम में हार के साथ खत्म हो गया।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन छठी वरीयता प्राप्त निशिमोतो से 77 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सेन ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, पर तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था पर जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

क्रोएशिया ने आइलैंड्स को हराकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

लंदन, एजेंसी

क्रोएशिया ने शुक्रवार को फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह पक्की कर ली, जबकि नीदरलैंड पोलैंड के साथ ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन के करीब पहुंच गया। क्रोएशिया को विश्व कप में जगह बनाने के लिए इस मैच में जीत की दरकार थी, लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। फरो आइलैंड्स की तरफ से डेविड टूरी ने गोल किया।

क्रोएशिया ने हालांकि जल्द ही वापसी की। उसके लिए 23वें मिनट में जोस्को ग्वार्डिओल ने बराबरी का गोल दागा। दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए पेटार मूसा ने जोसिप स्टानिसिक की मदद से हाफटाइम के बाद क्रोएशिया को 2-1 से आगे कर दिया। उसकी तरफ से तीसरा गोल निकोला व्लासिक ने किया। नीदरलैंड ने वारसॉ में पिछड़ने के बाद वापसी की।

गोल करने का प्रयास करते क्रोएशिया और फरो आइलैंड्स के खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में जन्मे विलियम्स को एएफसी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में मिली जगह

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया में जन्मे फॉरवर्ड रयान विलियम्स को 18 नवंबर को ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालीफायर के अंतिम दौर के ग्रुप सी मैच के लिए 23 सदस्यीय भारतीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया है। विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिकता हासिल की है। भारतीय टीम छह नवंबर से बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। टीम शनिवार को ढाका के लिए रवाना हो गयी। फॉरवर्ड विलियम्स टीम के साथ बांग्लादेश गये है लेकिन मैच के दिन टीम में उनका शामिल होना फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र और उसके बाद फीफा और एएफसी से अनुमोदन प्राप्त करने पर निर्भर है।

स्लोवेनिया ने भारत को हराकर बिली जीन किंग कप क्वालीफायर में प्रवेश किया

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत की श्रीवल्ली भामिदीपती और सहजा यामलापल्ली ने बिली जीन किंग कप क्वालीफायर में ग्रुप जी में स्लोवेनिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। युगल मुकाबले में प्रार्थना थोम्बरे और अंकिता रैना की दलिला जाकुपोविक और निकिया रेडिसिक की जोड़ी पर जीत से पहले ही स्लोवेनिया ने शुरुआती दोनों एकल मैच जीत कर भारत की हार पक्की कर दी थी। स्लोवेनिया ने इस मुकाबले को 2-1 से जीता।

श्रीवल्ली को दो घंटे 19 मिनट तक चले मुकाबले में तमारा जिदानसेक के खिलाफ 3-6, 6-4, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा जबकि काजा जुआन के खिलाफ सहजा ने कुछ मौकों को भुनाने में विफल रही जिससे उन्हें 4-6, 2-6 से शिकस्त मिली। प्रार्थना और अंकिता की जोड़ी ने इसके बाद औपचारिकता वाले मैच में 1-6 6-3 10-7 से जीत दर्ज की। श्रीवल्ली शुरुआती मुकाबले में थोड़ी दबाव में दिखी और जिदानसेक इसका फायदा उठते हुए बढ़त हासिल कर ली।

भारत की श्रीवल्ली के खिलाफ रिटर्न करतीं स्लोवेनिया की तमारा जिदानसेक।

गौरव के पल | विश्व कप फाइनल में नादिन डी क्लार्क का कैच लेते ही भारत ने जीत लिया था खिताब

आखिरी गेंद कम से कम 1000 बार देखी है : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, एजेंसी

यह एक ऐसा पल है जिसने उनकी जिंदगी और भारतीय महिला क्रिकेट की दिशा को बदल दिया और इसलिए इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है कि हरमनप्रीत कौर ने विश्व कप फाइनल में नादिन डी क्लार्क का यादगार कैच अब तक कम से कम 1000 बार देखा है।

कप्तान के इस कैच ने भारत को दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम पर 52 रन से जीत दिलाकर ऐतिहासिक पहली विश्व कप ट्रॉफी दिलाई। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने यहां पीटीआई मुख्यालय के दौरे के दौरान विशेष साक्षात्कार में कहा मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। मैंने वह आखिरी गेंद कम से कम एक हजार बार देखी है। सिर्फ मैं ही नहीं, हमारी टीम भी कई वर्षों से इस पल का इंतजार कर रही थी। मुझे लगता है कि मैं उस पल को बार-बार जीना चाहती हूं।

उन्होंने कहा मुझे सच में नहीं पता कि आखिरी कैच लेते समय मैं क्या सोच रही थी। इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं हमेशा से विश्व कप जीतने का सपना देखती थी और आखिरकार हमने वह कर दिखाया। अब दो सप्ताह हो गए हैं और यह बहुत ही खास एहसास है और इसे बयां करना मुश्किल है। भारतीय टीम ने वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद विश्व कप जीता। इसके बाद हरमनप्रीत एक लंबे ब्रेक की हक़दार थीं। लेकिन मैदान के बाहर उनका कार्यक्रम पहले से कहीं ज़्यादा व्यस्त रहा है और फ़ाइनल में विजयी कैच लेने के बाद से उन्हें घर वापस जाने का भी समय नहीं मिला है। अभियान में उतार-चढ़ाव भरे रहे और शायद सबसे बड़ी चुनौती लीग चरण में टीम को मिली लगातार तीन हार थी, जिसके कारण सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। हरमनप्रीत ने आपत्तिजनक ऑनलाइन टिप्पणियों को हल्के में लेते हुए कहा कि कठोर आलोचना से पता चलता है कि उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद की जा रही थी।

पहली कमाई पर मुझे लगा जैसे मैं दुनिया की सबसे अमीर इंसान बन गई हूं

नई दिल्ली : विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की आंखे उस समय खुशी से भर आईं जब उन्होंने 90,000 रुपये की अपनी पहली कमाई को याद किया। अपनी असाधारण यात्रा के बारे में बात करने के लिए पीटीआई मुख्यालय पहुंची हरमनप्रीत ने कहा कि पहली कमाई ने उन्हें दुनिया की 'सबसे अमीर इंसान' जैसा महसूस कराया था। उनके उतार-चढ़ाव भरे करियर का सबसे यादगार पल बेशक दो नवंबर को जीता गया विश्व कप है, लेकिन उस पल तक पहुंचने से पहले कई ऐसे पड़ाव आए जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया, खासकर उनके पदार्पण मैच की तनख्वाह उस समय उनके लिए बहुत बड़ी राशि थी।

हरमनप्रीत से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा उन दिनों हमारी टूर फीस एक लाख रुपये हुआ करती थी। हम चाहे जितने भी मैच खेलें, हमें उतनी ही रकम मिलती थी। टीडीएस के बाद यह लगभग 90,000 रुपये हो जाता था। हरमनप्रीत ने क्रिकेट खेलना शुरू करने के बाद भारतीय टीम की जर्सी पहनने का सपना संजोना शुरू कर दिया था और अपनी पहली कमाई को याद कर उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गये। उन्होंने कहा उस समय मुझे ऐसा लगा जैसे मैं दुनिया की सबसे अमीर इंसान हूं, क्योंकि यह मेरी पहली कमाई थी। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने 2009 में वनडे और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन टेस्ट टीम का हिस्सा 2014 में इंग्लैंड दौरे पर बनीं।